केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले सदन के सत्र को चलने नहीं देना ठीक नहीं - 12

फेडरल बैंक के ब्याज दरों में कटौती की संभावना से बदलेगी शेयर बाजार की गति -12

रूस की तेल रिफाइनरियों पर यूक्रेन के हमले तेज, पेट्रोल का निर्यात बंद - 13

राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में घरेलू चुनौती की अगुवाई करेंगी मीराबाई चानू- 14

आज का मौसम

30.0° अधिकतम तापमान

27.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.45

सूर्यास्त 06.36

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वितीया 12:35 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

सोमवार, 25 अगस्त 2025, वर्ष 4, अंक 5, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

डीआरडीओ ने लांच किया आत्मनिर्भर भारत का सुदर्शन चक्र, गगनयान मिशन के तहत इसरो की बड़ी उपलब्धि

हवाई रक्षा प्रणाली का पहला परीक्षण सफल

ओडिशा के तट पर किया गया एकीकृत वायु रक्षा हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने उभरते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर अपनी बढ़ती सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए ओडिशा तट से एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली (आईएडीडब्ल्यूएस) का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। इसे सुदर्शन चक्र का नाम दिया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार आईएडीडब्ल्यूएस एक बहुस्तरीय हवाई रक्षा प्रणाली है जिसमें त्वरित प्रतिक्रिया वाली सतह से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल, बहुत कम दूरी की हवाई रक्षा प्रणाली मिसाइल और उच्च शक्ति वाली लेजर आधारित निर्देशित ऊर्जा हथियार प्रणाली शामिल हैं। स्वदेशी हवाई रक्षा प्रणाली का शनिवार 12:30 बजे ओडिशा तट से उड़ान परीक्षण किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उड़ान परीक्षणों के लिए आईएडीडब्ल्यूएस को विकसित करने वालों, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और सशस्त्र बलों को बधाई दी। नई हवाई रक्षा प्रणाली का उड़ान परीक्षण ऑपरेशन सिंदूर के साढ़े तीन महीने बाद हुआ है। सिंह ने सोशल मीडिया पर कहा कि इस अद्वितीय उड़ान परीक्षण ने हमारे देश की बहुस्तरीय हवाई रक्षा क्षमता को स्थापित किया है और यह दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ रक्षा प्रणाली को मजबूत बनाएगी। आईएडीडब्ल्यूएस के अंतर्गत एक केंद्रीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र सभी हथियार प्रणालियों का एकीकृत संचालन करेगी।

सुदर्शन चक्र की विशेषताएं

- **प्रौद्योगिकी :** इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और लेजर-गाइडेड सिस्टम हैं, जो सटीक निशाना लगाते हैं।
- **संरचना :** यह एक ग्राउंड-बेस्ड और स्पेस-बेस्ड हाइब्रिड सिस्टम है, जिसमें सैटेलाइट और रडार नेटवर्क शामिल हैं।
- **लक्ष्य :** बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों को नष्ट करना।

पैराशूट प्रणाली के लिए एयर-ड्रॉप टेस्ट

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आगामी गगनयान मिशन के लिए पैराशूट आधारित गति धीमी करने से संबंधित प्रणाली को परखने के लिए रविवार को पहला एकीकृत एयर ड्रॉप परीक्षण (आईएडीटी-01) सफलतापूर्वक किया।

इसरो के एक अधिकारी ने बताया कि यह परीक्षण आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के निकट किया गया। यह अभ्यास इसरो, भारतीय वायु सेना, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। गगनयान परियोजना का उद्देश्य भारत की यह क्षमता प्रदर्शित करना है कि वह मनुष्यों को अंतरिक्ष में भेजकर सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस ला सकता है। देश के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन के रूप में योजनाबद्ध यह परियोजना, चालक दल की सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रणालियों की जांच के लिए पूर्ववर्ती मानवरहित मिशनों को भी शामिल करेगी। पैराशूट-आधारित गति धीमी करने की प्रणाली धरती पर लौटने और लैंडिंग के दौरान चालक दल के मॉड्यूल की सुरक्षित वापसी के संबंध में एक प्रमुख घटक है।

मानव अंतरिक्ष मिशन की तैयारी

गगनयान के लिए पैराशूट प्रणाली के परीक्षण में जुटे वैज्ञानिक।

ब्रीफ न्यूज

आईपीएस अनीश दयाल बने डिप्टी एनएसए

नई दिल्ली। सीआरपीएफ और आईटीबीपी के पूर्व महानिदेशक अनीश दयाल सिंह को नया उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) नियुक्त करते हुए आंतरिक मामलों को संभालने का दायित्व सौंपा गया है। मणिपुर कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी सिंह दिसंबर 2024 में सेवानिवृत्त हुए थे। इस भूमिका के लिए उनके पास व्यापक अनुभव है।

झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन नजरबंद

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के नेता चंपई सोरेन को सरकारी स्वास्थ्य संस्थान के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आदिवासी संगठनों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था की समस्याओं से बचने के लिए रविवार को नजरबंद कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि उनके बेटे बाबूलाल सोरेन और रांची जा रहे उनके समर्थकों को भी एक थाने में हिरासत में ले लिया गया है। रांची के पुलिस उपाधीक्षक केवी. रमन ने बताया कि एहतियाती उपाय के तौर पर चंपई सोरेन को नजरबंद किया गया है।

पटियाल-बंबीहा गिरोह के दो शूटर गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब के एसबीएस नगर जिले के पोजेवाल इलाके में पिछले महीने हुई हत्या के मामले में लकी पटियाल-दविंदर बंबीहा गिरोह के दो शूटर को मुंबई से गिरफ्तार किया गया है। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान होशियारपुर के रोर मजारा गांव निवासी करण गंगर (25) और गढ़शंकर के रामगढ़ झुंगियां गांव निवासी जसकरणदीप सिंह के रूप में हुई है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर 25 करोड़ का गांजा जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री के पास से करीब 25 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा जब्त किया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने 21 अगस्त को सिंगापुर होते हुए बैंकॉक से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल तीन पर एक भारतीय को रोका। यात्री द्वारा ले जाए जा रहे नीले और गहरे भूरे रंग के ट्रॉली बैग की जांच करने पर इसमें काले रंग के 25 पॉलीथीन पैकेट पाए गए, जिनमें हरे रंग का मादक पदार्थ था। जांच में ये पैकेट गांजा/मारिजुआना के पाए गए जिसका कुल वजन 24814 ग्राम (शुद्ध वजन) था। इस पदार्थ की कीमत लगभग 24.8 करोड़ रुपये है।

माओवादियों ने छह वाहनों को लगाई आग

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले में माओवादियों से अलग हुए एक समूह ने कोयला खनन में जुटे कम से कम छह वाहनों को आग लगा दी। घटना शनिवार रात चरही थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के तापिन नॉर्थ कोल माइनिंग परियोजना स्थल पर हुई। पुलिस को इस घटना में तृतीय प्रस्तुति समिति (टीपीसी) की संलिप्तता का संदेह है, क्योंकि घटनास्थल के पास इस संगठन का एक पर्चा मिला है।

गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाश पर्व

सनातन व राष्ट्र की रक्षा में सिख गुरुओं ने दिया बलिदान : योगी

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के कार्यक्रम में की शिरकत

- कहा-सिख गुरुओं ने जीवन का हर क्षण देश, धर्म और मानवता के कल्याण के लिए समर्पित किया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इतिहास में वही जाति और कौम जीवित रहती है, जो अपने पूर्वजों के शौर्य, पराक्रम और बलिदान को जीवन का हिस्सा बनाती है। सिख गुरुओं ने सदैव सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी वीरता, त्याग और बलिदान देश की आत्मा में आज भी जीवित है।

योगी रविवार को गोरखपुर के पैडलेगंज स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पर्यटन विकास कार्यों, गुरुद्वारा भवन के नए स्वरूप और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार कार्यों का लोकार्पण किया। पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश पर्व पर आयोजित समागम में मुख्यमंत्री ने गुरुवाणी सुनी और संगत में शामिल हुए। गुरुद्वारा समिति की ओर से उन्हें प्रतीक चिन्ह और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं की परंपरा अनुपम और अटूट रही है। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोविंद सिंह जी तक, हर गुरु ने सनातन धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने कहा कि जब भी भारतीय संस्कृति पर संकट आया, सिख गुरुओं ने आगे बढ़कर अपने बलिदान से उसे बचाया। योगी ने विशेष रूप से गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को याद किया। उनके बलिदान के 350वें वर्ष में देशभर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। योगी ने गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादों बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान को याद किया।

गोरखपुर में श्री गुरु सिंह सभा की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किया गया सरोपा।

सिख-नाथ परंपरा राष्ट्रभक्ति की धारा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अक्सर सिख गुरुओं के अमर बलिदान को स्मरण करते हैं। उनका मानना है कि सिख और नाथ परंपरा, दोनों ही राष्ट्रभक्ति और बलिदान की साझा धारा हैं। जब वे गुरुद्वारों में जाकर मत्था टेकते हैं, तो वह केवल औपचारिकता नहीं होती, बल्कि उस ऐतिहासिक रिश्ते को जीवित करने का प्रयास होता है, जिसे गुरु नानक देव जी और गोरखनाथ संप्रदाय ने सदियों पहले स्थापित किया था। इस मौके पर योगी ने कहा कि गोरखपुर के प्रमुख तीन गुरुद्वारों जटा शंकर, मोहद्दीपुर और पैडलेगंज को बेहतर स्वरूप देने का कार्य किया गया है। यह सिख गुरु परंपरा के प्रति हमारी कृतज्ञता और श्रद्धा का प्रतीक है। पैडलेगंज गुरुद्वारा वर्षों से सिख संगत का आस्था केंद्र रहा है।

बीओआई ने भी लगाया अनिल अंबानी पर धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

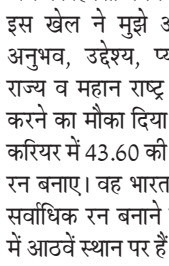

- बैंक ऑफ इंडिया ने दिया था ऑरकाम को 700 करोड़ का ऋण

भारतीय स्टेट बैंक के बाद, बैंक ऑफ इंडिया ने भी दिवालिया हो चुकी रिलायंस कम्युनिकेशंस (ऑरकाम) के ऋण खाते को धोखाधड़ी वाला घोषित किया है और इस मामले में कंपनी के पूर्व निदेशक अनिल अंबानी का नाम भी लिया है। शेयर बाजार को दी जानकारी में बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने 2016 में कथित तौर पर धन के हेरफेर का हवाला दिया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बीओआई ने अगस्त 2016 में रिलायंस कम्युनिकेशंस को उसके चालू पूंजीगत व्यय और परिचालन व्यय तथा मौजूदा देनदारियों के भुगतान के लिए 700 करोड़ रुपये का ऋण दिया था।

रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बैंक के पत्र के बारे में बताया है। इसके अनुसार अक्टूबर 2016 में जारी की गई स्वीकृत राशि का आधा हिस्सा एक सावधि जमा में निवेश किया गया था, जिसकी स्वीकृति पत्र के अनुसार अनुमति नहीं थी। आरकॉम ने कहा कि उसे 22 अगस्त को बैंक ऑफ इंडिया से आठ अगस्त का एक पत्र मिला है, जिसमें बैंक द्वारा कंपनी, अनिल धीरजलाल अंबानी (कंपनी के प्रवर्तक और पूर्व निदेशक) और मंजरी अशोक कक्कड़ (कंपनी की पूर्व निदेशक) के ऋण खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने के फैसले की जानकारी दी गई है।

इससे पहले, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने भी इस साल जून में ऐसा ही किया था, जिसमें ऋण की शर्तों का उल्लंघन करते हुए लेनदेन करके बैंक के धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया था। एसबीआई की शिकायत के बाद सीबीआई ने शनिवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस और अंबानी के आवास से जुड़े परिसरों की तलाशी ली।

सरकार का ध्यान रोजगार के अधिकतम अवसर सृजित करने पर : मोदी

अहमदाबाद, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने कहा-युवा स्वदेशी उत्पाद अपनाकर देश को बनाएं आत्मनिर्भर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार का ध्यान युवाओं के लिए रोजगार के अधिकतम अवसर सृजित करने पर है। मोदी ने अहमदाबाद में एक कार्यक्रम को वीडियो लिंक के माध्यम से संबोधित करते हुए युवाओं से स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर आत्मनिर्भर बनने के देश के प्रयासों का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमने 'स्किल इंडिया मिशन' शुरू किया, जिसके तहत करोड़ों युवाओं को अलग-अलग क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति के रूप में तैयार किया जा रहा है।

आज दुनिया का एक बड़ा हिस्सा उम्र बढ़ने की समस्या में फंसा हुआ है, उन्हें युवाओं की जरूरत है और भारत में दुनिया को युवा देने की क्षमता है। मोदी ने अहमदाबाद के सरदारधाम फेज-11 में एक बालिका छात्रावास का उद्घाटन करने के बाद कहा कि अगर आज युवा कुशल हैं, तो उनके लिए रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं। वे आत्मनिर्भर बनते हैं, इससे उन्हें शक्ति मिलती है। उन्होंने बेटियों की प्रगति में समाज के सहयोग की सराहना की।

कौशल पर सबसे अधिक जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा प्रणाली में कई बदलाव किए हैं, जिसमें कौशल पर सबसे अधिक जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का ध्यान 'स्टार्ट अप इंडिया' और मुद्रा योजना के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार के अधिकतम अवसर पैदा करने पर है।

राजा अयोध्या बिमलेंद्र मोहन मिश्र का निधन, पंचतत्व में विलीन

अयोध्या। अयोध्या राजसदन के मुखिया और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी 75 वर्षीय बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र (राजा साहब) का शनिवार रात निधन हो गया। रविवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। एक्स पर लिखा कि बिमलेंद्र मोहन का निधन अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, खाद एवं रसद मंत्री सतीश शर्मा, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

- राजसदन के मुखिया के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

पुजारा का क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

सर्वश्रेष्ठ भारतीय बल्लेबाजों में से एक और एक दशक से अधिक समय तक टेस्ट क्रिकेट की सेवा करने वाले बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने रविवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा कर दी, जिससे उनके शानदार टेस्ट करियर का अंत हो गया। इस 37 वर्षीय खिलाड़ी में सोशल मीडिया पर संन्यास लेने की घोषणा की है।

- 37 वर्षीय खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर की संन्यास की घोषणा

पुजारा ने भारत की तरफ से 103 टेस्ट और 5 अंतर्राष्ट्रीय वनडे मैच खेले हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच 2023 में खेला था। पुजारा ने कहा कि राजकोट के छोटे से शहर से एक छोटे लड़के के रूप में मैंने अपने माता-पिता के साथ सितारों में शामिल होने का लक्ष्य बनाया और भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा बनने का सपना देखा। इस खेल ने मुझे अमूल्य अवसर, अनुभव, उद्देश्य, प्यार और अपने राज्य व महान राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया। पुजारा ने टेस्ट करियर में 43.60 की औसत से 7195 रन बनाए। वह भारत के सर्वकालिक सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में आठवें स्थान पर हैं।

प्रतिबंध

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षण संस्थानों को जारी किए निर्देश

मनोविज्ञान, स्वास्थ्य देखभाल ऑनलाइन कोर्स पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे 2025 के शैक्षणिक सत्र से मनोविज्ञान और पोषण समेत स्वास्थ्य सेवा एवं संबद्ध विषयों में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण या ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई की पेशकश नहीं करें।

यह प्रतिबंध राष्ट्रीय सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देख-रेख वृत्ति आयोग (एनसीएएचपी) अधिनियम, 2021 के तहत आने वाले पाठ्यक्रमों पर लागू है। उनमें मनोविज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, खाद्य एवं पोषण विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, नैदानिक पोषण और आहार विज्ञान शामिल हैं।

यूजीसी सचिव मनीष जोशी ने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान (एचईआई) को शैक्षणिक सत्र जुलाई-अगस्त, 2025 और उसके बाद मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण और ऑनलाइन माध्यम से मनोविज्ञान समेत एनसीएएचपी अधिनियम, 2021 में शामिल किसी भी संबद्ध और स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम की पेशकश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जुलाई-अगस्त 2025 और उसके बाद के शैक्षणिक सत्र के लिए ऐसे कार्यक्रमों की पेशकश करने के लिए एचईआई को पहले से दी गई कोई भी मान्यता यूजीसी द्वारा वापस ले ली जाएगी।

नए सत्र से प्रवेश न देने का निर्देश

यूजीसी सचिव ने कहा कि कला स्नातक (अंग्रेजी, हिंदी, पंजाबी, अर्थशास्त्र, इतिहास, गणित, लोक प्रशासन, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, सांख्यिकी, मानवाधिकार एवं कर्तव्य, संस्कृत, मनोविज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र, महिला अध्ययन) जैसे बहु-विशेषज्ञता वाले कार्यक्रमों के मामले में, केवल एनसीएएचपी अधिनियम, 2021 में शामिल विशेषज्ञताओं को ही वापस लिया जाएगा। शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिया गया है कि वे आगामी शैक्षणिक सत्र से ऐसे कार्यक्रमों में किसी विद्यार्थी को प्रवेश न दें।

दूरस्थ शिक्षा समूह ने की सिफारिश

जोशी ने कहा कि यह निर्णय अप्रैल 2025 में आयोजित 24वीं दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो कार्य समूह की बैठक की सिफारिशों के बाद लिया गया है और हाल में आयोग की बैठक में इसे औपचारिक रूप दिया गया। उच्च शिक्षा नियामक दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन माध्यमों से व्यावसायिक और व्यावहारिक पाठ्यक्रमों के संचालन पर रोक लगाता है। इनमें इंजीनियरिंग, चिकित्सा, दंत चिकित्सा, फार्मेसी, नर्सिंग, वास्तुकला, फिजियोथेरेपी, पैरामेडिकल विषय, कृषि, बागवानी, होटल प्रबंधन, खानपान प्रौद्योगिकी, दृश्य कला, कानून आदि शामिल हैं।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 25 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

आज व कल भारी बारिश की चेतावनी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में मौसम विभाग ने बादल गरजने के साथ वज्रपात और भारी बारिश की चेतावनी दी है। 25 अगस्त को भी पश्चिमी उप्र. के संभाग में लगभग सभी स्थानों पर और 26 अगस्त को अनेक स्थानों पर बारिश, गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। लखनऊ और आसपास के इलाकों में सोमवार को भी आंशिक रूप से बादल छाने के बाद दोपहर के समय सामान्यतः बादल छाये रहने के साथ कुछ क्षेत्रों में मेघगर्जन और बीच-बीच में बारिश, गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इससे पूर्व पूर्वांचल में वाराणसी के बाद सबसे अधिक बारिश मिर्जापुर में हुई। यहां की कई नदियां भी उफना गई हैं। ऐसे में सड़कों पर पानी भर गया है। विभिन्न स्थानों पर आवागमन रोक दिया गया है। उधर, सोनभद्र में भारी बारिश से धंधरौल बांध के सभी 18 गेट खोल दिए गए हैं।

अग्निवीर भर्ती रैली में 896 ने दिखाया दम

अमृत विचार, लखनऊ : मुजफ्फरनगर में आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली के तीसरे दिन रविवार को अग्निवीर जनरल ड्यूटी के लिए बिजनौर एवं बागपत के 896 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। मेजर जनरल मनोज तिवारी, क्षेत्रीय भर्ती अधिकारी, मुख्यालय भर्ती क्षेत्र (उप्र और उत्तराखंड) ने भर्ती रैली का निरीक्षण किया। उन्होंने दिन की पहली दौड़ को हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की। मेजर जनरल ने रैली में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को उच्चस्तरीय प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। भर्ती रैली 8 सितंबर तक चलेगी।

प्रोन्नत आईएएस मंच के पुनर्गठन की प्रक्रिया तेज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रोन्नत आईएएस मंच के सदस्यों ने अपना अगला अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया तेज कर दी है। दरअसल, इसी माह मौजूदा अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह सेवानिवृत्त हो जाएंगे। ऐसे में राज्य में प्रमोटेड आईएएस अफसर फिर अपना अध्यक्ष चुनेंगे। मालूम हो कि कुछ वर्ष पहले पीसीएस से प्रमोट होकर आईएएस बनने वाले अफसरों ने आईएएस एसोसिएशन से अलग अपना नया मंच बनाया था। उद्देश्य यह था कि यह मंच प्रोन्नत आईएएस अफसरों से जुड़ी समस्याओं और उनकी मांगों को सरकार के सामने रखने का काम करेगा। मंच के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के मुताबिक, आईएएस एसोसिएशन में प्रमोटी अफसरों की मांगों पर ज्यादा तरजीह नहीं दी जाती थी। साथ ही उनकी उपेक्षा भी होती थी। यही कारण रहा कि प्रमोटी अफसरों ने नया मंच बनाने का फैसला लिया था।

7 करोड़ से संवरेंगे प्राचीन मंदिर

अमृत विचार, लखनऊ : लगभग सात करोड़ रुपये की मेरठ मंडल की आठ परियोजनाओं से गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद जिले में धार्मिक पर्यटन का विकास होगा। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर के ग्राम नगली वाजिदपुर के प्राचीन बेरी वाला मंदिर और जेवर क्षेत्र के ग्राम सिरसा माचीपुर जेवर में मां भूड़ावाली देवी मंदिर का पर्यटन विकास का 1-1 करोड़ रुपये से किया जाएगा। इसी प्रकार, नोएडा की अक्षरधाम कॉलोनी स्थित धम्मदीप बौद्ध विहार और ग्रेटर नोएडा स्थित साईट-बी, सूरजनगर स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा के सौंदर्यीकरण के लिए क्रमशः 50-50 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। उन्होंने बताया कि गाज़ियाबाद में जय भीम पार्क, मुरादनगर के ग्राम असालतनगर स्थित हनुमान मंदिर, साहिबाबाद के सिहानी स्थित प्राचीन शिव मंदिर और मोदीनगर के निवाड़ी स्थित चुकाय वाली माता मंदिर के पर्यटन विकास कार्यों पर क्रमशः एक-एक करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

महिला प्रधानों के लिए प्रशिक्षक तैयार

अमृत विचार, लखनऊ : पंचायती राज मंत्रालय के सशक्त महिला नेत्री अभियान के तहत गोरखपुर एवं चित्रकूट मंडलों में महिला प्रधानों के लिए प्रशिक्षकों का चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ऐसे मास्टर ट्रेनर तैयार करना है, जो ग्राम पंचायतों में कार्यरत महिला प्रधानों को उनके दायित्वों, अधिकारों और प्रशासनिक दक्षताओं के संदर्भ में प्रशिक्षित कर सकें। प्रशिक्षण में सहभागिता करने वाले मास्टर ट्रेनरों को विशेष रूप से खेल विधि एवं सहभागितामूलक प्रशिक्षण तकनीकों के माध्यम से शिक्षित किया गया, जिससे वे प्रशिक्षण के दौरान विषयवस्तु को प्रभावी एवं सरल तरीके से महिला प्रधानों तक पहुंचा सकें। यह प्रशिक्षण महिला प्रतिनिधियों के भीतर नेतृत्व विकास, आत्मविश्वास, संवाद कौशल तथा स्थानीय शासन की समझ को प्रबल बनाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा।

शुभांशु शुक्ला का आज नागरिक अभिनंदन करेंगे मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग आयोजित करेगा सम्मान समारोह
- अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने वाले देश के पहले अंतरिक्ष यात्री हैं शुभांशु

अमृत विचार : लखनऊ के बेटे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को नागरिक अभिनंदन करेंगे। शुभांशु शुक्ला हाल ही में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से सफल मिशन पूरा करने के बाद पहली बार वह सोमवार को लखनऊ आ रहे हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से लोकभवन सभागार में सोमवार अपरान्ह 4 बजे सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत कई बड़े नेता भी मौजूद रहेंगे।

साहस, समर्पण और विज्ञान के प्रति संकल्प का गौरवपूर्ण प्रतीक : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभांशु शुक्ला को प्रदेश और पूरे भारत का गौरव बताया है। मिशन पूरा कर वापस धरती पर लौटने पर कहा कि अंतरिक्ष में भारत का परचम लहराना हर देशवासी के लिए गर्व का विषय है। उपलब्धि साहस, समर्पण और विज्ञान के प्रति संकल्प का गौरवपूर्ण प्रतीक है। ऐसे में शुभांशु का स्वागत कार्यक्रम आने वाली पीढ़ियों को बड़े सपने देखने और उन्हें सच करने की प्रेरणा देगा।

हर व्यक्ति की समस्या का होगा समाधान

गोरखपुर में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने लोगों को दिलाया भरोसा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान फरियादियों की समस्या सुनते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण तत्परता और संवेदनशीलता करें। इसमें लापरवाही या हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में रविवार सुबह जनता दर्शन में आए करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं।

उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री योगी ने उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

मेडिकल पेशे में कोई माफिया न पनपे : योगी

गोरखपुर में समीक्षा बैठक में बोले मुख्यमंत्री- एंबुलेंस माफिया और बिचौलियों का खेल बर्दाश्त नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रत्येक परियोजना के लिए तय होगी अफसरों की जवाबदेही

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मेडिकल पेशे में किसी भी तरह की माफियागिरी के समूल नष्ट करने की चेतावनी दी है। अफसरों को निर्देश दिए कि ऐसी कार्रवाई करें कि मेडिकल पेशे में किसी भी कीमत पर कोई माफिया न पनप पाए। उन्होंने विकास परियोजना के लिए भी अफसरों की जवाबदेही तय करने का निर्देश देते हुए कहा कि खामी मिली तो संबंधित अफसर के खिलाफ कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री ने रविवार को दोपहर बाद गोरखपुर के एनेक्सी भवन में समीक्षा के दौरान कहा कि गोरखपुर सहित पूरे प्रदेश में माफियाराज को ध्वस्त कर दिया गया है। मेडिकल पेशे में कभी-कभी एम्बुलेंस माफिया या मरीजों को भर्ती कराने में बिचौलियों के खेल की शिकायतें आती हैं। इस पर सतत सख्ती जरूरी है। ऐसी कार्रवाई की जाए जिससे मेडिकल फील्ड में कोई माफिया पनपने न पाए। मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी है कि हर परियोजना के लिए अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। तय समय सीमा में गुणवत्ता के साथ काम पूरा करना सुनिश्चित करें। हर परियोजना के लिए एक नोडल अधिकारी बनाया जाए जो कार्य की नियमित निगरानी करें। यदि किसी परियोजना में ठेकेदार की लापरवाही मिले तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। चेतावनी दी कि कोई खामी मिली और गुणवत्ता से समझौता किया तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई तय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी विकास परियोजना को आगे बढ़ाने में यदि कहीं पेड़ काटना पड़े तो उसके एवज में नया पौधा लगाना भी सुनिश्चित किया जाए। पौधे की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी जरूर लगाया जाए।

यूनिफॉर्म में ही आएं सरकारी स्कूलों के बच्चे

मुख्यमंत्री ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के यूनिफॉर्म, बैग, जूता-मोजा आदि के लिए सरकार उनके अभिभावकों के बैंक खातों में धनराशि भेजती है। ऐसे में इस बात का ध्यान रखा जाए कि यह धनराशि इसी के लिए खर्च हो। पूरे प्रदेश में विद्यालयों की जांच कर यह व्यवस्था बनाई जाए कि बच्चे यूनिफॉर्म में ही स्कूल आएं। इससे बच्चों के बीच समन्वय और सकारात्मक, अनुशासित माहौल बनेगा।

बीमारियों से बचाव को चलाएं जागरूकता अभियान

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी पूर्वांचल के लिए अभिशाप रहे इंसेफेलाइटिस (जेई और एईएस) को नियंत्रित कर लिया गया है। पर, सतत सावधानी की जरूरत है। इसी तरह डेंगू और अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए जनता को जागरूक करते रहना होगा। इसके लिए लोगों के बीच जागरूकता और स्वच्छता से जुड़े अभियान चलाए जाएं। जागरूकता को लेकर प्रचार-प्रसार को बढ़ाया जाए। यह कार्य सभी नगर निकायों में हो।

निलंबित होम्योपैथी निदेशक को तैनाती न देने पर प्रमुख सचिव तलब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मामले में स्टे ऑर्डर पर न्यायालय ने मांगा जवाब

अमृत विचार : शासन की ओर से बीते माह निलंबित किए गए होम्योपैथी निदेशक डॉ.अरविंद वर्मा को न्यायालय के स्थगन आदेश के बाद भी ज्वाइनिंग नहीं देने मामले में आयुष विभाग के प्रमुख सचिव को तलब किया गया है। उन्हें न्यायालय द्वारा 6 अक्टूबर 2025 को संबन्धित मामले में शपथपत्र के साथ उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।

होम्योपैथिक विभाग के पूर्व निदेशक डॉ.अरविंद वर्मा ने बताया कि उन्हें गत माह 16 जुलाई को शासन द्वारा विभिन्न आरोपों में निलंबित कर दिया गया था। जिसके बाद उन्होंने न्यायालय की शरण ली, जहां उन्हें शासन के निर्देश के खिलाफ स्थगन आदेश प्राप्त हो गया, बावजूद शासन द्वारा निदेशक पद पर अन्य को नियुक्ति दे दी गयी। उक्त मामले को लेकर, निलंबित चल रहे डॉ.अरविंद वर्मा पुनः न्यायालय पहुंचे, जहां विभाग द्वारा नियुक्ति न दिए जाने संबंधी ठोस कारण नहीं प्रस्तुत किए गए, जिसके बाद न्यायालय ने अवमानना का दोषी मानते हुए सख्त टिप्पणी के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

नवजात शिशुओं की मृत्युदर में कमी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दूर-दराज के गांवों से लेकर शहरी बस्तियों तक चल रहा टीकाकरण अभियान

अमृत विचार : योगी सरकार के प्रयासों से पिछले आठ वर्षों में नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी दर्ज की गई है। इसमें नियमित टीकाकरण की अहम भूमिका है। डबल इंजन की सरकार द्वारा सभी बच्चों तक टीकाकरण सेवाएं पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, खासतौर पर जीरो डोज (शून्य-खुराक) वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें टीकाकरण से जोड़ने पर ज़ोर दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप प्रदेशवासियों को सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। हम टीकाकरण सेवाओं को दूर-दराज के गांवों से लेकर शहरी बस्तियों तक पहुंचा रहे हैं और समुदाय के हर परिवार को यह विश्वास दिला रहे हैं कि टीका उनके बच्चे के जीवन और भविष्य की सुरक्षा का सबसे सशक्त साधन है।

राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि देश के 11 राज्यों के 143 जिलों में वर्ष 2022 से 'जीरो डोज अभियान' सक्रिय रूप से चल रहा है। इनमें उप्र.अग्रणी राज्य है, जहां 60 जिलों में यह अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सलमान ने बताया कि बिना टीका लगे बच्चों में डिप्थीरिया, काली खांसी, टिटनेस, खसरा और पोलियो आदि बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है।

हर साल 28 लाख से अधिक टीकाकरण

राज्य टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में हर साल करीब 67 लाख गर्भवती महिलाओं और 57 लाख बच्चों (0-1 वर्ष) को टीके दिए जाते हैं। सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे, और हर बच्चा सुरक्षित व स्वस्थ जीवन की ओर आगे बढ़े।

सचिवालय में लागू हुआ ई-पेंशन सिस्टम

अमृत विचार, लखनऊ : अन्य राज्य कर्मियों की भांति सचिवालय कर्मियों की भी पेंशन ऑनलाइन ई-पेंशन सिस्टम से स्वीकृत होगी। सेवानिवृत्त तिथि के पूर्व ही संबन्धित कर्मी की सेवापुस्तिका समेत समस्त प्रपत्र ऑनलाइन अपलोड होंगे, तकनीकी कारण न होने की स्थिति में समय से पीएफ भुगतान समेत पेंशन निर्धारण के आदेश निर्गत किए जाएंगे। अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार ने शनिवार को सचिवालय कर्मियों की पेंशन को ई-पेंशन सिस्टम से निस्तारित किए जाने संबंधी आदेश जारी करते हुए कहा कि अप्रैल 2022 के आदेशानुसार, सचिवालय प्रशासन को भी सिस्टम जोड़ा जाता है।

एक राष्ट्र-एक चुनाव के लिए लोकमत तैयार करेगी भाजपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बैठक कर बनाई गई कार्यक्रमों व अभियान की रणनीति

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के राज्य मुख्यालय पर रविवार को बैठक करके एक राष्ट्र-एक चुनाव अभियान को प्रदेश में गति देने के लिए कार्यक्रमों एवं अभियानों की रणनीति बनाई। छात्रों, युवाओं और व्यापारियों को जोड़ने के लिए भाजपा उनके बीच जाएगी।

पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, इंजीनिरिंग कॉलेजों में एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन में छात्रों और युवाओं के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कहा कि अब समय आ गया है लोकतंत्र को अनावश्यक खर्च, बार-बार होने वाले चुनाव और राजनीतिक अस्थिरता की बेड़ियों से मुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव के लिए लोकमत तैयार करना है।

एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान की प्रदेश समिति के सहसंयोजक एवं सदस्य विधान परिषद अनूप गुप्ता ने एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश में अब तक संपन्न हुए कार्यक्रमों के बारे में बैठक में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में राज्य स्तरीय छात्र नेता सम्मेलन अगस्त माह के आखिरी सप्ताह में लखनऊ में करने पर चर्चा हुई। इसी क्रम में क्षेत्रीय स्तर पर भी छात्र नेता सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। क्षेत्रीय छात्र नेता सम्मेलन की प्रस्तावित तिथियों में 2 या 3 सितंबर को काशी व गोरखपुर क्षेत्र का छात्र नेता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जबकि 4 या 5 सितंबर को पश्चिम और ब्रज क्षेत्र का छात्र नेता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसी तरह कानपुर व अवध क्षेत्र 6 या 7 सितंबर को और प्रदेश में 10 से 30 सितंबर के मध्य यूथ सम्मेलन का भी आयोजन होगा।

आदि कर्मयोगी अभियान का स्टेट प्रोसेस लैब लखनऊ में शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जनजातीय वर्ग के सशक्तिकरण की नई पहल

अमृत विचार : केंद्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय की ओर से संचालित 'आदि कर्मयोगी अभियान' के तहत रविवार को राजधानी में स्टेट प्रोसेस लैब की शुरुआत हुई। यह कार्यक्रम 27 अगस्त तक चलेगा। प्रदेश में जनजातीय वर्ग के सशक्तिकरण के लिए यह नई पहल है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान जनजातीय समाज को शासन की मुख्यधारा से जोड़ने का एक ऐतिहासिक प्रयास है। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव समाज कल्याण वेंकटेश्वर लू, निदेशक जनजाति विकास उत्तर प्रदेश शिव प्रसाद, जनजातीय कार्य मंत्रालय में निदेशक अरविंद कुमार, उप निदेशक शिल्पा तनेजा मौजूद रहे। इस चार दिवसीय स्टेट प्रोसेस लैब में स्वास्थ्य, वन विभाग, आईसीडीएस और ग्राम्य विकास विभाग के 4 मास्टर ट्रेनर व प्रदेश के सात जिलों सोनभद्र, लखीमपुर खीरी, बहराइच, मिर्जापुर, चंदौली, गोंडा और ललितपुर से 45 डिस्ट्रिक्ट मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

दिव्यांगों से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार : सपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में पार्टी मुख्यालय पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मिलने पहुंचे दिव्यांगजन।

अमृत विचार: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने दिव्यांगजनों से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन कोई वादा पूरा नहीं किया। दिव्यांगजनों से जुड़ी योजनाओं में भारी भ्रष्टाचार है। उन्हें मिलने वाले सामानों की क्वालिटी बहुत खराब है। सपा सरकार में जो सुविधाएं दी गई थीं, वह भी नहीं मिल रही हैं।

सपा प्रमुख ने यह बातें रविवार को प्रदेश भर से मिलने आये दिव्यांगजनों से मुलाकात करने के बाद कहीं। दिव्यांगजनों ने अपनी समस्याएं बताईं और ज्ञापन सौंपा। जिस पर अखिलेश यादव ने सपा सरकार बनने पर पूरा किए जाने का आश्वासन दिया।

वहीं पार्टी मुख्यालय पर रविवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि इस सरकार में किसानों पर चौतरफा संकट है। एक तरफ फसलों के लिए खाद नहीं है, दूसरी तरफ जंगल से सटे जिलों में जंगली जानवर के हमलों में किसानों की जानें चली जा रही है। प्रदेश में न खाद है और न किसान सुरक्षित है।

पूजा पाल के आरोपों की जांच हो : अखिलेश

सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल के आरोपों पर अखिलेश यादव ने कहा कि बात समझ में नहीं आयी कि जो मुख्यमंत्री से मिल रहा हो, उसे दूसरे दल के नेता और पार्टी से कैसे खतरा है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष ने केन्द्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखा है। सरकार इसकी जांच करें। हमें राज्य सरकार पर भरोसा नहीं है, केन्द्र सरकार इसकी जांच कर सच्चाई सामने लाये। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने गृह मंत्री को पत्र लिखकर निष्कासित विधायक पूजा पाल के आरोपों की जांच कराने की मांग की है।

अभियंता पर हमले का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : बलिया में कार्यालय में घुसकर बिजली के अधीक्षण अभियंता पर जानलेवा हमले के आरोपी मुन्ना बहादुर सिंह को रविवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ के कड़े विरोध के बाद यह कार्रवाई हुई। संघ ने कुशीनगर घटना प्रकरण में भी सख्त कार्रवाई की मांग की है। अभियंता संघ के महासचिव जितेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि कुशीनगर में 24 जुलाई को सरकारी कार्यालय में कार्य कर रहे उपखंड अधिकारी (विद्युत) शुभम अग्रहरी पर भी हमला हुआ था व कार्यालय में तोड़फोड़ हुई थी। इस प्रकरण में अभी तक आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई है।

चर्चा

विपक्ष ने बनाया मुद्दा, कैबिनेट मंत्री ने की कार्रवाई

बिना पद प्रोटोकॉल मिलने के मामले में सियासत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वतंत्र देव सिंह बोले, इस बारे में ज्यादा चर्चा नहीं होनी चाहिए थी

अमृत विचार : प्रदेश में बगैर पद के सरकारी प्रोटोकॉल मिलने के कथित मामले में विपक्ष ने सरकारी तंत्र को निशाने पर लिया है। सपा ने जहां इस प्रकरण को व्यवस्था के दुरुपयोग का मामला बताया है। वहीं, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव ने अपने बेटे से जुड़े ऐसे आरोपों के मद्देनजर निजी सचिव आनंद शर्मा को हटा दिया है।

हालांकि उत्तर प्रदेश सचिवालय संघ का तर्क है कि सचिवालय कैडर का कोई भी अधिकारी बिना निर्देश के कोई पत्र जारी नहीं करता है। जिसने निर्देश दिए उसे सामने आकर माफी मांगनी चाहिए। मालूम हो कि निजी सचिव आनंद कुमार द्वारा मंत्री पुत्र के लिए प्रोटोकाल संबंधी एक पत्र डीएम और एसपी जालौन को तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के मद्देनजर जारी किया गया था, जिसमें कहा गया था कि उनके आने-जाने की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वैसे, इस पत्र को एआई जनरेटेड बताया जा रहा है।

दरअसल, इंटरनेट मीडिया पर निजी सचिव का पत्र प्रसारित होने के बाद सरकार से लेकर भाजपा नेतृत्व तक ने इस मामले में नाराजगी जताई, जिसके बाद कैबिनेट मंत्री ने निजी सचिव आनंद कुमार को हटा दिया। पूरे प्रकरण का संज्ञान लेते हुए सपा ने भी भाजपा को घेरने का काम किया।

नियमों के अनुसार, वीआईपी प्रोटोकॉल सिर्फ उन्हीं व्यक्तियों को दिया जा सकता है, जिन्हें जेड, जेड प्लस, वाई या वाई प्लस सुरक्षा प्राप्त हो। इसके अलावा मंत्री और उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारियों को भी प्रोटोकॉल मिलता है। इस श्रेणी में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री, न्यायाधीश, सेना प्रमुख और इसी स्तर के अन्य उच्च पदस्थ अधिकारी शामिल होते हैं।

वहीं, हाल ही में अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासम्मेलन में शामिल होने अयोध्या पहुंचे जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने वहां मीडिया से बातचीत में स्पष्ट किया किया कि इस बारे में ज्यादा चर्चा नहीं होनी चाहिए थी। यह भाजपा है, अलग पार्टी है। यह वंशवाद, जातिवाद और परिवारवाद से ऊपर उठकर कार्य करती है। आठ वर्षों में कभी ऐसी हरकत नहीं हुई।

सैनिक स्कूल के प्रधानाचार्य के खिलाफ जांच कमेटी गठित

अमृत विचार, लखनऊ : सैनिक स्कूल गोरखपुर के प्रधानाचार्य के खिलाफ जांच के लिए शासन ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव कृष्ण कुमार गुप्त की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन कर दिया है। माध्यमिक शिक्षा के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से रविवार को जारी आदेश में तीन सदस्यीय जांच समिति में कैप्टन मनोज पाण्डेय उप्र. सैनिक स्कूल लखनऊ के प्रधानाचार्य कर्नल राजेश राघव तथा गोरखपुर के मंडलायुक्त द्वारा नामित मंडल, जिले स्तर पर कार्यरत महिला अधिकारी को सदस्य बनाया गया है।

स्कूलों में भी गठित होगा कांग्रेस का शिक्षक प्रकोष्ठ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विधान सभा चुनाव की तैयारी में जुटें शिक्षक : अविनाश पांडे

अमृत विचार : 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी प्रदेश कांग्रेस स्कूलों-कॉलेजों के स्तर पर शिक्षण प्रकोष्ठ का गठन करेगी। रविवार को प्रदेश कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस शिक्षक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं की एक दिवसीय 'शिक्षक प्रकोष्ठ प्रतिनिधि चिंतन कार्यशाला' में राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने यह घोषणा की।

राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि शिक्षक प्रकोष्ठ जिलों व मंडलों में गोष्ठियों का आयोजन करेगा, जिसमें शिक्षकों की समस्याओं पर चर्चा होगी। शिक्षकों की समस्याओं को लेकर दिसंबर माह में प्रदेश स्तरीय आंदोलन किया जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि केंद्रीय हिंदू विश्वविद्यालय समेत सभी विश्वविद्यालयों में आरएसएस का कब्जा होता जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। इससे लड़ने का कार्य शिक्षक प्रकोष्ठ को करना है। कार्यशाला में प्रोफेसर प्रदीप सिंह, प्रदेश कांग्रेस शिक्षक प्रकोष्ठ के कोऑर्डिनेटर डॉ अमित राय, को-कोऑर्डिनेटर डॉ श्रवण कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

पांच लाख नकद, कार की मांग, रिपोर्ट दर्ज

मंगलपुर। थाना मंगलपुर क्षेत्र के सढ़रामऊ निवासी दीपिका पुत्री लालजीत ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसकि शादी 17 फरवरी 24 को मोतीनगर नवादा निकट केसीआर रेस्टोरेंट के पास थाना हाइवे जनपद मथुरा निवासी बृजेंद्र सिंह के साथ हिंदू रीति रिवाज से हुई थी। शादी में गृहस्थी का सारा सामान, सोने चांदी के आभूषण व 11 लाख नकदी दी थी। बताया कि पहली बार मायके से ससुराल पहुंचने पर ससुराल में पति बृजेंद्र, सास रानी देवी, नन्द दीपा, ममिया सास ऊषा दहेज में अतिरिक्त 5 लाख रुपए व कार की मांग कर दबाव बनाने लगे। पीड़िता के माता पिता द्वारा असमर्थता जताने पर ससुराल मेरे साथ मारपीट कर मानसिक उत्पीड़न भी करने लगे। मारपीट की सूचना देने पर 24 अप्रैल को पिता ससुराल आए। ससुराल वाले अपनी मांग पर अड़े रहे। पीड़िता ने बताया कि ससुरालियों ने उसके सारे जेवर व कपड़े भी रख लिए है। एसपी के आदेश पर मंगलपुर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू की है।

दहेज हत्या में फरार तीन आरोपी गिरफ्तार

पुखरायां। भोगनीपुर कोतवाली पुलिस ने दहेज हत्या में फरार चल रहे महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज है। भोगनीपुर कोतवाल अमरेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि बीती एक अगस्त को जान मोहम्मद निवासी ऊमरी थाना रामपुरा जनपद जालौन द्वारा पति अरशद पुत्र अनीश, सास खततो, ससुर अनीश, देवर राशिद, ननद गुलशन, निशा निवासीगण कस्बा अमरौधा के विरुद्ध दहेज हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कराया गया था। गश्त के दौरान कोतवाल अमरेन्द्र बहादुर सिंह, चौकी इंचार्ज अमरौधा सूर्यप्रताप सिंह, कांस्टेबल बब्लू, भीमसेन को मुखबिर से सूचना मिली की सभी आरोपी पिपरी गांव के पास कहीं जाने की फिराक में खड़े हैं। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची तो पुलिस को एक महिला सहित तीन आरोपी संदिग्ध दिखे। इस पर पुलिस ने उनसे पूछताछ की तो उन्होंने अपने नाम और पते बता दिए। इस पर पुलिस ने तीनों को पिपरी गांव के समीप से गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। लेकिन आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे।

महिला की सर्पदंश से बिगड़ी हालत

औरैया। जनपद कानपुर देहात के ग्राम निवासी एक महिला शनिवार की रात सर्प दंश से पीड़ित हो गयी। जानकारी होने पर परिजनों ने उसे सरकारी अस्पताल ले आये और भर्ती कराया। चिकित्सक के महिला के इलाज में जुटे। जनपद कानपुर देहात थाना मंगलपुर क्षेत्र के ग्राम विशालपुर निवासी धनवन्ती पत्नी छोटे सिंह के घर पर कोई कार्यक्रम आयोजित हो रहा था। रविवार की रात घर पर ही जहरीले सांप ने डस लिया। सर्प दंश से से महिला की हालत बिगड़ गयी। जानकारी होने पर परिजनों ने उसे स्थानीय जिला संयुक्त चिकित्सालय औरैया ले आये और उसे भर्ती कराया। अस्पताल में इ्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने महिला का इलाज करना शुरू किया। चिकित्सक के अनुसार महिला किसी भी खतरे से बाहर बताई जाती है।

गणेशोत्सव की तैयारियां जोरों पर

शिवली। गणपति पूजन की तैयारियां स्थापना स्थलों पर शुरू कर दी गई है। गांधी नगर के गंगाराम पांडेय के घर पर प्रति वर्ष की तरह ही गणेश महोत्सव के लिए प्रतिमा आचार्य अतुल द्विवेदी तैयार कर रहे है। आचार्य ने बताया कि 27 अगस्त से 5 सितंबर तक गणपति पूजन की धूम रहेगी। इसी तरह कस्बा शिवली के मानशिला मंदिर, सुभाषनगर, बाजार में तैयारियां अंतिम चरण पर हैं।

मालगाड़ी के दो पहिये बेपटरी, ट्रेन संचालन बाधित

संवाददाता शिवली/कानपुर

अमृत विचार। फ्रेट कॉरीडोर रेल मार्ग पर कानपुर से टूंडला की ओर जा रही मालगाड़ी के 18वें डिब्बे के दो पहिये रविवार को बेपटरी हो गए। इससे रेल अधिकारियों में हड़कंप मच गया। हादसे को लेकर मालगाड़ी के चालक एवं गार्ड के बयान दर्ज किये गये हैं और तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है। घटना के चलते कानपुर से दिल्ली जाने वाली कई ट्रेनें प्रभावित हो गईं। लगभग चार घंटे बाद ट्रेन संचालन बहाल हुआ।

कानपुर-दिल्ली मुख्य रेल मार्ग के बगल में मालगाड़ियों के लिए अलग से रेलवे लाइन बिछाई गई है ताकि सवारी गाड़ियां प्रभावित नहीं हों। इस मालगाड़ी के ट्रैक पर प्रतिदिन 150 से 200 मालगाड़ियां दौड़ रही हैं। रविवार को कानपुर से टूंडला की ओर जा रही मालगाड़ी के दो पहिये भाऊपुर के पास पटरी से उतर गए। रेल अधिकारियों ने जांच के आदेश दिये हैं। लोको पायलट राज कुमार मीना ने अधिकारियों को अपने कलमबंद बयान में बताया कि मालगाड़ी के पहियों के पटरी से उतरते ही झटके लगे, जिसपर उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। कई मालगाड़ियों को रास्ते में ही रोकना पड़ा। रेलवे की टीम ट्रैक बहाल करने के लिए देर रात तक प्रयास करती रही। ट्रेन के पहिये बेपटरी होने के बाद कर्मचारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने जांच-पड़ताल शुरू कर दी। उत्तर मध्य रेलवे मंडल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल ने बताया कि पौने नौ बजे के करीब रेल मार्ग ट्रेनों के लिए बहाल कर दिया गया। जो पहिये बेपटरी हुए हैं इसकी जांच की जा रही है। बताया कि कानपुर से दिल्ली जाने वाली कई ट्रेनें इससे प्रभावित हुई हैं। ट्रैक बहाल होने के बाद कामाख्या एक्सप्रेस को मैथा स्टेशन से सबसे पहले संचालित किया गया।

भाऊपुर के पास दुर्घटनाग्रस्त मालगाड़ी के बारे में जानकारी करते कर्मचारी।

मालगाड़ी के बेपटरी हुए पहिये।

- रात पौने दस बजे के करीब बहाल हुआ रेलमार्ग

चोरों ने दो घरों पर बोला धावा लाखों के जेवर व नकदी पार

गजनेर थाना क्षेत्र के नाही ज्यूनियां गांव का मामला, क्षेत्र में चोरी की घटनाओं से दहशत

संवाददाता, रनियां (कानपुर देहात)

अमृत विचार। गजनेर थाना क्षेत्र के नाही ज्यूनियां गांव में शनिवार देर रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया। चोर लाखों रुपये की नकदी और जेवरात लेकर फरार हो गए। घटना को जानकारी सुबह परिजनों को पाई। पीड़ितों ने थाना पुलिस को तहरीर देकर मामले के जानकारी दी है।

ज्यूनिया गांव निवासी विनीत सिंह के घर पर शनिवार की देर रात पड़ोस में बने मकान के पीछे से चोर चढ़ कर घर के अंदर दाखिल हो गए। चोरी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच पड़ताल शुरू की। गांव के बाहर बने मकान के पीछे खेत है मकान मालिक विनीत सिंह मुंबई में रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं। देर रात मां गीता सिंह, पत्नी बंदना, तीन बच्चे महक, अंजली, दृश्य खाना खाने के बाद पूरा परिवार रात में बाहर बरामदे में सो गए। विनीत की बेटी महक ने सुबह चोरी की घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को देकर बताया कि चोर घर से एक हाफ पेटी, एक जोड़ी पायल, दो जोड़ी झुमकी, एक अंगूठी, दो नाक की कील व बहू बंदना के दो मंगल सूत्र, तीन लाकेट बच्चों के, दो सोने की चेन, तीन अगूंठी सोने की, एक जोड़ी बाला, चार जोड़ी पायल, एक जोड़ी ब्रजबाला चोरी कर ले गए। चोरी की दूसरी घटना जगदेव सिंह भदौरिया के घर में हुई। बीती रात जगदेव सिंह भदौरिया व उनकी पत्नी निर्मला सिंह घर के बाहर बरामदे में लेटे थे। पीछे की दीवार के सहारे चोर कमरे में रखे बक्सा का ताला तोड़कर बक्सा से चार हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। सूचना पर पामां चौकी इंचार्ज अमरेंद्र बहादुर सिंह ने घटनास्थल देखा।

चोरी की घटना की जानकारी देती पीड़िता। अमृत विचार

तीन माह में छह चोरी

- पामा चौकी क्षेत्र में करीब तीन महीने में 6 बड़ी चोरियां हुई। इसमें सरवन खेड़ा ब्लॉक के लोहारी गांव में 14 जून को पंकज सिंह के यहां वहीं पर बगल में गोरे सिंह के घर में भी धावा बोलकर चोरों ने जेवरात चुरा लिए थे। इसी तरह 14 जुलाई को सराय निवासी चंद्रवीर सेंगर के यह भी छत के ऊपर से आकर घर से लाखों रुपये के जेवरात पार कर दिए। 14 जुलाई को सरवनखेड़ा के मजरा मर्दनपुर गांव में रामकरण सिंह के घर में बगल की खिड़की का कुंडा काटकर के घर अन्दर से जेवरात नकदी पार कर दिए।

डिप्टी सीएमओ ने दो पीएचसी का निरीक्षण कर परखी हकीकत

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार। मुख्यमंत्री आरोग्य मेला में डिप्टी सीएमओ डॉ आदित्य सचान ने रविवार को दो पीएचसी रसधान व राजपुर का निरीक्षण किया। राजपुर में कम मरीज मिलने पर पीएचसी प्रभारी से नाराजगी जताई। दोनों पीएचसी में कुल 86 मरीजों का उपचार किया गया।

राजपुर ब्लॉक के नोडल व डिप्टी सीएमओ डॉ. आदित्य सचान ने रविवार को होने वाले मुख्यमंत्री आरोग्य मेला का सबसे पहले ब्लॉक क्षेत्र की रसधान पीएचसी का निरीक्षण किया। जहां तक पीएचसी प्रभारी डा. शना कौशर मरीजों को देखते मिलीं, कुल 54 मरीजों की जांच पड़ताल के बाद दवा दी गई। इस दौरान फार्मासिस्ट संजय अग्रवाल, वार्ड बॉय इंद्र बहादुर, स्टाफ नर्स अजीता पाल, मौजूद मिली। इसके बाद उन्होंने दोपहर तीन बजे राजपुर पीएचसी का निरीक्षण किया जहां पर साढ़े तीन बजे तक 32 मरीजों का मेडिकल परीक्षण के बाद उपचार किया गया। राजपुर पीएचसी में मरीजों की संख्या कम मिली। पीएचसी में मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का बैनर लगा न होने पर फटकार लगाई। इसके साथ ही मेले का बैनर ओपीडी व बाहर लगाने के लिए निर्देश दिए। इस दौरान डाक्टर आशीष मिश्रा, ट्रेनी डाक्टर हरदीप सिंह, मनोज सर्राफ, फार्मासिस्ट भोलेंद्र सिंह, वार्ड बॉय रामसिंह मौजूद रहे।

रसधान पीएचसी में स्वास्थ्य कर्मी से जानकारी लेते डिप्टी सीएमओ डॉ आदित्य सचान।

समय से पहले कर दी जच्चा-बच्चा की छुट्टी

- **राजपुर।** मेले के बाद डिप्टी सीएमओ डॉ आदित्य सचान ने रविवार को डिलीवरी वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने डिलीवरी रजिस्टर चेक किया। जिसमें चार महिलाओं की डिलीवरी हुई। जिसमें दो महिलाओं की समय से पहले छुट्टी कर दी। वैना की मानसी देवी ने सुबह 3 बजकर 25 मिनट पर बच्चे को जन्म दिया। शाम साढ़े तीन बजे उसकी बारह घंटे में छुट्टी कर दी। पचलक गांव की रेशमा ने सुबह 6 बजकर 40 मिनट में बच्चे को जन्म दिया। साढ़े सात घंटे बाद घर भेज दिया गया। स्टाफ नर्स अल्का सचान ने बताया कि मरीजों को रोका गया। अपनी मर्जी से बीएसटी बुक में लिखकर चले गए। डिप्टी सीएमओ ने जच्चा-बच्चा की छुट्टी पर नाराजगी जताई।

जर्जर हो रहा हाट बाजार

संवाददाता रसूलाबाद

अमृत विचार। नगर पंचायत के द्वारा लगभग 70 लाख की लागत से 8 वर्ष पूर्व बनवाया गया साप्ताहिक हाट केंद्र फिर से चालू न किए जाने के कारण धीरे-धीरे जर्जर हो रहा है। क्षेत्रीय निवासियों किसानों और ग्रामीणों की मांग पर गत वर्ष अक्टूबर नवंबर माह में इस साप्ताहिक हाट केंद्र चालू करवाया गया था। किंतु कुछ महीने ही यह बाजार चलने के बाद इस बाजार की व्यवस्था के लिए नियुक्त किए गए कतिपय नगर पंचायत कर्मियों के मनमानी रवैये के कारण यह बाजार बंद हो गया। जिससे किसानों को फिर पुराने बाजार मालिकों की ही शरण लेनी पड़ी ।

लगभग 40 हजार की आबादी वाले नगर पंचायत रसूलाबाद में बहुत पुराने समय का साप्ताहिक हाट है। सप्ताह में बुधवार एवं शनिवार को लगने वाले इस साप्ताहिक बाजार में जगह कम होने के कारण बाहरी व्यापारी स्थान नहीं पा पाते हैं। जिसके चलते उन्हें अपना सामान सब्जी, आलू, टमाटर, गुड़, तेल, मसाले, बान आदि बिचौलियों को बेचकर वापस जाना पड़ता है।इससे इसका लाभ नगर निवासियों को नहीं मिल पाता है और उन्हें इन बिचौलियों के शोषण का शिकार होना पड़ता है। महंगे दामों पर सब्जी खरीदनी पड़ती है। प्रतिस्पर्धा में किसानों के न होने से बिचौलिए लोग मनमाने दाम बाजार में खरीदारी करने आने वाले नागरिकों एवं ग्रामीणों से वसूलते हैं। साप्ताहिक बाजार के दिन यहां जाम भी लग जाता है। व्यक्तिगत भूमि में बाजार होने के कारण इसका आज तक विकास नहीं हुआ है। यहां ना कोई टीन शेड है ना ही पक्के चबूतरे हैं ना ही किसी प्रकार का वर्गीकरण दुकानदारों के बैठने लिए किया गया है। ऐसी स्थिति में बरसात में तो यहां निकलना भी मुश्किल हो जाता है।

40 सेमी प्रतिघंटा की रफ्तार से बढ़ रहा यमुना का पानी

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार। चंबल नदी कैचमेंट एरिया में हो रही वर्षा के कारण यमुना नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। जल वृद्धि के चलते रविवार को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) दुष्यंत कुमार मौर्य ने चपरघटा में यमुना नदी के जलस्तर का निरीक्षण किया। लोगों को बढ़ते जलस्तर से सचेत रहने की बात कही।

निरीक्षण के दौरान उप जिला मजिस्ट्रेट भोगनीपुर व तहसीलदार भी उनके साथ उपस्थित रहे। अपर जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उन्हें यमुना नदी के संभावित जलस्तर की जानकारी दी। साथ ही लोगों को आवश्यक सावधानियां बरतने के लिए सचेत किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और किसी भी आपातकालीन परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तत्पर है। उन्होंने तहसील प्रशासन को निर्देशित किया कि सभी बाढ़ चौकियां पूर्णतः सक्रिय रखी जाएं, कंट्रोल रूम को सतत संचालन में रखा जाए। सभी आवश्यक व्यवस्थाओं एवं तैयारियों को तत्काल प्रभाव से पूर्ण कर लिया जाए।

स्थलीय निरीक्षण करते एडीएम दुष्यंत कुमार मौर्य। अमृत विचार

केंद्रीय जल आयोग द्वारा बेहमई में स्थापित किया गया वाटर गेज। अमृत विचार

यमुना नदी खतरे के निशान के करीब, बाढ़ चौकियां सतर्क

- **कानपुर देहात/राजपुर।** लगातार यमुना में जल बढ़ने से यमुना नदी खतने के निशान के करीब पहुंच गईं। बताया जाता है कि रविवार-सोमवार की दरमियानी रात तक नदी खतरे के निशान को छू सकती है। अधिकारियों ने मौके पर जाकर जायजा लिया। अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व ने बताया कि सिंचाई विभाग द्वारा अवगत कराया गया है कि यमुना नदी का जलस्तर 40 सेमी प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा है जो रात्रि तक यमुना नदी (कालपी में) अपने खतरे के निशान 108 मीटर तक पहुंचने की संभावना है। स्थिति को देखते हुए समस्त बाढ़ चौकियों को पूर्व की भांति सक्रिय कर दिया गया है। तहसील स्तरीय कन्ट्रोल रूम को भी सक्रिय किया गया है। उप जिलाधिकारी भोगनीपुर व सिकन्दरा को निरंतर संपर्क में रहने के लिए निर्देशित किया गया है। जनपद स्तर पर ईओसी/ बाढ़ कंट्रोल रूम टोल फ्री नम्बर-1077 व मो नम्बर- 9044070030, 9454416429 संपर्क के लिए जारी किए गए है।

अव्यवस्था | स्टेट हाईवे 68 पर शिवली रसूलाबाद रोड पर कई जगह पड़े गड्ढे

सड़क के गड्ढे ले रहे इम्तहान, यात्री हो रहे हलकान

गीतेश अग्निहोत्री, शिवली

अमृत विचार। क्षेत्र की कई प्रमुख सड़कों का हाल बरसात के समय बहुत ही खराब है। सड़कों में बड़े बड़े गड्ढे हो गए है। इनमें हिचकोले खाते हुए निकलना यात्रियों की मजबूरी है। इस तरफ जिम्मेदार भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। सड़क से आने जाने वाले यात्रियों का कहना है कि सड़क से घर सही सलामत पहुंचना इम्तहान जैसा हो गया।

स्टेट हाइवे 68 शिवली रसूलाबाद रोड पर कई जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। इससे यात्रियों को आने-जाने में असुविधा हो रही है। सड़क से रसूलाबाद, बेला, औरैया, दिल्ली, रूरा, झींझक, अकबरपुर, कानपुर के लिए लोग आना-जाना करते हैं। शिवली कोतवाली से लेकर पांडु नदी पुल तक सड़क के हाल बेहाल हैं। इन गड्ढों से होकर निकलना राहगीरों के लिए मजबूरी बन गया है। जबकि इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों वाहन जाते-आते हैं। मानव सेवा संगठन के अध्यक्ष आशुतोष त्रिवेदी, व्यापार मंडल अध्यक्ष रमाकांत अग्निहोत्री, प्रशांत तिवारी, प्रताप वर्मा ने कहा कि खराब सड़क पर चलना बेहद कष्टप्रद है।

शिवली-कल्याणपुर मार्ग। अमृत विचार

फंदा गांव जाने वाली रोड का हाल। अमृत विचार

कल्याणपुर रोड पर गड्ढे ही गड्ढे : शिवली कल्यानपुर पर रोड पर जगह जगह गड्ढे हो गए है। कई जगह बड़े गड्ढे हैं। 17 किमी रोड पर बड़ी संख्या में कानपुर के लिए वाहनों का आना-जाना रहता है। व्यापारी नेता आशुतोष द्विवेदी, अनुपम वर्मा, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजा तिवारी, धीरज त्रिपाठी, आशीष अग्निहोत्री, शिवम दीक्षित ने खराब सड़क को ठीक कराए जाने की मांग की है। मामले में लोक निर्माण विभाग के एई आरके राय ने कहा कि गड्ढों में गिट्टी व रावीश का मसाला भरा जाएगा। बरसात बाद सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाया जाएगा।

चलना मुश्किल

- बैरी सवाई के रहने वाले शिवम दीक्षित ने कहा कि कल्याणपुर रोड पर इतने गड्ढे हो गए है चलना मुश्किल है। सड़क में गड्ढे है या गड्ढे में सड़क है। पता ही नहीं चलता।

नजर नहीं आता डामर

- रायपुर के रहने वाले प्रताप वर्मा ने बताया कि प्रांतीय राजमार्ग 68 पर शिवली के आगे गड्ढे ही गड्ढे है। वहां सड़क पर इतने गड्ढे है कि सड़क का डामर ही कहीं नजर नहीं आता। निकलना मुहाल है।

सड़कों की हालत खस्ता

- मैथा के निवासी मोहम्मद यासीन ने कहा कि ग्रामीण सड़कों की हालत खस्ता गई है। इन पर भी ध्यान देने की जरूरत है। रोजाना इन मार्गों से बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं देते हैं।

सोलर पैनल चोरी के आरोपी गिरफ्तार

पुखरायां। भोगनीपुर कोतवाली पुलिस ने 72 घंटे के अंदर सौर ऊर्जा पैनल चोरी करने वाले तीन चोरों को गिरफ्तार कर पैनल बरामद किये।

क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर संजय कुमार सिंह ने बताया कि बीती 22 अगस्त को कोतवाली क्षेत्र के बिरोहा गांव के ग्राम प्रधान सत्य प्रकाश ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया था। बताया था कि प्राथमिक विद्यालय से अज्ञात चोरों के द्वारा सौर ऊर्जा पैनल चोरी कर लिये गये है। पुलिस को गश्त के दौरान सूचना मिली कि चोरी के आरोपी खड़े हैं। इस पर पुलिस टीम ने संबंधित जगह पहुंचकर छापेमारी की तो पैनल सहित आरोपी पकड़ में आ गए। पकड़े गये आरोपियों ने अपना नाम अमरजीत निषाद पुत्र श्रीकृष्ण, दीपक निषाद पुत्र रज्जन, स्वयं निषाद पुत्र संतोष निषाद निवासीगण बिरोहा थाना भोगनीपुर बताया।

शिकायत सिंचाई विभाग की जांच करेगा विद्युत विभाग

शिवली। तहसील समाधान दिवस में आम लोगों की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही का आरोप है। कस्बे के पूर्व सभासद अशोक अवस्थी ने बताय कि 19 जुलाई को तहसील समाधान दिवस में भेवान व शिवली बंबा की सिल्ट उठान की जांच की मांग राजस्व अधिकारियों से कराए जाने की मांग की थी। जिसकी आख्या सही नहीं दी गई। और न ही जांच अधिकारी ने उनसे कोई जानकारी ही ली। इसके बाद जब इस बात की शिकायत 18 अगस्त के तहसील समाधान दिवस में की तो शिकायत को विद्युत विभाग के पास जांच के लिए भेज दिया गया है। पोर्टल से इस बात की जानकारी मिलने पर अवाक रह गए।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार,25 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

नाबालिग को बहला कर ले गया युवक

घाटमपुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक महिला ने अपनी नाबालिग बेटी को मुस्लिम युवक द्वारा बहला फुसला कर ले जाने और दुष्कर्म करने सहित धर्म परिवर्तन व अन्य अनहोनी की आशंका जताई है। किशोरी की मां ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसकी 16 वर्षीय किशोरी को घाटमपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत भद्ररस गांव निवासी एक युवक बहला कर अपने साथ ले गया है, जिसके साथ दुष्कर्म व धर्म परिवर्तन सहित अन्य घटनाओं की आशंका जाताई है। किशोरी की मां ने किशोरी को बरामद कर उक्त युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। घाटमपुर पुलिस ने युवक व किशोरी की तलाश मे टीम गठित कर जल्द किशोरी को बरामद करने का आश्वासन पीड़ित की मां को दिया है।

देशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

घाटमपुर। घाटमपुर के साढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत गंभीरपुर देशी शराब ठेके के पास विपिन कुमार चौरसिया पुत्र श्री राम चौरसिया निवासी बरईगढ़ को 11देसी शराब की बोतल के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। साढ़ थाना प्रभारी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि उक्त विपिन गंभीरपुर देसी शराब की दुकान से 11 पौवे शराब लेकर जा रहा था। जिसको पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

आरएसएस ने समरेन्द्र को दी नई जिम्मेदारी

समरेंद्र प्रताप।

घाटमपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहे समरेन्द्र प्रताप को संघ द्वारा विश्व हिन्दू परिषद् अवध प्रान्त का जिला संगठन मंत्री का दायित्व सौंपा गया है। अब इनका केन्द्र लखनऊ रहेगा। समरेन्द्र प्रताप पूर्व में कानपुर और बिल्हौर जिले में प्रचारक रहे हैं। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् जैसे विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, जिला संगठन मंत्री और विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का भी निर्वहन किया है। रविवार को हुई घोषणा के बाद सभी कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। इस दौरान सभी ने उन्हें बधाई देते हुए उनका मुंह मीठा कराया।

दो घरों से नकदी समेत लाखों के जेवर पार

सजेती थाना क्षेत्र में हुई घटना, जानकारी पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच पड़ताल शुरू की

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार । सजेती थाना क्षेत्र में देर रात दो घरों से चोरों ने हजारों की नकदी समेत लाखों की कीमत के जेवरात पार कर दिए है। सुबह जब परिजन उठे और घर का सामान अस्त व्यस्त पड़ा देखा तब उन्हें चोरी की घटना की जानकारी हुई। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को फोन कर घर में चोरी होने की सूचना दी। मौके पर पहुंची सजेती पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल शुरू की है।

सजेती थाना क्षेत्र के अमौली गांव निवासी बलवीर सिंह और उनके पड़ोसी राम खिलावन ने रविवार को सजेती थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि देर रात वह अपने अपने घरों पर कमरे में सो रहे थे तभी छत के रास्ते से घर में घुसकर चोरों ने घर के अंदर कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़कर हजारों की नकदी समेत लाखों की कीमत के जेवरात चोरी कर ले गए हैं। सुबह परिजन उठे तो देखा कि घर का सामान अस्त व्यस्त पड़ा था तथा घर की छत पर बक्सा खुला पड़ा मिला है। उन्होंने बताया कि चोरों ने बीस हजार रुपये की नकदी समेत लाखों की कीमत के जेवरात पार कर दिये हैं। उन्होंने चोरी घटना की सूचना पुलिस को फोन पर देने के साथ थाने पहुंचकर पुलिस को घटना की तहरीर दी है।

जानकारी मिलते ही सजेती थाना प्रभारी अवधेश कुमार स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों से घटना के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई है। इसके साथ ही उन्होंने घटना की जांच पड़ताल की ।

सजेती थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिली थी, उन्होंने स्वयं मौके पर पहुंचकर परिजनों से जानकारी ली है। घटना की जांच पड़ताल की जा रही है। जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा किया जाएगा।

चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान। अमृत विचार

घाटमपुर में सेंध लगाकर चोरों ने उड़ाया माल

संवाददाता घाटमपुर

- चोरी की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने की जांच पड़ताल
- लगातार दूसरे दिन चोरी होने से लोगों में दहशत

अमृत विचार। भीतरगांव में पुलिस गश्त के बावजूद दूसरे दिन चोरी से लोगों में दहशत का माहौल है। शनिवार की बीती रात शंकरपुर गांव के मुख्य मार्ग के किनारे रखी दुकान से अज्ञात चोर पान मसाला और कुछ रुपये निकाल कर ले गए थे और पास के घर में भी कूद गए थे।

हालांकि मामूली चोरी की वजह से पुलिस में इसकी शिकायत नहीं की गई थी। वहीं रविवार की बीती रात ताजपुर गांव में दीवार में सेंध लगाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। गांव निवासी रीता पत्नी अजय ने बताया कि शनिवार की शाम अपनी छोटी बहन के यहां गई थी। पति बाहर रहते हैं। घर पर अकेली मां थी। सुबह फोन पर घर में दीवार सेंध लगाकर चोरी होने की सूचना मिली। घर आकर देखा तो घर के पीछे से दीवार में सेंध बनी हुई थी।

अंदर बक्से में रखे जेवरात और पर्स में रखें एक हजार रुपये समेत करीब पचास हजार का सामान गायब था। चोरी की जानकारी पुलिस को दी गई। वहीं बिरहर चौकी प्रभारी ने बताया कि ताजपुर में चोरी की शिकायत मिली है। जांच की जा रही है।

गैंगरेप पीड़िता के परिवार से मिलने पहुंचे विधायक

संवाददाता बिल्हौर

- विधायक राहुल बच्चा ने परिजनों से मुलाकात कर हर संभव मदद का दिया भरोसा

अमृत विचार। बीते दिनों ककवन क्षेत्र के एक गांव में किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी। इसी के चलते विधायक राहुल बच्चा ने पीड़िता के परिवार से मुलाकात की।

विधायक राहुल बच्चा पीड़िता के घर पहुंचे। विधायक ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया और परिवार के सदस्यों, खासकर पीड़िता के माता-पिता से बात की। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि इस मामले में न्याय दिलाने के लिए वह व्यक्तिगत रूप से हर संभव मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय घटना है और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

न्याय और मदद का दिया आश्वासन: मुलाकात के दौरान, विधायक ने परिवार को कानूनी मदद, आर्थिक सहायता और नैतिक समर्थन देने का वादा किया। उन्होंने पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से भी बात की और उन्हें निर्देश दिए कि इस मामले में त्वरित और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए। विधायक ने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से इस मामले की निगरानी कर रहा हूं। मेरा पूरा प्रयास रहेगा कि दोषियों को जल्द से जल्द और कड़ी से कड़ी सजा मिले ।

वहीं पीड़िता के परिवार ने इस कठिन समय में विधायक के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस मामले में पुलिस ने पहले ही एफआईआर दर्ज कर ली थी और चारों आरोपियों को जेल भेज दिया गया था । इस मौके पर विधायक के साथ तमाम भाजपा नेता भी मौजूद रहे ।

3 माह बाद भी किशोरी का नहीं लगा सुराग

चौबेपुर। क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव से तीन माह पूर्व घर से निकली किशोरी अभी तक वापस नहीं लौटी। गुमशुदगी दर्ज होने के बावजूद किशोरी का कुछ पता न लगने से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव निवासी प्रताप सिंह चौहान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि गत 27 मई की सुबह करीब 5:00 बजे उनकी 14 वर्षीय बेटी किसी को बिना कुछ बताए घर से निकल गई । रिश्तेदारी व अन्य तमाम परिचितों के यहां तमाम खोजबीन की। लेकिन बेटी का कुछ पता नहीं लग सका। मामले में पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू की, लेकिन तीन माह बीत जाने के बावजूद उसका कुछ पता नहीं लग सका। बताया गया है कि किशोरी की एक आंख खराब है और वह कुर्ता पायजामा व पैरों में स्लीपर पहनकर घर से निकली है। वहीं उप निरीक्षक रोशन लाल ने बताया कि लापता किशोरी की तलाश कराई जा रही है।

चेकिंग के दौरान सात वाहनों का चालान

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। नगर में घाटमपुर पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए वाहनों की चेकिंग का अभियान चलाया गया। वहीं पुलिस ने यातायात नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए वाहनों का चालान किया।

रविवार को नगर के प्रमुख स्थानों सहित मुख्य चौराहा से गुजर रहे वाहन चालकों की चेकिंग की गई तथा बग़ैर हेलमेट लगाए वाहन चालकों का चालान भी किया गया। इस दौरान मोटरसाइकिल से यात्रा कर रहे लोगों को हेलमेट लगाने तथा अभिभावकों से नाबालिग बच्चों को वाहन न देने की अपील की गई। इसके साथ ही स्थानीय पुलिस प्रशासन ने सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए वाहन चालकों को यातायात नियमों से अवगत कराया तथा यातायात नियमों के अनुसार ही वाहन चलाने को कहा। इस चेकिंग अभियान में उदय प्रताप सिंह, रजनीश, अजय शिवहरे, अभिषेक सिंह, नवीन कुमार, राहुल, रवींद्र, शनिदेव व अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

बिना हेलमेट वाहन चालक का चालान करते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

दबंगों ने सड़क से निकलने पर जमकर पीटा

शिवराजपुर । औरावरी गांव में इंटरलॉकिंग रोड से निकलने पर दबंगों ने परिवार के सदस्यों को जमकर मारा पीटा ।

गांव निवासी राहुल पुत्र आनंद कुमार ने एसीपी बिल्हौर को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव के ही राम प्रकाश , मोनू व टुल्ली , पार्वती पत्नी राम प्रकाश आदि ने रंजिशन मेरे परिवार के सदस्य द्वारा इंटरलॉकिंग रोड से निकलने पर जमकर मारा पीटा व गालियां दी कहा कि दोबारा निकले तो हाथ पैर तोड़ देंगे।

पीड़ित राहुल ने थाने में घटना की तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी किंतु थाना स्तर से कोई कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने एसीपी बिल्हौर को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है इस मामले में एसीपी बिल्हौर अमरनाथ ने बताया कि मामले का प्रार्थना पत्र मिला है जांच करा कर उचित कार्रवाई की जाएगी ।

किन्नरों के नृत्य के साथ आज से शुरू होगा तीजा महोत्सव

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

- सैकड़ों वर्षों से विद्यमान है परंपरा जमींदारों ने शुरू की थी

अमृत विचार। कस्बे के ऐतिहासिक तीजा मेला का आगाज सोमवार की शाम किन्नरों के भरथरी नृत्य से होगा। किन्नर नाचते गाते कस्बे के बड़े घरानों के दरवाजे पर पहुंच कर तीजा महोत्सव की शोभायात्रा में शामिल होने का आमंत्रण देंगे। इसी के साथ तीन दिन के ऐतिहासिक तीजा मेला का आगाज होता है। भरथरी कार्यक्रम में जिले के अलावा महोबा, बांदा, चित्रकूट, जालौन, झांसी, कानपुर आदि के किन्नर शिरकत करते हैं।

कस्बे का ऐतिहासिक तीजा मेला कई परंपराओं को समेटे हुए हैं। इन्हीं परंपराओं में एक परंपरा किन्नरों के भरथरी नृत्य की है। बड़े घरानों को शोभायात्रा में शामिल होने के लिए एक दिन पूर्व आमंत्रण देने के शुरू किया था। इसकी शुरुआत कस्बे के स्वर्गीय मुन्ना सिंह के हाता से होती है। इस वर्ष यह परंपरा सोमवार की शाम को शुरू होगी। मुन्ना सिंह के हाता से शुरू होकर यह सर्वप्रथम श्रीकृष्ण मंदिर पहुंचती है। यहां से यह लोग नाचते गाते कस्बे की छोटी बाजार, चांद थोक के बड़े घरानों के दरवाजे पहुंचते हैं और अगले दिन शुरू होने वाली शोभायात्रा में शामिल होने का आमंत्रण देकर नेग मांगते हैं। लोग हंसी-खुशी श्रद्धानुसार नेग देकर विदा करते हुए शोभायात्रा में शामिल होने के लिए आश्वस्त करते हैं। इसके बाद देर रात तक यह कार्यक्रम वापस मुन्ना सिंह के दरवाजे होता है। अगली सुबह शोभायात्रा में शामिल होने के लिए यह किन्नर पुनः सजधज कर यहीं पर एकत्र होते हैं औश्री कृष्ण मंदिर पहुंचकर शोभायात्रा में शामिल होते हैं। पूर्वज बताते थे कि यह परंपरा सैकड़ों वर्ष से होती चली आ रही है। इसका उद्देश्य एक दूसरे को तीजा मेला में आमंत्रित करना था।

बिल्हौर में सपाइयों ने निकाली वोटर अधिकार रैली

बिल्हौर । रविवार को सपाइयों ने पीडीए वोटर अधिकार यात्रा रैली निकाली। यह यात्रा मंधना से बिल्हौर तक निकाली गई, जिसका उद्देश्य गांवों में लोगों को अपने वोट की सुरक्षा के लिए जागरूक करना था। विनय कोरी ने भाजपा पर वोट चोरी करने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी यात्रा का उद्देश्य सभी को सहयोग करना है।

इस अवसर पर, पूर्व चेयरमेन निर्भय सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी को गरीबों, मजलूमों और किसानों की पार्टी बताया। पूर्व मंत्री रामपाल राजवंशी ने अखिलेश यादव की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक विकास पुरुष बताया।यात्रा और कार्यक्रम में कई प्रमुख नेता और तमाम समर्थक शामिल हुए, जिनमें श्याम सुंदर यादव, शाहिद हुसैन जाफरी, शैलेंद्र सिंह यादव, सतेन्द्र यादव, अभिषेक सिंह, आशीष सिंह , और अरशद सिद्दीकी जैसे लोग शामिल थे।

ब्लॉक प्रमुख समेत 5 पर मुकदमा

संवाददाता,चौबेपुर

- सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने का मामला

अमृत विचार। सोशल मीडिया (फेसबुक)पर अभद्र टिप्पणी को लेकर उपजे विवाद के बाद ब्लॉक प्रमुख समर्थक व उनके विरोधी पक्ष के बीच मारपीट हो गई। मामले में पुलिस ने ब्लॉक प्रमुख समेत दोनों पक्षों के पांच लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

क्षेत्र के पिपरी गांव निवासी सत्यम पुत्र महेश त्रिवेदी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि कस्बा निवासी अभिजीत उर्फ मोहित तिवारी पुत्र संतोष तिवारी के कहने पर गत 17 अगस्त को वह ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला की क्षेत्र स्थित राइस मिल में गया था। जहां सोशल मीडिया पर ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगा। ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला उनके भाई विनय शुक्ला व मोहित तिवारी ने उसकी जमकर पिटाई की, इतना ही नहीं कान पड़कर उठक बैठक भी कराई।

वहीं दूसरी ओर ब्लॉक प्रमुख पक्ष के मोहित तिवारी ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि कुछ दिन पहले सत्यम त्रिवेदी द्वारा सोशल मीडिया पर ब्लाक प्रमुख के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की गई थी। जिसको लेकर सत्यम के पिता महेश त्रिवेदी अपने बेटे व कस्बे के एक अन्य युवक अमित चौरसिया को लेकर ब्लॉक प्रमुख की राइस मिल आए थे। जहां सत्यम द्वारा अपनी गलती स्वीकार किए जाने पर ब्लॉक प्रमुख ने दोबारा ऐसी गलती न करने की हिदायत देकर उसे माफ़ कर दिया था। इसके उपरांत 20 अगस्त की सुबह करीब 10:00 बजे जब वह (मोहित) घर से ब्लॉक मुख्यालय जाने के लिए घर से निकला था,तभी रास्ते में बम्बे पर पहले से घात लगाये बैठे सत्यम व पिपरी गांव के संजू त्रिवेदी पुत्र विमल नारायण त्रिवेदी ने उसे रोक लिया। ब्लॉक प्रमुख का चमचा व गाली गलौज किये जाने साथ सत्यम ने संजू त्रिवेदी की रिवाल्वर लेकर उसके सीने में सटा दी। इस दौरान उक्त दोनों लोगों ने उसे व ब्लॉक प्रमुख को जान से मारने की धमकी दी।

मामले में ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला ने बताया कि राजनीतिक द्वेष के चलते उनके व भाई के खिलाफ गलत मुकदमा पंजीकृत कराया गया । मामले में एसीपी अमर नाथ ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से मुकदमा पंजीकृत कर मामले की पड़ताल कराई जा रही है।

मोबाइल कंपनी के कर्मियों को चोर समझकर पकड़ा

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार । बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के बीबीपुर गांव में शनिवार की देर रात तीन अज्ञात युवकों को ग्रामीणों ने चोर समझ कर पकड़ लिया तथा उनके साथ मारपीट भी की। देर रात जानकारी मिलने पर पुलिस ने उनको बिल्हौर कोतवाली में बैठा लिया। हालांकि रविवार को कंपनियों के प्रतिनिधि द्वारा सत्यापन किए जाने के बाद उन युवकों को मोबाइल कंपनी का कर्मचारी बताया गया, जिसके बाद उनको छोड़ दिया गया।

बीबीपुर गांव के ग्रामीणों के अनुसार देर रात उनके द्वारा तीन युवकों को गलियों में घूमते हुए पकड़ गया। ग्रामीणों ने तीनों युवकों को चोर समझते हुए उनके साथ मारपीट की और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को बिल्हौर कोतवाली ले आई। उसके बाद मोबाइल कंपनी के प्रतिनिधि वहां पहुंचे और पकड़े गये युवकों का मोबाइल कंपनी का कर्मचारी बताय,जिसके बाद उनको छोड़ दिया गया।

मोबाइल कंपनी के कर्मचारी।

बारिश से खिले किसानों के चेहरे

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर में भीषण गर्मी व उमस के बीच बीते 24 घंटे हो रही बारिश से लोगों को राहत मिली है। यहां पर 40 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलीं। हालांकि बारिश से नगर पालिका की पोल खुल गई। यहां पर नगर के डाकखाना रोड, पोस्ट ऑफिस रोड समेत हाईवे पर जलभराव हो गया। वहीं रुक रुककर हो रही बारिश से किसानों के चेहरे खिल गये हैं।

घाटमपुर में पिछले 24 घंटे से हो रही बारिश से क्षेत्र का मौसम अत्यंत खुशनुमा हो गया है। घाटमपुर तहसील क्षेत्र में कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस हो रही थी। शनिवार शाम को अचानक मौसम ने करवट बदली और बीते 24 घंटे से यहां पर रुक रुककर

बारिश में निकलते वाहन सवार और लोग। अमृत विचार

- 24 घंटे से रुक रुककर हो रही बारिश, उमस से मिली राहत

बारिश हो रही है। साथ ही 40 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से लगभग आधा घंटे तक हवाएं भी चलीं। उसके बाद तहसील क्षेत्र में कुछ जगहों पर बूंदाबांदी के साथ बारिश हो रही है। हालांकि बारिश होने से आम जनमानस ने राहत की सांस ली है। तेज हवा के साथ हुई बारिश से मौसम सुहाना हो गया है। वहीं बारिश और तेज हवाएं चलने से कानपुर सागर हाईवे पर सन्नाटा छा गया। अचानक अंधेरा होने के चलते वाहन चालकों को अपने अपने वाहन की लाइट जलाकर चलना पड़ा।

बैठकों का दौर | पीडब्ल्यूडी द्वारा अवैध दुकानों में नोटिस चस्पा के बाद विधायक ने व्यापारियों के साथ की बैठक

दुकानों को बचाने के लिये व्यापारियों व नेताओं का संघर्ष जारी

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। शिवराजपुर कस्बे के रोड के दोनों ओर पीडब्ल्यूडी की जगह पर बनी दुकानों पर पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने 270 दुकानों पर नोटिस चस्पा की थी। एक सप्ताह में अपनी दुकान न हटाने पर अधिकारियों द्वारा कार्रवाई की बात की गई थी, जिसके बाद भयभीत व सहमे व्यापारियों ने अपनी समस्या उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और क्षेत्रीय सांसद अशोक रावत के समक्ष रखी थी।

रविवार को क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने कस्बे के भूतेश्वर मंदिर प्रांगण में व्यापारियों की एक बैठक बुलाई और आश्वासन दिया कि आप लोग परेशान न हों किसी भी व्यापारी की दुकान को हटाया नहीं जाएगा । व्यापारियों से वार्ता करते हुए विधायक ने कहा कि लोक निर्माण विभाग व नगर पंचायत अधिकारियों द्वारा कस्बे के व्यापारियों को अगर परेशान किया जा रहा है तो उनसे वार्ता की जाएगी। इस मौके पर व्यापारियों ने नगर पंचायत के अधिकारियों पर आरोप लगाया कि पहले तो नाला निर्माण के समय कुछ दुकानें तोड़ी गई अब अतिक्रमण के नाम पर लगातार नगर पंचायत अधिकारी व्यापारियों को परेशान कर रहे हैं, जिससे व्यापार करना मुश्किल हो रहा है। वहीं व्यापारियों ने नगर पंचायत अधिकारियों पर अनैतिक लाभ मांगने का भी आरोप लगाया है।

वहीं कांग्रेसियों द्वारा कस्बे के बर्मा मार्केट में व्यापारियों की बैठक बुलाई गई, जिसमें उन्होंने कहा कि हम अपनी सुरक्षा और अपने क्षेत्र का विकास करने के लिए जन प्रतिनिधियों को वोट देकर चुनते हैं किंतु यहां तो वही जनप्रतिनिधि हमें बर्बाद करने पर तुले हैं । अभी पिछले कुछ महीने में नाला निर्माण के नाम पर नगर पंचायत विभाग द्वारा दुकानें तोड़ी गईं, जबकि नगर पंचायत कस्बे की सभी छोटी बड़ी दुकानों से 100 हर महीने वसूलता है। कुछ दिनों बाद ही अतिक्रमण के नाम पर जीटी रोड से 90 फुट नाप कर जगह चिन्हित कर दी गई व प्रत्येक दुकान पर नोटिस चस्पा कर दी गई। जिसमें बताया गया है कि एक हफ्ते में अपना निर्माण हटा ले अन्यथा उसे गिरा दिया जायेगा। कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि व्यापारियों आप लोग परेशान ना हो हम लोग एकत्र होकर अपनी आवाज उठाएंगे और यहां से लेकर लखनऊ तक अपनी बात पहुंचाएंगे।

व्यापारियों के साथ बैठक करते विधायक राहुल बच्चा सोनकर और ब्लॉक प्रमुख शुभम।

- पीडब्ल्यूडी ने 270 दुकानों पर चस्पा किया नोटिस
- विभाग ने एक सप्ताह में दुकान हटाने को कहा था

नोटिस चस्पा के बाद चर्चाओं का दौर जारी

- पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा कस्बे की दुकानों में नोटिस चस्पा के बाद व्यापारी वर्ग परेशान है। व्यापारी वर्ग अपनी दुकान बंद कर जनप्रतिनिधियों के चक्कर लगा रहे हैं और समस्या का हल निकलवाने में जुटे हैं। वहीं कुछ व्यापारियों ने बताया कि नगर पंचायत के अधिकारी अभी तक मिली भगत कर अनैतिक लाभ लेकर दुकान बनवा रहे थे, जब से नोटिस चस्पा हुई है तब से नगर पंचायत के अधिकारी और भी परेशान किए हुए हैं। कस्बे की जीटी रोड के दोनों और जहां नोटिस चस्पा हुई है वहां भाजपा नेत्री की बिल्डिंग का निर्माण हो रहा है। साथ ही कांग्रेसी नेता ने भी सरकारी बस स्टैंड और पीडब्ल्यूडी की जगह कब्जा कर वहां दुकान बनाकर किराए पर उठा दी हैं। पीडब्ल्यूडी विभाग ने वहां भी नोटिस चस्पा की है।

ससुराल पहुंचे व्यक्ति की संदिग्ध हालातों में मौत

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। जरिया थानाक्षेत्र के रिगवारा गांव में अपनी ससुराल पहुंचे 45 वर्षीय एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों के चलते मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार मुस्करा थानाक्षेत्र के गहरौली गांव निवासी चंद्र प्रकाश (45) पुत्र किशोरी लाल शुक्रवार को अपनी बड़ी पुत्री प्रीति को उसकी ससुराल ग्राम खड़ाखर राठ छोड़ने के लिए गया हुआ था। पुत्री को उसकी ससुराल छोड़ने के बाद वह वहां से अपनी ससुराल जरिया थानाक्षेत्र के ग्राम रिगवारा चला गया। जिसके बाद रात्रि के समय वह खाना खा पीकर अपनी ससुराल में ही लेट गया। जिसके बाद शनिवार की सुबह जब उसके ससुराल वालों ने चंद्र प्रकाश को जगाया तो वह मृत अवस्था में पड़ा हुआ मिला। घटना की जानकारी लगते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक चंद्र प्रकाश प्लंबर का काम करता था तथा गांव में ही नल फिटिंग आदि का काम करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। वह अपने पीछे 6 पुत्री प्रीति, कोमल, अंजली, शशि, श्रेया, कुमकुम व इकलौते पुत्र एकलव्य सहित अन्य सभी परिजनों को रोता बिलखता हुआ छोड़ गया है।

मामले में जरिया थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया है तथा मामले में आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी।

सुविचार

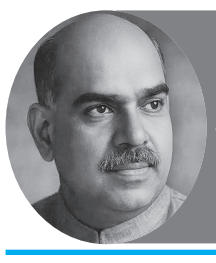

जो भी कार्य आरंभ करो, गंभीरता से पूर्ण करो, और तब तक संतुष्ट न हो जब तक अपना सर्वश्रेष्ठ न दे दो।

-डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, सोमवार, 25 अगस्त 2025

कानपुर के प्रमुख समाचार

- इस्पातनगर में बढ़ें सुविधाएं, दूर करें व्यापारियों की समस्याएं- II
- सफाईकर्मियों के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की जाए- III
- मंदिर के पट खुलते ही गूंजा आयो लाल-झूलेलाल- IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

प्लाट कब्जा और रंगदारी में पूर्व शासकीय अधिवक्ता को जेल

चकेरी का मामला, मार्बल व्यापारी को धमका रहे थे, निर्माण कार्य रुकवा दिया था

ऑपरेशन महाकाल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्लाट पर कब्जा और पांच लाख रुपये रंगदारी मांगने में चकेरी पुलिस ने ऑपरेशन महाकाल के तहत पीड़ित व्यापारी की तहरीर पर पूर्व शासकीय अधिवक्ता समेत दो साथियों पर रिपोर्ट दर्ज की। आरोपियों ने फर्जी मुकदमे में फंसाने की भी धमकी दी थी। पुलिस ने शासकीय अधिवक्ता को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

अवध बिहारी।

गोपालनगर निवासी देवेंद्र सिंह के अनुसार उनकी पीएसी मोड़ बाइपास पर मार्बल की दुकान है। उन्होंने 2017 में रामपुरम दहेलीसुजानपुर में 200 वर्गगज का प्लाट खरीदा था। इसके बाद वह प्लाट पर निर्माण करवा रहे हैं। इसी बीच श्यामनगर निवासी पूर्व शासकीय अधिवक्ता अवध बिहारी यादव अपने साथी विशाल यादव, संजय यादव के साथ प्लाट पर आए और काम रुकवा दिया। विरोध करने पर कहा, प्लाट उनका है। धमकाया कि अगर निर्माण कराना है तो पांच लाख रुपये रंगदारी देनी होगी। इसके बाद आरोपियों ने ज्ञाननगर हाउसिंग सोसाइटी का बोर्ड भी प्लाट पर लगा दिया। धमकी दी कि जब तक रंगदारी नहीं दोगे, मकान नहीं बनवा पाओगे। कुछ दिन पहले वह दुकान पर बैठे थे, तभी आरोपी आए और रंगदारी मांगने लगे। इस पर उन्हें एक लाख रुपया दिया। उसके बाद व्हाट्सएप कॉल करके बाकी रकम भी मांगी। फर्जी मुकदमे में फंसा देने की धमकी दी। परेशान होकर पीड़ित व्यापारी ने चकेरी थाने में शिकायत की।

थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रंगदारी मांगने, धमकने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। अधिवक्ता अवध बिहारी को जेल भेजा है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से चार मुकदमे दर्ज हैं। साथियों की तलाश की जा रही है।

भाजपा नेता बम-बम पर धमकी देने की रिपोर्ट

कानपुर। काकादेव में पॉक्सो एक्ट में जेल भिजवाने की धमकी देने पर भाजपा नेता सर्वेश शुक्ला उर्फ बम-बम पर महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले में धमकाते हुए भाजपा नेता का वीडियो भी वायरल हुआ था। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। शास्त्रीनगर निवासी अशोक राय की पत्नी साधना राय की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार बीती 20 अगस्त को सर्वेश शुक्ला बम-बम उनके घर आए और उनके बेटों को बुलाने लगे। आवाज सुनकर वह पहुंचीं और कारण पूछा तो बोले समझा लो नहीं तो पॉक्सो एक्ट में रिपोर्ट लिखवाकर जेल भिजवा देंगे। डरकर उन्होंने दोनों बच्चों को बुलाया। बच्चों को देखकर सर्वेश शुक्ला ने धमकी दी कि पिछली बार आरपी सिंह के कहने पर तुमपर पॉक्सो लगवाया था, इस बार सीधे जेल जाओगे। इसके बाद जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि सर्वेश शुक्ला पूर्व में द्वेष भावना से उनके बच्चों के खिलाफ एक लड़की को आगे करके फर्जी रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जो जांच में फर्जी निकली थी। काकादेव थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि महिला की तहरीर पर सर्वेश शुक्ला बम-बम पर आपराधिक धमकी की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच की जा रही है।

सर्वेश शुक्ला।

- ऑपरेशन महाकाल के तहत दर्ज हुई तीन लोगों पर रिपोर्ट

फर्जी दस्तावेज से नामांतरण, भाइयों पर रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। कूटरचित विक्रय अनुबंध पत्र तैयार करके तीन सगे भाइयों ने नगरनिगम में नामांतरण करा लिया। इसका खुलासा होने पर कोतवाली में तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। कल्याणपुर के आवास-विकास अंबेडकरपुरम निवासी अरविंद त्रिपाठी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनका चौक सर्राफा में मकान है जो मां माधुरी देवी की मृत्यु के बाद वरासत में मिला था। उसी मकान का फर्जी विक्रय अनुबंध पत्र तैयार करके भरत सिंह ने 1991 में नगरनिगम में नामांतरण करा लिया था। भरत सिंह की भी 10 साल पहले मौत हो चुकी है। उसके बाद उनके तीन बेटे विक्रम सिंह, बृजेंद्र सिंह व बृजेश सिंह संपत्ति पर कब्जा करके किरायेदारों से लगातार वसूली कर रहे हैं। विरोध पर आरोपी धमकी देते हैं। थाने में सुनवाई न होने पर पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार से गुहार लगाई। थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद पांडेय ने बताया कि तीनों सगे भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

चालिहा महोत्सव

गुजैनी में चालिहा महोत्सव पर एक से बढ़कर एक झांकियां निकलीं। • अमृत विचार

जमानत खारिज होने पर आरोपी फरार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बाबूपुरवा में दर्ज चोरी के मामले में सरेंडर करने आया था

अमृत विचार। चोरी व सेंधमारी के मामले में फरार चल रहा आरोपी सरेंडर का पर्चा दाखिल करने के बाद कचहरी से भाग निकला। कोर्ट मोहर्रिर ने कोतवाली पुलिस को सूचना देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पता चला कि आरोपी की जमानत अर्जी खारिज होने पर वह चकमा देकर भाग गया।

कोर्ट मोहर्रिर संध्या ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि नयापुरवा बगाही निवासी धर्मेंद्र वर्मा के खिलाफ बाबूपुरवा थाने में चोरी और सेंधमारी की रिपोर्ट दर्ज थी। जिसमें वह फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी तो उसने अधिवक्ता से संपर्क किया और सरेंडर करने को कहा। उसके अधिवक्ता ने जमानत दिलाने का आश्वासन दिया था। जिसके चलते बीते शुक्रवार को धर्मेंद्र समेत चार आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर करने का प्रार्थना पत्र दाखिल किया। कोर्ट में जमानत अर्जी भी लगाई थी। सुनवाई के दौरान अर्जी खारिज हो गई। इसके बाद आरोपी पुलिस को चकमा देकर कचहरी परिसर से फरार हो गया। आरोपी को गायब देख पुलिस कर्मी परेशान हो गए और कचहरी परिसर सहित आसपास खोजबीन की, लेकिन उसके बारे में कुछ पता नहीं चला। आखिर में धर्मेंद्र के भाग जाने की जानकारी कोर्ट मोहर्रिर संध्या को दी गई। उन्होंने आरोपी के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी। कोतवाली प्रभारी जगदीश प्रसाद पांडेय ने बताया कि कोर्ट मोहर्रिर की तहरीर पर रिपोर्ट दर्जकर आरोपी की तलाश की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

आज यहां पर नहीं आएगी बिजली

कानपुर। बारासिरोही टूटी पुलिया के आसपास क्षेत्र, करहीं लक्ष्मण पार्क व आसपास का क्षेत्र, लवकुश नगर, गौतम विहार, न्यू बारासिरोही, मिर्जापुर, आजाद नगर, रमजानी चौराहा और पनकी मंदिर क्षेत्र में बिजली सुबह नौ बजे से शाम को पांच बजे तक नहीं आएगी। इसके अलावा रूपम, दुर्गा पूजा पार्क, विवेकानंद पार्क, टाटमिल, निराला नगर व गीता नगर में बिजली सुबह नौ बजे शाम को साढ़े चार बजे तक बिजली नहीं आएगी।

मवेशी लदी डीसीएम पकड़ी, दो गिरफ्तार

कानपुर। रेलबाजार पुलिस ने शनिवार देर रात टाटमिल चौराहा से मवेशी लदी डीसीएम पकड़ी और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रेलबाजार कार्यवाहक थाना प्रभारी जयवीर सिंह ने बताया कि शनिवार देर रात सूचना के आधार पर टाटमिल चौराहा पर एक डीसीएम रोकी। तलाशी में उसमें 127 मवेशी लदे मिले। इस पर डीसीएम सवार दो आरोपियों फतेहपुर निवासी आमिर और फिरोजाबाद के शेख की सरांय निवासी सलमान को पकड़ा। आरोपियों ने बताया कि मवेशियों को फतेहपुर से अलीगढ़ ले जा रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

112 ओवरलोड वाहनों के चालान किए

कानपुर। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव के निर्देश पर एआरटीओ प्रवर्तन दल ने सागर हाईवे, दिल्ली और फर्रुखाबाद हाईवे पर ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया। इसमें 113 वाहनों के चालान किये गये जबकि 7 वाहनों को सीज किया गया। उन्होंने बताया कि अभियान जारी रहेगा।

पंप और टंकी का भूमि पूजन किया

कानपुर। नौबस्ता पश्चिम वार्ड 65 के भाजपा पार्षद योगेंद्र शर्मा ने महाराणा प्रताप रामलीला मैदान तथा बाबा विश्वनाथ मंदिर और हनुमंत विहार में सौरभ सिंह सूर्यवंशी की प्रस्तावना से नहर पटरी पर तीसरे समरसिबल पंप व टंकी का भूमि पूजन किया। पार्षद योगेंद्र शर्मा ने बताया कि सांसद रमेश अवस्थी के सहयोग से कार्य का शुभारम्भ किया जा रहा है। भूमि पूजन के दौरान क्षेत्रीय वरिष्ठ जनों का स्वागत माल्यार्पण कर किया गया।

शहर के विकास के लिए बनेगा सिटीजन चार्टर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के विकास के लिए रविवार को सुपर 100 की शुरुआत हुई। यह फोरम शहर के विभिन्न अलग-अलग क्षेत्रों के नामचीन व्यक्तियों ने मिलकर बनाया है। यह संगठन वन सिटी-वन फैमिली अवधारणा के तहत कार्य करेगा। संगठन की शुरुआत पर सिटीजन चार्टर बनाए जाने पर सभी ने बल दिया।

सुपर 100 टीम के सदस्यों ने शहर के विकास पर किया विचार-विमर्श। अमृत विचार

- नामचीन व्यक्तियों ने मिलकर बनाया सुपर 100

तिलक नगर में हुए आयोजन में बलराम नरूला, डॉ सिधांशु राय, विमल झाझरिया, अरुण पुरी महाराज, गणेश तिवारी, रतन श्रीवास्तव, कर्नल मोहम्मद जाहिद सिद्दीकी, डॉ नरेंद्र मोहन, डॉ राज तिलक, प्रो टीएन अग्रवाल, डॉ इंद्रमोहन रोहतगी, डॉ अवध दुबे सहित समाज के स्थापित गण्यमान्य उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय शिक्षक डॉ सिधांशु राय ने कहा कि सौ व्यक्तियों का यह समूह वन सिटी-वन फैमिली अवधारणा के तहत कार्य करेगा। कानपुर के लिए उपलब्धि होगी जब शहर के स्थापित व्यक्तित्व एक प्लेटफार्म पर शहर के सर्वांगीण विकास के लिए मंथन एवं कार्य करेंगे। उन्होंने कहा शहर के उद्देश्य एवं प्राथमिकताएं निर्धारित हों और उसी के अंतर्गत कार्य किए जाएं। वरिष्ठ उद्योगपति बलराम नरूला ने कहा आज का समय एक दूसरे के साथ मिलकर कार्य करने का है। उन्होंने शहर का सिटीजन चार्टर बनाने को कहा। कार्यक्रम संयोजक वास्तुविद विमल झाझरिया ने कहा खुशहाल कानपुर बनाना फोरम का उद्देश्य रहेगा। चैतन्य अरुण पुरी महाराज ने कहा शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, हैप्पीनेस इत्यादि पर मुख्य फोकस हो। डॉ राज तिलक ने कहा कानपुर सुपर हंड्रेड सामाजिक स्वरूप में बेहतर कानपुर बनाने का रोडमैप तैयार करेगा। रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी रतन श्रीवास्तव ने एक रणनीति के तहत कार्य करने पर बल दिया। विश्वनाथ गुप्ता ने कानपुर की ब्रांडिंग करने पर जोर दिया। पीआईए उपाध्यक्ष अतुल सेठ ने कहा कि कानपुर व्यापारिक शहर है। जहां ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर प्राथमिकता हो। एनएसआई के पूर्व निदेशक डॉ नरेंद्र मोहन ने कहा कि हमारा भविष्य पर्यावरण स्टार्टअप और नवाचार का है, उद्योग एवं शैक्षिक संस्थानों का समन्वय हमारा आधार बनेगा। डॉ अवध दुबे ने कहा फोरम युवाओं के रोजगार के लिए भी रोडमैप बनाएगा। समाजसेवी गणेश तिवारी ने कहा कि यह फोरम महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन एवं जरूरतमंद व्यक्ति को प्राथमिकता पर रखे। संचालन मुस्कुराए कानपुर के राजेश ग्रोवर ने किया। कार्यक्रम में नजम हमराज, समाजसेवी अनिल गुप्ता, संजीव पाठक, आईआईए के आलोक अग्रवाल, आरके सफ्फड़, डॉ कविता अरोड़ा, प्रो सुनील मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

विवाद में युवक पर जानलेवा हमला

कानपुर। 70 हजार रुपये के लेनदेन में ठेकेदार ने युवक पर जानलेवा हमला कराया। मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। मामले में पीड़ित ने नवाबगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मूलरूप से आगरा के सैंया नंगला ककटारा निवासी पीड़ित धर्मेश कुमार वर्तमान में किदवईनगर में रहते हैं।

पीड़ित धर्मेश।

उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 23 फरवरी की शाम छह बजे वह अपने साथी उदयवीर सिंह के साथ काम से लौट रहे थे। इसी दौरान उन्हें साउथ सिटी बुलाया गया। जहां राजकुमार नामक युवक मिला। कुछ ही देर में चार लोग और आ गए। आरोप है कि सभी ने धर्मेश से गाली-गलौज की, विरोध करने पर पीटा व जान से मारने की धमकी दी। हमले में धर्मेश घायल हो गए।

निवेश-मुनाफे का लालच देकर 3.95 करोड़ की ठगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जयपुर के दंपती ने शुरू की थी कंपनी, हनुमंत विहार में है क्षेत्रीय कार्यालय

अमृत विचार। जयपुर के दंपती ने कंपनी बनाकर निवेश व मुनाफे का झांसा देकर 3.95 करोड़ रुपये की ठगी की। कंपनी की क्षेत्रीय प्रतिनिधि ने दंपती समेत छह के खिलाफ हनुमंत विहार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने फ्राड की जांच शुरू की है।

निरालानगर यू-ब्लाक निवासी मीनाक्षी गुप्ता के अनुसार जयपुर के वैशालीनगर सत्यम होम अपार्टमेंट निवासी दंपती सुनील श्रीवास्तव, सोनम श्रीवास्तव व उनकी बेटी-बेटे ने निवेश कंपनी शुरू की थी। कंपनी का कार्यालय हनुमंत विहार में बना और उन्हें प्रभारी बनाया गया। कंपनी में निवेश करने पर लोगों को प्रतिमाह ब्याज दिया जाना था और दोबारा निवेश कराने पर अलग से कमीशन मिलना था। उन्होंने रिश्तेदारों व परिचितों के जरिए कंपनी में काफी लोगों का निवेश करा दिया। जब निवेश की निर्धारित अवधि पूरी हो गई तो लोगों ने पैसे मांगने शुरू किए। इस पर कंपनी ने दोबारा निवेश करने का दबाव बनाया। इस पर लोगों ने मना कर दिया और अपनी रकम लेने पर अड़ गए। उन्होंने कंपनी से संपर्क किया तो फिर से निवेश का दबाव बनाया गया। जयपुर में बैठे कंपनी के लोगों ने उनसे संपर्क तोड़ लिया। उनके मोबाइल नंबर स्विच ऑफ बताने लगे। मीनाक्षी के अनुसार आरोपी दंपती से उनका संपर्क घर के सामने रहने वाले संदीप के माध्यम से हुआ था, जो रायबरेली में रहकर कंपनी के लिए काम करते हैं। उनसे संपर्क किया तो उन्होंने भी फोन उठाना बंद कर दिया। हनुमंत विहार थानाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया कि कंपनी की प्रतिनिधि की तहरीर पर आरोपी दंपती के अलावा सोनम, सुप्रांशु, सुप्रिया, प्रिया, भास्कर श्रीवास्तव पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच के बाद कार्रवाई होगी।

हेल्थ अलर्ट | जीएसवीएम के बाल रोग विभाग में एनीमिया ग्रस्त पहुंच रहे बच्चे

नाश्ते में चाय-कॉफी, बिस्किट-ब्रेड खाने से बच्चे कमजोर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

200 से 250 बच्चे प्रतिदिन बाल रोग विभाग ओपीडी में पहुंचते हैं इलाज के लिए

- डॉक्टर की सलाह-बच्चों को पोषण युक्त नाश्ता और भोजन दें
- नाश्ते में दूध के साथ फल और ड्राई फ्रूट्स भी दे सकते हैं

अमृत विचार। बच्चों को नाश्ते के नाम पर चाय या कॉफी के साथ सिर्फ बिस्किट या ब्रेड देने से रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित हो रही है। रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने से बच्चे बार-बार बीमार पड़ रहे हैं। शरीर में आयरन व कैल्शियम की कमी होने से कुछ बच्चे एनीमिया ग्रस्त हो रहे हैं। बच्चों को बार-बार बीमार होने से बचाने और उनको तंदुरुस्त रखने के लिए पोषण युक्त नाश्ता व भोजन देना चाहिए।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग की ओपीडी में प्रतिदिन 200 से 250 बच्चे इलाज के लिए पहुंचते हैं, जिनमे से 15 से 20 फीसदी बच्चे एनीमिया ग्रस्त पाए जाते हैं, जिनकी उम्र सात वर्ष से लेकर 14 वर्ष तक होती है। जब इनके अभिभावकों से जानकारी ली गई तो पता चला कि बच्चों को सुबह नाश्ते में चाय या कॉफी के साथ बिस्किट या ब्रेड दी जाती है और स्कूल टिफिन में मैगी, माइक्रोनी या पाश्ता दिया जाता है। हैलट के बाल रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ.यशवंत राव ने बताया कि इन सब चीजों से बच्चों का पेट तो भर जाता है, लेकिन उन्हें पर्याप्त मात्रा में पोषण नहीं मिल पाता है। इसकी वजह से बच्चों का हीमोग्लोबिन 11 से कम या कुछ बच्चों का हीमोग्लोबिन 7 से भी कम रहता है। ऐसे में उन्हें रक्त चढ़ाने की आवश्यकता हो जाती है। लापरवाही करने पर एनीमिया ग्रस्त बच्चों के दिमाग पर भी पड़ता है, जिससे उनकी बौद्धिक क्षमता प्रभावित हो रही है। बच्चों का जल्दी थक जाना, भूख न लगना, कमजोरी आदि के लक्षण आ रहे हैं। शरीर में आयरन की कमी से बच्चों को भूख नहीं लगती है और वह जल्दी थक जाते हैं। इसलिए बच्चों को पोषण युक्त चीजें खाना चाहिए।

केस 01

- पनकी निवासी सपना ने बताया कि 11 वर्षीय बच्चा थोड़ी देर खेलने के दौरान जल्दी थकने लगता है। खाना और पानी का सेवन भी कम करता है। जब जांच कराई तो हीमोग्लोबिन नौ निकला। सुबह स्कूल जाने की जल्दबाजी में वो सिर्फ चाय पीता है और कभी-कभी ब्रेड खा लेता है।

केस 02

- नवाबगंज की आरती ने बताया कि 13 वर्षीय बेटी स्कूल हमेशा कॉफी पीकर जाती है। कितना भी कहो लेकिन सुबह सुबह कहती है कि कुछ अच्छा नहीं लगता है। अब बेटी को कमजोरी हो गई और वो जल्दी-जल्दी बीमार हो जा रही है। मौसम बदले, कोई भी वायरल या कुछ भी ठंडा खा ले वो वह बीमार हो जाती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के लक्षण

- थोड़ा बहुत खेलने पर ही हांफना
- बोलने में आवाज का धीमा होना
- कमजोरी महसूस होना
- बार-बार संक्रमण होना
- लंबे समय तक बुखार बना रहना
- संक्रमण देर से ठीक होना,
- विकास में देरी या वजन न बढ़ना
- लंबी दस्त की समस्याएं

ऐसे करें बचाव

- सुबह चाय या कॉफी की जगह बच्चों को दूध का सेवन कराएं।
- विटामिन सी और ए से भरपूर फल और सब्जियां खिलाएं
- नट्स, बीज और जैतून का तेल आदि खिलाएं
- मैगी, माइक्रोनी, पाश्ता प्रतिदिन न दें
- बच्चों को उनकी उम्र के अनुसार पर्याप्त नींद लेने दें।
- बच्चों को बाहर खेलकूद के लिए जाने दें।
- हाथ की नियमित रूप से सफाई और संक्रमण से दूरी

15 से 20 फीसदी बच्चे एनीमिया ग्रस्त पाए जाते हैं जिनकी उम्र सात से 14 वर्ष होती है

तीन घरों से 22 लाख की चोरी, फायरिंग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- महाराजपुर के भेवली गांव से 18 लाख के जेवर व साढ़े चार लाख रुपये ले गए चोर
- एक घर में टोकने पर फायर झोंका, ग्रामीणों के दौड़ाने पर खेतों से होकर भाग निकले

अमृत विचार। महाराजपुर के भेवली गांव में शनिवार रात चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाया। एक मकान में आहट पाकर गृहस्वामी पहुंचे तो चोरों ने सीधा फायर झोंक दिया और भाग निकले। गनीमत रही गोली लगी नहीं। फायरिंग की आवाज सुनकर जुटे ग्रामीणों ने दौड़ाया तो चोर घर से कुछ दूरी पर बक्सा छोड़कर भाग निकले। जिससे 20 लाख के जेवर बच गए। चोर तीनों घरों से करीब 18 लाख के जेवर और साढ़े चार लाख की नगदी ले जाने में सफल रहे।

भेवली गांव निवासी ब्रजमोहन सिंह परिहार के अनुसार वह रात करीब 3.40 बजे बाथरूम के लिए उठे थे। अंधेरा होने पर उन्होंने पाया कि किसी ने बल्ब बंद कर दिया है। इस पर जैसे ही वह बल्ब जलाने के लिए आगे बढ़े, तभी घर के अंदर आहट सुनाई दी। आवाज लगाई तो आंगन में खड़े चोर ने उन पर सीधा फायर झोंक दिया, गनीमत रही कि गोली उन्हें नहीं लगी। गोली चलने की आवाज पर गांव में लोग घरों से निकले। चोरी का पता चलने पर लोगों ने भाग रहे चोरों का पीछा किया। इस पर घर से करीब 200 मीटर दूर एक खेत में चोर बक्सा छोड़कर भाग निकले। ब्रजमोहन के अनुसार उनके परिवार में जितेंद्र सिंह और पवन सिंह के परिवार सहित नौ लोग हैं। सभी छत पर सोए थे। कमरों में घुसे चोरों ने अलमारी और लॉकर तोड़कर नगदी व जेवर पार किया है। जो बक्सा लेकर भागे थे, उसमें नवविवाहिता बेटी कोमल का करीब 20 लाख का जेवर था। कोमल रक्षाबंधन पर मायके आई थी, उसका जेवर बच गया है। इसके अलावा चोर साढ़े तीन लाख रुपये और पंद्रह लाख के जेवर ले गए हैं। दूसरी घटना एयरफोर्स कर्मी पंकज तिवारी के घर हुई। वह छुट्टी पर आए थे और कमरे में सोए थे। चोर 20 हजार रुपये और करीब एक लाख के जेवर ले गए हैं। तीसरी घटना उमाशंकर कुशवाहा व सुंदरलाल कुशवाहा के घर हुई। उन्होंने बताया कि परिवार के चाचा महेंद्र की मौत के बाद परिजन एक जगह थे। घर से चोर करीब एक लाख रुपये व सामान ले गए हैं।

चोर के फायर झोंकने से ग्रामीणों में भय

- गांव के तीन घरों में चोरी और दुस्साहसिक चोरों के फायर झोंकने से ग्रामीणों में आक्रोश के साथ डर भी व्याप्त है। ग्रामीणों ने कहा कि पुलिस रात में गश्त नहीं करती है। चोरों को पकड़ लिया जाता, लेकिन उनकी संख्या देखकर भय था कि अगर सभी असलहें लिए हुए तो ग्रामीणों की जान जोखिम में पड़ जाएगी। इसलिए कुछ दूर तक पीछा करने के बाद लौट आए।

सिटी ब्रीफ

नाला निर्माण के लिए रखी सरिया ले गए चोर

कानपुर। सचेंडी के छता पुरवा में नाला निर्माण के लिए रखी सरिया चोर उठा ले गए। कानपुर देहात के रूरा निवासी संदीप के अनुसार वह सचेंडी स्थित राज कॉर्पोरेशन में ठेकेदार हैं। उन्होंने रिंग रोड पर नाला निर्माण का ठेका लिया है। जिसके लिए छता पुरवा बंबा किनारे उन्होंने निर्माण सामग्री सरिया, प्लाई और पाइप रखवाया था। सामग्री में सरिया के 19 टुकड़े गायब मिले हैं। चोरी की आशंका पर उन्होंने थाने में शिकायत की। सचेंडी पुलिस के अनुसार चोरी की रिपोर्ट दर्जकर मामले की जांच व चोरों का पता लगाया जा रहा है।

भौंती में टकराए कार डंपर, लगा जाम

कानपुर। सचेंडी के भौंती स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सामने कार में पीछे से तेज रफ्तार डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। ठोकर से कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन कार सवार बच गए। हादसे के बाद डंपर चालक व क्लीनर मौके से भाग निकले। चकेरी के गांधीनगर निवासी सुमित सिंह चौहान ने बताया कि वह अपने मित्र रुद्र के साथ ओरछा से लौट रहे थे। डंपर की टक्कर जोरदार थी, लेकिन हादसे में कोई घायल नहीं हुआ है। सचेंडी पुलिस के अनुसार डंपर को कब्जे में लिया है। रिपोर्ट दर्ज कर चालक की तलाश की जा रही है।

दहेज हत्या में पति सहित चार गए जेल

कानपुर। कल्याणपुर के बारासिरोही में विवाहिता दिशा उर्फ पूजा तिवारी की संदिग्ध हालात में मौत पर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। दो आरोपियों की तलाश की जा रही है। पूजा के परिजनों ने पति हर्षित पांडेय उर्फ हिमांशु, देवर ऋषभ, सास आशा, ससुर शिव मोहन समेत छह के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शनिवार पति की गिरफ्तारी न होने पर परिजनों ने केशवपुरम चौराहा पर शव रखकर हंगामा भी किया था। रविवार को पुलिस ने आईआईटी मेट्रो स्टेशन के पास से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जिन्हें जेल भेजा है।

किशोरी को अगवाकर ले जाने की रिपोर्ट

कानपुर। कल्याणपुर में किशोरी को बहलाकर युवक अपने साथ ले गया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अगवा करने की रिपोर्ट दर्ज की है। क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी पिता ने थाने में तहरीर देकर बताया कि 20 अगस्त को उनकी नाबालिग बेटी को कानपुर देहात के रूरा का रहने वाला शरमन कुशवाहा अगवा कर ले गया है। बेटी की खोजबीन करने पर उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी व किशोरी की तलाश की जा रही है।

विवाहिता को पीटकर घर से निकाला

कानपुर। कल्याणपुर में ससुरालियों ने दहेज के लिए विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता की मां की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज हुई। कानपुर देहात के कहिंजरी निवासी दीपा ने बताया कि उनकी बेटी मोहिनी की शादी कल्याणपुर के मिर्जापुर निवासी शिवा संग हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही उनकी बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। शुक्रवार को बेटी को पीटकर ससुरालियों ने घर से निकाल दिया। जानकारी होने पर परिजन पहुंचे तो सास सुनीता, ससुर राजकुमार, पति शिवा और दादा रामचंद्र ने हमला उन पर हमला किया।

इस्पात नगर में बढ़ें सुविधाएं, दूर की जाएं व्यापारियों की समस्याएं

आयरन एंड हार्डवेयर मर्चेंट्स एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह में रखी गईं मांगें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आयरन एंड हार्डवेयर मर्चेंट्स एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को हुआ। इस दौरान व्यापारियों ने एकजुटता के साथ व्यापार में आने वाली बाधाओं को दूर किए जाने की मांग उठाई। इस्पात नगर को सुविधाएं व जीएसटी की खामियों को दूर करने की भी मांग हुई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद रमेश अवस्थी मौजूद रहे। सिंधी धर्मशाला गोविंद नगर में हुए समारोह में विधायक सुरेन्द्र मैथानी, महेश त्रिवेदी, अमिताभ बाजपेई भी मौजूद रहे। सांसद रमेश अवस्थी ने संस्था के हित की बात कही। विधायक सुरेन्द्र मैथानी ने इस्पात नगर की समस्याओं को सुधारने की बात कही। विधायक महेश त्रिवेदी ने व्यापारी उत्पीड़न न होने पाए इस पर संस्था को भरोसा दिलाया। विधायक अमिताभ बाजपेई ने कुली बाजार में व्यापारियों के लिए साफ सुथरे सुलभ व पानी की उचित व्यवस्था व जाम लगने जैसी अन्य समस्याओं के उचित निवारण की बात कही। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्रा ने कहा कि भारत सरकार जीएसटी दरों के चार में से दो स्लैब हटा रही है। जिससे व्यापारियों, उद्यमियों और आम जनता को भी राहत मिलेगी। जिलाध्यक्ष गुरजिंदर सिंह ने कहा कि हम हर समय व्यापारिक समस्याओं को सरकार द्वारा हर संभव हल कराने का प्रयास करते रहेंगे। संस्था के अध्यक्ष नवीन तुलसानी ने कहा कि व्यापारी सिर्फ खरीद फरोख्त तक सीमित नहीं रहता। बल्कि वह रोजगार देता है। देश-प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति भी प्रदान करता है। व्यापारी बढ़ती प्रतिस्पर्धा टैक्स एवं नियमों की कठिनाई ऑनलाइन बाजार के प्रभाव जैसी समस्याओं से भी गुजरता है। महामंत्री विवेक कुमार मिश्रा ने कहा कि इस्पात नगर में एसोसिएशन के सभी व्यापारियों को नगर निगम की स्कीम के तहत व्यवसायिक भूखण्ड दिलवाए गए थे।

शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद व्यापारी। अमृत विचार

इन्होंने ली शपथ

- समारोह के दौरान अध्यक्ष नवीन तुलसानी, महामंत्री विवेक कुमार मिश्रा, कोषाध्यक्ष नरेश गुप्ता, उपाध्यक्ष विशाल अग्रवाल ने शपथ ली। इसी तरह हरीश तुलसानी मंत्री तरुण जाखोदिया, संयुक्त मंत्री सुरेन्द्र अरोड़ा, संगठन मंत्री अतिन अग्रहरि, प्रचार मंत्री शिव कुमार गुप्ता, ऑडिटर पंकज गुप्ता ने भी शपथ लेकर संस्था हित के लिए कार्य करने की बात कही। उधर उपाध्यक्ष (बाहरी) क्षेत्र अमन घई, मंत्री प्रवीण ओमर व कार्यकारणी रविकांत शुक्ला, मयंक अग्रवाल, सचिन चौरसिया, राम सिंह, अनुपम गुप्ता, अंकुर अग्रवाल, आशीष जयसवाल, मनोज तुलसानी, रविशंकर दीक्षित, राहुल गुप्ता, राकेश गुप्ता को शपथ दिलवाई गई।

- व्यापारियों व उद्यमियों ने कारोबार में सहूलियतें बढ़ाने पर दिया जोर

डायमंड क्रासिंग पर अब नहीं होंगे हादसे

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर-दिल्ली मुख्य रेल मार्ग पर जूही में पड़ने वाली सबसे खतरनाक डायमंड क्रासिंग पर ट्रेन दुर्घटनाओं का सिलसिला अब थम जाएगा। कानपुर सेंट्रल स्टेशन से रावतपुर, जूही पावर केबिन तक प्रथम चरण में कवच सिस्टम लगाने की तैयारी हो रही है। इस सिस्टम के लगने के बाद एक ट्रैक पर जैसे ही दो ट्रेनें आएंगी, कुछ दूरी पर स्वतः ही दोनों ट्रेनों के इंजन में ब्रेक लग जाएगी।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन से रावतपुर और गोविंदपुरी स्टेशन से पहले जूही पावर केबिन के मध्य जोधपुर हावड़ा एक्सप्रेस, श्रमशक्ति एक्सप्रेस, कालका मेल समेत दर्जनों ट्रेनें हादसे का शिकार हो चुकी हैं लेकिन रेलवे अब कानपुर सेंट्रल स्टेशन से रावतपुर और जूही पावर केबिन तक कवच सिस्टम लगाएगा। इस सिस्टम के लगने के बाद जैसे ही दो ट्रेनें एक ट्रैक पर आएंगी, 20 मीटर के फासले पर दोनों ट्रेनों में स्वतः ही ब्रेक लग जाएगी। उत्तर मध्य जोन के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी का कहना है कि डायमंड क्रासिंग पर अब ट्रेन हादसे नहीं होंगे क्योंकि जल्द ही कवच सिस्टम लगा दिया जाएगा।

15 किमी से अधिक गति हुई, दुर्घटना घटी

- डायमंड क्रासिंग पर लोको पायलटों के लिए एक दिशा निर्देश दिया गया है कि किसी भी कीमत पर 15 किमी प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार न रखें। जहां लोको पायलट ने तनिक भी लापरवाही की तो तुरंत गाड़ी हादसे का शिकार हो जाती है। कई बार मालगाड़ी और सवारी गाड़ी एक दूसरे में भिड़ चुकी हैं। कवच सिस्टम ऐसे हादसों को रोक देगा।

- सेंट्रल स्टेशन से रावतपुर एवं पावर केबिन तक लगेगा कवच सिस्टम

16 ट्रैक एक-दूसरे को क्रास करते

- जूही यार्ड में डायमंड क्रासिंग हैं, इस क्रासिंग पर लगभग 50 मीटर ऐसा क्षेत्र है, जहां 16 रेलवे लाइनें एक दूसरे को क्रास करती हैं। कानपुर सेंट्रल स्टेशन से दिल्ली, झांसी, बांदा चित्रकूट रूट की ओर आने जाने वाली गाड़ियां इसी डायमंड क्रासिंग से होकर गुजरती हैं। डायमंड क्रासिंग पर आएदिन हो रहे ट्रेन हादसों को देखते हुए रेलवे ने कानपुर सेंट्रल स्टेशन से भाऊपुर तक तीसरी और चौथी लाइन बिछा दी है। दिल्ली की अधिकांश गाड़ियों को तीसरी और चौथी लाइन से गुजारते हैं। ये गाड़ियां डायमंड क्रासिंग से हटकर गुजरती हैं। राजधानी, वंदेभारत जैसी वीआईपी ट्रेनें स्टेशन छोड़ते ही स्पीड पकड़ती हैं जिनका डायमंड क्रासिंग से होकर गुजरना खतरे से खाली नही है।

कोरोना कॉल के मृतक आश्रितों को नौकरी दें

कानपुर। ऑल इंडिया पेंशनर महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने मांग की है कि कोरोना कॉल में मृत कर्मियों के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

रविवार को महासंघ के केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मांगों को पूरा करने के लिए एक ज्ञापन भेजा गया जिसमें मांग की गई कि आठवां वेतन आयोग यथा शीघ्र गठित किया जाए। वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में कोरोना कॉल के पहले मिल रही किराये में छूट को बहाल किया जाए। कोरोना कॉल में मृत कर्मचारियों के परिवार के एक सदस्य को बिना किसी अवरोध के नौकरी दी जाए। मांग की गई कि केंद्र एवं राज्य कर्मचारी के लिए पुरानी पेंशन बहाल की करें एवं कोरोना कॉल में कर्मियों का 18 महीने का रोका गया डीए जारी किया जाये। उच्च शिक्षा के लोन को ब्याज मुक्त किया जाए। ईपीएस. 95 के पेंशनरों को न्यूनतम पेंशन रुपया 1000 से बढ़कर 7500 रुपये की जाए।

पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते प्रदेश अध्यक्ष कुंवर मनोज सिंह भदौरिया।

क्षत्रिय पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का कार्यक्रम
- समाज सेवा के लिए संकल्प भी दिलाया गया

अमृत विचार। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए समाज सेवा के लिए संकल्प दिलाया गया। रविवार को पनकी स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर मनोज सिंह भदौरिया ने मंडल एवं जिला पदाधिकारियों से संगठन विस्तार एवं सदस्यता अभियान पर चर्चा की।

इस अवसर पर पदाधिकारियों ने विचार रखे। प्रदेश अध्यक्ष कुंवर मनोज भदौरिया एवं मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह तोमर ने मंडल महामंत्री का दायित्व श्रीकांत सिंह एवं जिलाध्यक्ष कानपुर उत्तर पुष्पेंद्र सिंह भदौरिया को संगठन की जिम्मेदारी सौंपा। प्रदेश संगठन मंत्री पंकज राजावत ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र भेंट किया।

पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश संगठन मंत्री सहित मंडल अध्यक्ष का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस मौके पर अरविंद सिंह परिहार, रामेंद्र प्रताप सिंह, राजेश सिंह राजावत, अनंत सिंह भदौरिया, संजय सिंह जादौन, जिलाध्यक्ष रामपाल सिंह चौहान, कानपुर मंडल महेंद्र सिंह परिहार, कृष्ण बहादुर सिंह, योगेंद्र सिंह राजावत, प्रमोद राठौड़, रमेश सिंह चौहान, सोमनाथ सिंह चंदेल, बीबी सिंह चंदेल, सत्येंद्र सिंह भदौरिया सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच फंसी महिला को बचाया

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 5 पर शनिवार रात 12.38 बजे एक महिला गाड़ी संख्या 12593 भोपाल गरीब रथ एक्सप्रेस में चढ़ने की कोशिश करने लगी लेकिन महिला का पैर फिसल गया और वह प्लेटफार्म और ट्रेन के मध्य गिर गई। आरपीएफ की टीम ने उसे सुरक्षित बचा लिया।

ग्राम इसरौली थाना शमशाबाद जिला फर्रूखाबाद निवासी महिमा गंगवार शनिवार देर रात महिमा गंगवार भोपाल गरीब रथ एक्सप्रेस में चढ़ रही थीं। रेंगती ट्रेन में चढ़ते समय उनका पैर फिसल गया और वह प्लेटफार्म और ट्रेन के मध्य गिर गईं। शोर-शराबा होते ही ड्यूटी पर तैनात एएसआई सी.पी. सिंह कांस्टेबिल श्रवण कुमार, कांस्टेबिल अनिल कुमार मौर्य, कांस्टेबिल सुभाष चन्द्र तत्काल मौके पर पहुंचे और ट्रेन रुकवाकर महिला को सुरक्षित निकाला।

अत्याधुनिक शोध के लिए उन्नत प्रयोगशालाएं जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर में रविवार को ट्रिप्स 2025 के अंतिम दिन हुए व्याख्यानों में अत्याधुनिक शोध के लिए बेहतर प्रयोगशालाओं की उपयोगिता पर जोर दिया गया। इसके अलावा वैज्ञानिकों ने ऊर्जा, सामग्री और नवाचार के भविष्य पर भी विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. दिपांकर बंद्योपाध्याय ने की जिन्होंने मोबिलैब की अवधारणा पर चर्चा की और बताया कि यह कैसे शोध को गतिशील और उपयोगी बना सकता है। प्रो. रबीब्रत मुखर्जी ने उन्नत परीक्षण सुविधाओं की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक परीक्षण प्रयोगशालाएं उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को गति प्रदान करती हैं। इसके अलावा वैश्विक सहयोग को प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक शोध के लिए यदि प्रयोगशालाएं सीमित उपयोगिता वाली होती हैं तो उनकी सफलता देरी से हासिल होती है।

ऐसी स्थिति में अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं को विकसित कर जल्द शोध परिणामों पर उन्होंने जोर दिया। प्रो. चंद्रशेखर ने कार्बन सामग्री के भविष्य और उनकी भूमिका पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि कार्बन आधारित सामग्री अगली पीढ़ी की ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए एक मजबूत विकल्प हैं। इसके साथ ही उन्होंने युवा वैज्ञानिकों से नेतृत्व की भूमिका निभाने और शोध में नवाचार लाने का आह्वान किया। प्रो. अंकुर वर्मा ने प्रकृति से प्रेरित बायो-मीमिक ऑप्टिकल लेंस पर अपने शोध की जानकारी साझा की और बताया कि यह तकनीक ऑप्टिक्स और इमेजिंग क्षेत्र में क्रांति ला सकती है। प्रो. अभिजीत मजूमदार ने नेचर-इंस्पायर्ड मटेरियल्स पर चर्चा की और समझाया कि प्रकृति से प्रेरित टिकाऊ सामग्री का विकास औद्योगिक और सामाजिक चुनौतियों के समाधान में सहायक होगा।

आयोजन सचिव प्रोफेसर राहुल मंगल।

कार्यक्रम में शामिल विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ। अमृत विचार

- आईआईटी कानपुर में विशेषज्ञों ने दिया सुझाव, बताए उपाय
- ऊर्जा, सामग्री और नवाचार के भविष्य पर व्यक्त किए विचार

विवाहिता फंदे पर लटकी मिली, प्रताड़ना का आरोप लगाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी के कोयलानगर में विवाहिता का शव फंदे पर लटका मिला। मायकेवालों ने पति समेत ससुरालियों पर दहेज की मांग के लिए प्रताड़ित करने व हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने का आरोप लगाया है। पिता के अनुसार बेटी से दहेज में कार व रुपयों की मांग की जाती थी, उसके विरोध पर मारपीट करते थे।

औरैया के अजीतमल शाहपुर निवासी किसान बलराज सिंह ने बताया कि उन्होंने 21 वर्षीय बेटी शुभी की शादी बीती 18 फरवरी को चकेरी के कोयलानगर सीओडी कालोनी निवासी आलोक चौधरी से की थी। उन्होंने बताया कि शादी के एक सप्ताह बाद से ही ससुराल वाले उससे दहेज में रुपये व कार की मांग करने लगे थे। उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। पति, दो देवर, सास सरला देवी-ससुर सूरज मिलकर बेटी से मारपीट करते थे। इसकी जानकारी दो माह बाद बेटी ने दी थी। शुभी ने बताया था कि उसे आएदिन प्रताड़ित जाता है। भाई अश्विनी कुमार के अनुसार उन्हें बहन के ससुरालवालों ने घटना की जानकारी नहीं दी। किसी दूसरे से उन्हें पता चला। जब वह लोग पहुंचे तो बहन के गले में फंदे का निशान नहीं दिखा। आरोप लगाया कि शुभी को मारपीट कर हत्या की गई है। इसके बाद आत्महत्या दिखाने के लिए शव को फंदे से पर लटकाया गया है। बेटी की मौत की खबर पाकर मां अलका बेसुध हो गई। चकेरी थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि विवाहिता के परिजनों के आरोपों की जांच होगी। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

शुभी चौधरी।

- पिता ने कहा, दहेज में कार की मांग कर मारपीट करते थे ससुरालीजन
- बीती 18 फरवरी को हुई थी शादी, पति समेत पांच के खिलाफ दी तहरीर

संकल्प | संघ कार्यालय में गंगा समग्र कानपुर प्रांत की हुई प्रांतीय बैठक

अविरल-निर्मल गंगा के लिए संघ करेगा जन जागरण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जैविक कृषि के लिए सभी को मिलकर गांवों में जन जागरण करके लोगों को प्रेरित करना होगा। मां गंगा को अविरल व निर्मल बनाए रखने के लिए गंगा सेवकों को गांवों में तीन प्रमुख बिंदु सामाजिक जागरण, संगठनात्मक कार्य और रचनात्मक कार्य करने होंगे। गंगा सेवकों को गंगा के साथ ही सहायक नदियों की भी सफाई, उनकी अविरलता व निर्मलता के लिए कार्य करने होंगे। इसके लिए जनजागरण करना होगा। यह जानकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक राष्ट्रीय संगठन मंत्री रामाशीष ने बैठक में दी।

कारवालो नगर स्थित संघ कार्यालय केशव भवन में रविवार को गंगा समग्र कानपुर प्रांत की प्रांतीय बैठक हुई, जिसमे गंगा समग्र कानपुर प्रांत के प्रांत अध्यक्ष राजेश ने सभी का परिचय कराकर गंगा गीत दोहराया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री रामाशीष ने कहा कि सही संस्कार व सही विचार समाज के अंदर जगाने होंगे। वह नदियों में गंदगी, कूड़ा, पूजा सामग्री आदि न डालें, घाटों पर कचरा, पॉलिथीन न फैलाएं इसके लिए घर-घर जाकर लोगों से परिचर्चा करनी होगी। स्कूलों में जाकर बच्चों को जागरूक करना होगा। मां गंगा की आरती, नदियों व तालाबों में कार्यक्रम कर जागरूकता का संचालन करना होगा। नदियों के किनारे बाढ़ क्षेत्र में वृक्षारोपण के कार्यक्रम जरूरी है। वृक्षारोपण नदियों को जीवन देता है। तभी अविरल गंगा -निर्मल गंगा होगी। संघ के शताब्दी वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गंगा समग्र 100 परिवार से जन जागरण का लक्ष्य रखेगा। इसी के साथ उन्होंने गंगा समग्र पत्रिका रजिस्ट्रेशन का भी आह्वान किया।

इस दौरान प्रांत अध्यक्ष राजेश, सह संयोजक राजेंद्र गुप्ता, शिवबोधन मिश्रा, राजेंद्र वर्मा, राजेंद्र दुबे, सुबोध बाजपेई, कानपुर प्रांत संगठन मंत्री सूर्य प्रकाश शुक्ला, सुशील श्रीवास्तव, सचिन सिंह, सुरेंद्र भदौरिया, प्रांत आरती प्रमुख कालीचरण दीक्षित, रिंकू भार्गव, अविनाशअग्रवाल, क्षमा शुक्ला, अक्षांश चतुर्वेदी, केशू पासवान, राजनाथ पांडे, रामकिशोर निषाद, मूलचंद, कौशल कुमार मिश्रा, महेश कुमार प्रजापति, नीरज त्रिपाठी, शशिकला, स्नेह लता मिश्रा समेत गंगा सेवक रहे।

गंगा समग्र कानपुर प्रांत की बैठक में मौजूद पदाधिकारी। अमृत विचार

गुस्से में घर से भागी युवती सेंट्रल पर बरामद

कानपुर। माता पिता की डांट से नाराज एक युवती घर से भाग खड़ी हुई लेकिन सेंट्रल स्टेशन पर चेकिंग के दौरान जीआरपी ने युवती को अपने कब्जे में लिया और परिजनों को सौंप दिया।

जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत चेकिंग के दौरान प्लेटफार्म नंबर 10 की ओर अकेले बैठी एक युवती को संदिग्ध हालत में देखा तो उससे पूछताछ की। पता चला कि अपने माता पिता की डांट से क्षुब्ध होकर घर से भागकर कानपुर सेंट्रल स्टेशन आई है। इस पर युवती को कब्जे में लेकर महिला हेल्प डेस्क में बिठाया गया। उन्नाव निवासी युवती के परिजनों को सूचना दी गई। परिजन जब सेंट्रल पहुंचे तो आवश्यक लिखा-पढ़ी के बाद युवती को परिजनों को सौंप दिया गया।

अवसाद में महिला व अधेड़ ने फांसी लगाकर दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सेन पश्चिम पारा और सचेंडी क्षेत्र की घटना

अमृत विचार। सेन पश्चिम पारा में अवसादग्रस्त महिला ने पहले बेटे को पीटा फिर फंदे पर झूल गईं। इसी तरह सचेंडी में ससुराल में रहने वाले अधेड़ ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने जांच-पड़ताल की। परिजनों में कोहराम मच गया।

मूलरूप से कानपुर देहात के मुंगीसापुर निवासी 55 वर्षीय रामजी अवस्थी सचेंडी स्थित अपनी ससुराल में परिवार के साथ रहते थे। परिवार में पत्नी पुष्पा और चार बच्चे हैं। उनके बड़े बेटे मोनू ने बताया कि पिता पल्लेदारी करते थे। शनिवार शाम बाहर से आए और कमरे में परिजनों के साथ बैठे थे। घरवाले वहां से हटे तो उन्होंने फांसी लगाकर जान दे दी। इसी बीच किसी काम से मां कमरे में पहुंची तो पिता का शव फंदे से लटका देख चीख पड़ी। आवाज सुनकर परिजनों के साथ पड़ोसी आ गए और घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। परिजनों के अनुसार रामजी मानसिक अस्वस्थ चल रहे थे। जिसका इलाज चल रहा था। इसी के चलते यह कदम उठाया। वहीं सेन पश्चिमपारा के धरुआखेड़ा निवासी राज मिस्त्री राजेश की 40 वर्षीय पत्नी रामकांती ने फांसी लगाकर जान दे दी। राजेश के अनुसार पत्नी अवसाद से पीड़ित थीं। जिसका इलाज चल रहा था। शनिवार रात चिड़चिड़ाहट में बेटे पीयूष की भी पिटाई कर दी थी। इसके बाद नाराज होकर कमरे में बैठ गई। परिजन उसके पास से हटे तो मौका पाकर दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

सिटी ब्रीफ

आज मनाई जाएगी मंडल जयंती

कानपुर। नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय में सोमवार को सामाजिक न्याय के पुरोधा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय बीपी मंडल की जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है। समाजवादी पार्टी का निर्देश है कि इस गोष्ठी में सपा के पदाधिकारी, सदस्य, विधायक, पूर्व विधायक व कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस संबंध में सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने पत्र जारी किया है।

नेत्रहीन बच्चों का आज क्रिकेट मैच

कानपुर। ब्रह्म नगर स्थित कानपुर अंध विद्यालय में सुबह 11 बजे उड़ान एक आशा फाउंडेशन समाज द्वारा नेत्रहीन बच्चों के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया है। संस्था के मुताबिक उड़ान एक आशा फाउंडेशन समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए लगातार प्रयासरत है। इस बार वह एक अनोखा और प्रेरणादायक आयोजन कर रहे हैं। यह संदेश है कि सीमाएं सिर्फ सोच में होती हैं, हौसला हो तो रास्ते बनते हैं।

परवेज आलम को सम्मानित किया

कानपुर। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद कर्मचारी एसोसिएशन के मैनपुरी अधिवेशन में कार्यकारिणी का चुनाव हुआ। चुनाव के बाद कानपुर के मोहम्मद परवेज आलम मंडल अध्यक्ष को झकरकटी बस अड्डे का नाम हाईवे पर लगे बोर्डों पर उनके प्रयास से अमर शहीद मेजर सलमान लिखे जाने पर उन्हें सम्मानित किया गया।

भागीदारी महारैली में शिरकत करेंगे

कानपुर। भागीदारी पार्टी द्वारा 12 सितंबर को गड़ौली पड़ाव मिर्जापुर में प्रस्तावित वंचित शोषित भागीदारी महारौली में कानपुर के सैकड़ों कार्यकर्ता शिरकत करेंगे। रविवार को बारादेवी चौराहा के पास भागीदारी पार्टी की बैठक में ये फैसला लिया गया। ये जानकारी प्रेम चंद्र प्रजापति ने दी।

जश्ने चिरागां पर शहरभर में जलसे होंगे

कानपुर। पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर शहर को सजाया जाएगा एमएमए जौहर फैंस एसोसियएशन के द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर जलसा आयोजित किया जाएगा। ये जानकारी एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी ने दी।

ई रिक्शा चोरी

कानपुर। थाना बाबूपुरवा अंतर्गत शातिर चोर एक गरीब परिवार का ई रिक्शा चोरी कर फरार हो गया। घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। बाबूपुरवा निवासी निहाल ने बताया कि ई रिक्शा से ही परिवार पाल रहा था।

सफाई कर्मियों के पदों पर सीधी भर्ती हो

वंचित समाज लोक कल्याण महासमिति ने राष्ट्रीय सामाजिक भागीदारी महासम्मेलन किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

महासमिति के पदाधिकारियों के साथ सांसद रमेश अवस्थी, क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल आदि। अमृत विचार

अमृत विचार। भन्नापुरवा स्थित शहनाई गेस्ट हाउस में रविवार को वंचित समाज लोक कल्याण महासमिति ने राष्ट्रीय सामाजिक भागीदारी महासम्मेलन का आयोजन किया। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि भगवान महर्षि वाल्मीकि ने प्रभु श्रीराम के नाम को जन-जन तक पहुंचाया। मुगलों के समय जब धर्मांतरण नहीं किया, तब मैला उठाने की परंपरा जबरन समाज पर थोपी गई। गर्व है कि समाज ने इस्लाम नहीं अपनाया, बल्कि संघर्ष किया। आज सरकार समाज के साथ है।

वंचित समाज लोक कल्याण महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविशंकर हवेलकर ने महासम्मेलन में वंचित समाज की 11 प्रमुख मांगें केंद्र व राज्य सरकार के समक्ष रखीं, जिनमें प्रदेश राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का शीघ्र गठन, रिक्त लाखों सफाई कर्मियों के पदों पर सीधी भर्ती, सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू करना, अनुसूचित जातियों की छात्रवृत्ति योजना को तत्काल प्रभाव से लागू करना, आउटसोर्सिंग एवं ठेका प्रथा में कार्यरत सफाई कर्मियों का न्यूनतम सम्मानजनक वेतन 25,000 रुपये करना, सफाई कर्मचारी कॉलोनियों को मालिकाना हक प्रदान करना, शहीद क्रांतिकारी गंगू बाबा वाल्मीकि की प्रतिमा को बिठूर स्थित नाना राव पर्यटन स्थल पर स्थापित करना, बसोर समाज के महापुरुष गुरुकुल गोकुलदास महाराज की जन्मस्थली (ग्राम जयपुर बेलाताल, जिला महोबा) पर समाधि स्थल का जीर्णोद्धार समेत सहित अन्य मांगें रखीं। केंद्र व राज्य सरकार से वाल्मीकि, बसोर, धरकार, वंशकार, बरार आदि जातियों को शून्य प्रतिशत हिस्सेदारी मिलने पर गहरी चिंता व्यक्त की। इस दौरान केडी राही, बिंदा प्रसाद मोदिया, अजय पत्रकार, देव कुमार, सुशील शेरवा, अनूप बाल्मिकी, ब्रजेश कुमार, प्रीति सोनकर सहित कई सामाजिक प्रतिनिधियों ने संबोधित किया। कार्यक्रम में लगभग 500 प्रतिनिधियों ने भाग लेकर वंचित समाज की सामाजिक-राजनीतिक मजबूती का संकल्प लिया।

- मुगलों के समय जब धर्मांतरण नहीं किया, तब मैला उठाने की परंपरा जबरन समाज पर थोपी गई

क्रांतिकारी गंगू वाल्मीकि की चुन्नीगंज चौराहे पर लगेगी प्रतिमा

- सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि वह बाल्मिक समाज के एक मेधावी छात्र को निशुल्क आईएएस कोचिंग की व्यवस्था करेंगे। वाल्मीकि समाज के बच्चों को इंग्लिश मीडियम शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। क्रांतिकारी गंगू वाल्मीकि की विशाल प्रतिमा चुन्नीगंज चौराहे पर लगेगी। विधान परिषद सदस्य लाल जी प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस और सपा ने सदैव समाज को भ्रमित किया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मान किया है।

विजेता टीम को ट्राफी देते मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत मोहन। अमृत विचार

मैत्री मैच में सचिन सुपर किंग्स ने जीता खिताब

संवाददाता कार्यालय, कानपुर

अमृत विचार। सचिन सुपर किंग्स बनाम विक्रम लायंस के बीच मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन टीएसएच ग्राउंड पर हुआ जिसमें सचिन सुपर किंग्स ने 2 विकेट से मैच जीता। विक्रम लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 181 रनों का लक्ष्य दिया जिसे सचिन सुपर किंग्स ने हासिल कर लिया। मैन ऑफ द मैच 25 गेंदों में 82 रनों की पारी खेलने वाले सचिन सुपर किंग्स के धाकड़ बल्लेबाज अभिषेक रहे। सर्वाधिक 4 विकेट लेने वाले गेंदबाज दीपांकर रहे। बेस्ट फील्डर कार्तिक श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ आरोग्यधाम के वरिष्ठ होम्योपैथ चिकित्सक मुख्य अतिथि डॉ हेमंत मोहन ने टॉस कराकर पहली गेंद खेलकर किया। विजेता टीम को ट्राफी देकर सम्मानित किया।

अमित पाण्डेय, महेश मिश्रा, शोभित बाजपेई, ओम सिंघवानी दीपांकर श्रीवास्तव, विद्रुल मोहन, सचिन, आरिफ, अनुराग, रजत, साहिल आदि मौजूद रहे

मालरोड पर लीकेज की मरम्मत शुरू की गई है। इस दौरान सड़क संकरी हो गई है। अमृत विचार

श्याम महोत्सव में भजनों पर झूमे भक्त

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

श्याम महोत्सव में भजनों पर भक्त झूमे। अमृत विचार

अमृत विचार। श्री श्याम जी सखा मंडल की ओर से रविवार को श्याम महोत्सव आयोजित किया गया। होटल दि ब्रिज जीटी रोड में हुए आयोजन में भजनों पर भक्त झूम उठे। समारोह में प्रभु श्रृंगार सभी के आकर्षण का केंद्र रहा।

महोत्सव की शुरुआत श्री श्याम प्रभु के समक्ष अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित करके किया गया। श्याम प्रभु का श्रृंगार न्यूजीलैंड एवं कोलकाता के विशेष फूलो द्वारा किया गया। श्याम बाबा की मनमोहक झांकी सिलीगुड़ी एवं आसाम से खजूर की छाल, बांस की छाल, बेल का खोखा, मकाई का छिलका सहित अन्य वस्तुओं से किया गया। श्याम प्रभु का इकोफ्रैंडली दरबार सजाया गया। दावा किया गया कि पहली बार 50 फुट चौड़ा और 25 फुट ऊंचा दरबार सजाया गया। महोत्सव में श्याम प्रभु के तीनो दिव्य स्वरुप के दर्शन एक साथ भक्तों को हुए। जिसमे प्रथम स्वरुप में नीले घोड़े पर विराजमान थे, मध्य में श्याम प्रभु का दिव्य विगृह, दूसरी और श्याम प्रभु की कृष्ण रूप में छवि भक्तो का मन मोह रही थी। दरबार में भक्तों पर इत्र वर्षा भी की गई। कार्यक्रम में कोलकाता से आए लव अग्रवाल द्वारा 'क्या आला श्रृंगार मेरे मन को भा गया', 'खाटू का दरबार मेरे मन को भा गया' जैसे भजनों से माहौल को भव्य किय गया। इसी तरह संजू शर्मा द्वारा 'श्याम बाबा को श्रृंगार मन भावे, खाटू वालो को दरबार मन भावे जैसे भजन सुनाएं गए। महोत्सव में मंडल के मनीष शर्मा, निखिल रुहिया, अंकित अग्रवाल, प्रशांत अग्रवाल, मोदक बेरीवाल, अनमोल अग्रवाल, तरुण गुप्ता, मुकुंद अग्रवाल मौजूद रहे।

भजनों पर झूमे श्रद्धालु

- **कानपुर।** भारत विकास परिषद की किदवई नगर शाखा द्वारा आज रविवार को महाराजा अग्रसेन भवन में रंग बिरंगी तीज उत्सव का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य रूप से गणेश वंदना, सावन गीत, एकल एवं समूह नृत्य, लघु नाटिका, क्विज प्रतियोगिता, तंबोला, लकी ड्रा एवं अन्य आकर्षक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भजनों पर सभी ने नृत्य किया। इस अवसर पर आत्म प्रकाश दीक्षित, अर्चना गोयल, अध्यक्ष मनोज कुमार विश्नोई, डा. क्षमा दीक्षित, मंजू मिश्रा, रेनू चतुर्वेदी, मोहिता नोसरिया, मीना अग्रवाल, गीता गुप्ता, नंदिनी गुप्ता, हेमा गुप्ता, मनाली त्रिपाठी, नीतू गुप्ता, मीरा अग्रवाल, संगीता कटियार, मधु कक्कड़, अपूर्व काबरा, मुस्कान गोयल एवं अनूप सक्सेना, शाखा के संरक्षक एमएल अग्रवाल, प्रमोद दादू, अनिल कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष मनोज कुमार विश्नोई, सचिव आत्म प्रकाश दीक्षित, कोषाध्यक्ष अरूण कुमार आदि रहे।

मालरोड पर लीकेज पाइप लाइन की मरम्मत शुरू, लगता रहा जाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जल निगम को अभी मरम्मत में लगेंगे एक हफ्ते

अमृत विचार। मालरोड पर शनिवार रात पाइप लाइन में हुए लीकेज की वजह से सड़क धंस गई थी। इस वजह से इस मार्ग पर आवागमन बुरी तरह से प्रभावित है। जल निगम ने मरम्मत का कार्य तो शुरू कर दिया है। कार्य के पूरा होने में करीब एक हफ्ते का समय लगेगा तब तक यहां कारोबारियों और इस मार्ग से आवागमन करने वालों को समस्या का सामना करना पड़ेगा। जल निगम द्वारा जेएनएनयूआरएम योजना के तहत डाली गईं घटिया पाइप लाइनें आए दिन लीक होती हैं और सड़कें इस वजह से धंस जाती हैं। माल रोड जैसे पॉश इलाके में सड़क धंसने के कारण यहां कारोबार तो प्रभावित ही हो रहा है जाम भी लग रहा है। कोई हादसा न हो इसलिए जल निगम ने वहां बेरीकेडिंग कर दी है। बहुत कम जगह बची है आवागमन के लिए। पुलिस ने यहां रूट को डायवर्ट भी नहीं किया है। ऐसे में जाम लग रहा है।

एम्स इंडिया पब्लिक स्कूल में मौजूद डॉक्टरों की टीम व परामर्श लेती महिला।

250 लोगों के दिल की जांच

कानपुर। मसवानपुर स्थित एम्स इंडिया पब्लिक स्कूल में रविवार को निशुल्क हृदय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे लगभग 250 लोगों ने हृदय की जांच कराई। ऑनर एंड मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. इमरान खान के मुताबिक शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज मंल हृदय रोगों के प्रति जागरूकता फैलाना और समय पर स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता को रेखांकित करना था। डायरेक्टर सनोबर नाज ने बताया कि यहां पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने रक्तचाप, शुगर लेवल, कोलेस्ट्रॉल और ईसीजी सहित विभिन्न जांचें कीं। जिन लोगों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ पाई गईं, उन्हें आगे की देखभाल व उपचार के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

यूपी मोटर ट्रांसपोर्ट एसो. पर कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- विवाद के बाद सोसाइटी रजिस्ट्रार ने कालातीत घोषित किया
- द यूपी मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के 16 सदस्यों ने जताई थी आपत्ति

अमृत विचार। सोसाइटी रजिस्ट्रार की ओर से यूपी मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन को कालातीत घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय द यूपी मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के सदस्यों की ओर से जताई आपत्ति के बाद लिया गया है। एसोसिएशन की ओर से पूर्व में 16 सदस्यों ने आपत्ति जताई थी। अब 3 सितंबर को दोनों पक्षों को साक्ष्य सहित सोसाइटी रजिस्ट्रार के यहां अपना पक्ष रखना होगा।

आरोप है कि द यूपी मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन का नाम असंवैधानिक रूप से अभिलेखों में बदलकर यूपी मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन किया गया है। इसके अलावा संस्था पर 2019 में संविधान का संशोधन भी मनमानी तरीके से करने का आरोप लगा है। जिसमें 25 कार्यकारिणी सदस्यों की संख्या को रणनीति के तहत बढ़ाकर 31 किया गया और 2 वर्ष के कार्यकाल को बढ़ाकर 3 वर्ष किया गया। लेकिन इसे रजिस्ट्रार द्वारा मान्यता नहीं प्राप्त हुई। उसके बावजूद इसी संशोधित नियमावली के तहत 2022 में संस्था का चुनाव कराया गया। इसमें चुनाव अधिकारी इंद्रपाल सिंह नियुक्त हुए। फर्जी वोटों व जोड़ तोड़ से वर्तमान कार्यकारिणी ने अपनी जीत दाखिल कराई। इसके बाद 3 वर्ष का कार्यकाल पूरा किया जो असंवैधानिक है। जिसे रजिस्ट्रार मान्यता नहीं देता है। 2 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के बाद यह कार्यकारिणी वजूद में नहीं है। जिसकी शिकायत प्रकाश ट्रांसपोर्ट कंपनी व गणपति लॉजिस्टिक्स के सदस्यों ने रजिस्ट्रार से की। रजिस्ट्रार के नोटिस देने के बावजूद हड़बड़ी में जल्दबाजी में चुनाव प्रक्रिया कराई जा रही है। जिसकी नामांकन तिथि 8 सितंबर व चुनाव तिथि 21 सितंबर घोषित की गई है। जबकि जनरल बॉडी में एक तिहाई सदस्यों की संख्या पूरी नहीं थी। जो चुनाव अधिकारी कैलाश चंद शर्मा नियुक्त किए गए हैं, जनरल बॉडी में मौजूद नहीं थे। इसके बावजूद उन्हें चुनाव अधिकारी घोषित किया गया जो असंवैधानिक है। यूपी मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के सदस्य प्रमोद शुक्ला 'श्याम' ने बताया कि इन आपत्तियों के बाद अब संस्था पर से भरोसा उठ गया है। अब यह जानकारी हुई कि संस्था व नियमावली अस्तित्व में ही नहीं है। यह विश्वास का हनन है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं ने अपना नाम DEEPIKA VISHNOI से बदल कर DEEPIKA VISHNOI KAUSHAL रख लिया है अब भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना वा पहचाना जाए। D/O SHAILENDRA KUMAR VISHNOI Resident:- D-151,SECTOR-P ALIGANJ, LUCKNOW

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **प्रभु नाथ शर्मा पुत्र माता प्रसाद ग्रा0 महेश्वरा पो0 पुरैना था0 विशेश्वरगंज जिला बहराइच** का निवासी हूं मैं अपने पुत्र अवधेश शर्मा व बहू प्रिया शर्मा पत्नी अवधेश शर्मा को उनकी चाल चलन सही न होने के कारण से मैं उनको अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम MO KHALILULLAH से बदलकर KHALIL ULLAH कर लिया है भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। KHALIL ULLAH S/O LATE- ABDUL AZIZ 97A/4, ADIL NAGAR, KALYANPUR (WEST) LUCKNOW - 226022

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व मे मैंने बच्चे के विद्यालय के रिकार्ड्स में अपना नाम त्रुटिवश रीना सिंह लिख दिया था, जिस वजह से बच्चे के विद्यालय के सभी रिकार्ड में रीना सिंह अंकित हो गया है। जब की मेरा सही नाम रीना कुमारी है, जो की मेरे अन्य सभी अभिलेखों में भी रीना कुमारी ही दर्ज है अतएव मेरा नाम रीना सिंह के स्थान पर सभी रिकार्ड में रीना कुमारी करने की कृपा करें व सामान्य जन रीना कुमारी नाम से पढ़कर, बोलकर, लिखकर सम्बोधित करें।

सूचना

सूचित करना है कि मेरा नाम शान्तनु गौतम उर्फ तुषार सिंह है, ये दोनों नाम मेरे हैं,एलआईसी पालिसी संख्या 212048458 में भी मुझे शान्तनु गौतम उर्फ तुषार सिंह के नाम से जाना व माना जाए। **शान्तनु गौतम उर्फ तुषार सिंह पुत्र योगेंद्र कुमार सिंह** N 13/209B/198 **ब्रिज इन्क्लेव कालोनी सुंदरपुर वाराणसी** (उ.प्र.) 221005

सूचना

मैं **पृथ्वीपाल पुत्र आशाराम निवासी ग्राम भेन्दुआ बहरेला पोस्ट धुनौली ठाकुरान परगना सूर्यपुर तहसील रामसनेहीघाट जिला बाराबंकी** मेरी पुत्रवधू भारती पत्नी रामदीन जो हमसे अलग रहती है और मुझसे कोई सरोकार वास्ता नहीं है इस समय अपने मायके में रह रही है और मोबाइल फोन द्वारा धमकी दी जाती है और हम लोगों का कहना नहीं मानती है अतएव परेशान होकर झगड़ा व फसाद न हो तथा सरकारी गतिविधियों से बचने के लिए मै अपनी पुत्र वधू भारती पत्नी रामदीन को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। आज की तारीख के बाद से भारती पत्नी रामदीन द्वारा की गयी कार्यवाही अमान्य समझी जाय। और भारती पत्नी रामदीन स्वयं जिम्मेदार होगी।

सूचना

सूचित करना है कि मेरे पति जगदम्बा प्रसाद तिवारी के नाम से एल.आई.सी. बीमा पालिसी थी, पालिसी नंबर 213120947 है जिसमें मैं नामिनी हूं, मेरा नाम ननका देवी उर्फ सुनीता दोनों है और दोनों नाम से जानी पहचानी जाती हूं, एलआईसी की बीमा पालिसी 213120947 में भी मुझे इन्हीं नामों से जाना जाए। **ननका देवी उर्फ सुनीता पत्नी स्व जगदम्बा प्रसाद तिवारी कलंदरपुर चौबे पूरे तिवारी पोस्ट पथवलिया गोंडा।**

बाजार

टैरिफ का असर पड़ने से एमएसएमई सेक्टर को भी धक्का

छोटे उद्योगों का 800 करोड़ का कारोबार प्रभावित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- केमिकल, गारमेंट्स, एसेसरीज व पैकेजिंग सेक्टर में मंदी, रुके ऑर्डर

अमृत विचार। निर्यात कारोबार पर टैरिफ का असर पड़ने से एमएसएमई सेक्टर भी प्रभावित होना शुरू हो गया है। इसकी वजह शहर के छोटे उद्योगों के पास निर्यातकों के ऑर्डर आने में कमी को माना जा रहा है। सबसे ज्यादा असर केमिकल, गारमेंट्स एसेसरीज व पैकेजिंग सेक्टर में पड़ रहा है। विशेषज्ञों ने शहर के छोटे उद्योगों का लगभग 800 करोड़ का कारोबार प्रभावित होने का अंदेशा जताया है।

अमेरिका की ओर से टैरिफ के ऐलान के बाद शहर के निर्यातकों का कारोबार प्रभावित हुआ है। इस असर से निर्यात उत्पादन की सबसे छोटी इकाई भी नहीं बच सकी है। विदेशी ऑर्डर के बाद उसके उत्पादन में सहयोग करने वाली शहर की इन इकाइयों में भी ऑर्डर की कमी हुई है। सबसे ज्यादा ऐसी यूनिट प्रभावित हुई हैं जो लेदर सेक्टर से सीधेतौर पर जुड़ी हुई हैं। कमोबेश यही हाल पैकेजिंग सेक्टर की यूनिट का भी है। निर्यातकों के ऑर्डर प्रभावित होने से इन यूनिटों के ऑर्डर पर रोक लग गई है। माना जा रहा है कि शहर में लगभग 800 यूनिट ऐसी हैं जो अमेरिका के बाजार से प्रभावित हुए निर्यातकों से जुड़ी हैं। इन यूनिटों पर पड़ने वाला प्रभाव लगभग तीन महीने तक रह सकता है। मर्चेंट्स चेंबर ऑफ उत्तर प्रदेश के इंडस्ट्री कमेटी के चेयरमैन सुशील शर्मा ने बताया कि निर्यात कारोबार से शहर की एमएसएमई सेक्टर सीधेतौर पर जुड़ी है। शहर में लगभग 5 फीसदी एमएसएमई सेक्टर बड़े और लगातार मिलने वाले ऑर्डर के लिए शहर के निर्यातकों पर निर्भर हैं। जो निर्यातक अमेरिका से सीधे कारोबार से जुड़े हैं वे अपने उत्पाद के ज्यादातर हिस्से इन्हीं यूनिट से बनवाते हैं। असर इन पर पड़ना स्वाभाविक है।

90 90 हजार एमएसएमई यूनिट शहर में हैं मौजूद

10 फीसदी यूनिट निर्यात कारोबार से सीधी जुड़ी

03 महीने तक इन यूनिट का कार्य हो सकता प्रभावित

800 यूनिट लेदर सेक्टर से सीधी जुड़ी

10 फीसदी हिस्सेदारी

- छोटी यूनिट निर्यात कारोबार पर लगभग 10 फीसदी हिस्सेदारी रखती हैं। निर्यात किए जाने वाले उत्पादों के लिए यह यूनिट छोटी-छोटी सामग्रियां सप्लाई करती हैं। लेदर के जूते में यह यूनिट फीते, रसायन, पैताबे, धागे, पॉलिश व सोल सहित अन्य सामग्रियां निर्यातकों को भेजती हैं। इस तरह से तमाम उत्पादों से जुड़ी छोटी यूनिट मंदी की जद में पहुंच चुकी हैं।

पैकेजिंग यूनिट पर मार

- निर्यातकों के उत्पादों की पैकेजिंग से जुड़ी यूनिट को सबसे अधिक प्रभावित माना जा रहा है। विशेषज्ञों ने बताया कि निर्यात उत्पाद चाहे जो भी हो उसमें सबसे अधिक पैकेजिंग पर जोर होता है। इस तरह स्टीकर, टैग, पैकेट, बॉक्स सहित अन्य पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों की यूनिट के पास लगातार ऑर्डर होल्ड होने की स्थिति में खड़े हो गए हैं।

छठी पर हुआ नंदोत्सव, श्रृंगार भोग लगाया

कानपुर। भगवान श्री कृष्ण की छठी पर बिरजी भगत मन्दिर जनरलगंज में नंदोत्सव एवं महाप्रसाद का आयोजन हुआ जिसमें महाप्रभु श्री जगन्नाथ स्वामी के जल विहार का दिव्य, भव्य एवं आलौकिक श्रृंगार किया गया। महाप्रभु के श्रृंगार के लिए दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। प्रभु को मलाई, मक्खन मिश्री, कड़ी चावल, परवल आलू का भोग लगाया गया। रविवार को श्री जयतु जगदीश मण्डल सेवा समिति द्वारा बिरजी भगत मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। एमएलसी सलिल विश्नोई, योगेश सक्सेना, विजय गुप्ता, नरेंद्र ओमर विशेष तौर पर मौजूद रहे।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 25 अगस्त 2025

सिटी ब्रीफ

अनुभव से सीखना चाहिए छात्रों को

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिज़नेस मैनेजमेंट एवं सीएसजेएमयू कैंपस एलुमनाई एसोसिएशन की ओर से ख्याख्यान का आयोजन हुआ। इस दौरान डॉ. सुनील शुक्ला वरिष्ठ शिक्षाविद एवं कॉर्पोरेट ट्रेनर ने छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने अनुसंधान, प्रबंधन शिक्षा और उद्योग अकादमिक समन्वय के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि व्यावसायिक सफलता के लिए केवल डिग्री ही नहीं बल्कि व्यावहारिक ज्ञान और कौशल आवश्यक है।

प्रान्त अभ्यास कार्यकर्त्ता वर्ग संपन्न

कानपुर। सीएसजेएम विशविद्यालय में स्थित दीनदयाल शोध संस्थान में ब्रह्मावर्त परिषद का एकदिवसीय कार्यकर्त्ता अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ। वर्ग की शुरुआत विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रोफेसर सुधीर अवस्थी, प्रज्ञा प्रवाह केंद्रीय टोली के सदस्य रामाशीष, क्षेत्रीय संयोजक भगवती प्रसाद राघव ने की। वर्ग को छह सत्रों में विषय अनुसार विभाजित किया गया। प्रथम सत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पुनीत कुमार ने भारतीय शोधदृष्टि एवं शोध में सहायक फंडिंग एजेंसी के विषय में विस्तार से बताया।

समरेन्द्र प्रताप को जिम्मेदारी दी

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहे समरेन्द्र प्रताप की संघ द्वारा विश्व हिन्दू परिषद् अवध प्रान्त में जिला संगठन मंत्री के दायित्व पर नई जिम्मेदारी दी गई है। अब इनका केन्द्र लखनऊ रहेगा। समरेन्द्र प्रताप पूर्व में कानपुर और बिल्हौर जिले में प्रचारक रहे हैं, उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, जिला संगठन मंत्री और विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का भी निर्वहन किया है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

कानपुर। सीएचसी कल्याणपुर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ.राजेश सिंह ने कल्याणपुर ब्लॉक के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय काशीराम नगर, कटरी, शंकरपुर व सहाय स्थित बाढ़ राहत शिविर में रह रहे लोगों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। फॉगिंग, एंटी-लार्वा छिड़काव कराने और क्लोरीन की दवा वितरण के निर्देश दिए।

मंदिर के पट खुलते ही गूंजा आयो लाल-झूलेलाल

गुजैनी से निकली शोभा यात्रा में महापुरुषों की झांकियां देखने उमड़ी भीड़ ,महाआरती के बाद बहराणा साहिब को विसर्जित किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री झूलेलाल चालिहा महोत्सव पर भगवान झूलेलाल मंदिर गुजैनी में रविवार को पट खुलते ही आयो लाल झूलेलाल गूंजने लगा। देर शाम महाआरती की गई और रात में शोभा यात्रा निकली जिसमें सभी महापुरुषों की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। जिसे देखने के लिए भारी संख्या में भक्त पहुंचे। शोभा यात्रा के रास्ते में पुष्प वर्षा की गई।

रविवार को प्रातः 10 बजे सत्संग, भजन एवं ज्योति दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ी। उसके उपरांत अमरकथा पाठ साहब का भोग हुआ। दोपहर 3 बजे बहराणे साहब एवं कुनड़ियों की पूजा हुई। सायं 7 बजे महाआरती, पल्लव के बाद शोत्रा यात्रा आरंभ हुई जो जय गेस्ट हाउस, बैंक के सामने से एके दुबे पद्मेश वाली गली से मुड़कर बर्रा तीन झूलेलाल मंदिर होते हुआ शास्त्री चौक चौराहा से बढ़ाकर इंद्रप्रस्थ अपार्टमेंट से रतनलाल नगर, मेन रोड, दबौली मेन रोड से होते हुए गुजैनी में समाप्त हुई। इस दौरान शोभा यात्रा पर पुष्पवर्षा की गई और लोगों ने आयो लाल झूलेलाल का जयघोष किया। शोभायात्रा में पूज्य भगवान् श्री झूलेलाल जी, श्री राम लला, महाकाल,श्री झूलेलाल अमर कथा, श्री ज्योति साहिब, चौखाट साहिब, खाटू श्याम जी, गुरु टेऊ राम जी, समाधा वाले साई, स्वामी लीला शाह की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। भगवान झूलेलाल मंदिर ट्रस्ट गुजैनी के अध्यक्ष मनोज माखीजा, महामंत्री आर के बजाज, धीरज हिरानी करण कुकरेजा मोहिम भटेजा कमल लखूजा आदि सेवाधारी उपस्थिति रहे।

श्री झूलेलाल चालिहा उत्सव पर गुजैनी से निकली शोभायात्रा में भक्तों की भीड़ उमड़ी। इस दौरान भक्त जयकारे लगाते चले। अमृत विचार

रामबाग मंदिर में आज खुलेंगे पट

- रामबाग स्थित भगवान झूलेलाल मंदिर के पट सोमवार को खुलेंगे जिसके लिए पी रोड को सजाया गया है। भगवान झूलेलाल मंदिर में महाआरती, भजन संध्या आदि का आयोजन किया जाएगा जिसकी तैयारियां की जा रही हैं। सोमवार को लगभग 1 बजे मंदिर के पट खोले जाएंगे।

5 अक्टूबर को होगा नामांकन

कानपुर। अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा की केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक रविवार को आयोजित हुई। गांधी नगर स्थित कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता केन्द्रीय अध्यक्ष शिव सहाय मिश्र ने की। महामंत्री सुनील चन्द्र तिवारी ने बताया कि केन्द्रीय कार्यकारिणी का त्रिवार्षिक चुनाव आगे छह माह के अन्दर कराने का विचार किया गया। बैठक में चुनाव सम्पन्न कराने के लिए चुनाव अधिकारी एवं सहायक अधिकारी के नाम का प्रस्ताव राष्ट्रीय महामंत्री महेश मिश्रा ने शारदा प्रसाद शुक्ल व अभय शंकर दुबे का नाम प्रस्तावित किया। चुनाव अधिकारी शारदा प्रसाद शुक्ल ने चुनाव तिथि के लिए नामांकन तिथि 5 अक्टूबर शाम 3 बजे से 5 बजे तक तथा नामांकन जांच एवं वापसी एवं आवश्यक होने पर मतदान तिथि 6 अक्टूबर केन्द्रीय कार्यालय गांधी नगर में सम्पन्न होगा। बैठक में मुख्य रूप में आरएन अवस्थी, हरीश बाजपेयी, अभयशंकर दुबे, केके पाण्डेय, अरविन्द मिश्रा, सुबोध विष्णु अवस्थी, ऋषि दुबे सहित अन्य मौजूद रहे।

5 सितंबर को जश्ने चिरागां, 6 को जुलूस

कानपुर। इस्लामी साल 1447 हिजरी के तीसरे महीने रबीउल अव्वल का चांद हालांकि कानपुर में मौसम साफ नहीं होने की वजह से नजर नहीं आया लेकिन विभिन्न प्रांतों में चांद देखा गया है। जिसकी पुष्टि होने के बाद चांद होने की तस्दीक हो गई। लिहाजा पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर 5 सितंबर को जश्ने चिरागां होगा जबकि 6 सितंबर को एशिया का सबसे बड़ा जुलूस-ए-मोहम्मदी परेड से उठाया जाएगा। मरकजी रुअते हिलाल कमेटी के चेयरमैन एवं शहरकाजी हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी ने उलेमा के साथ बैठक करने के उपरांत चांद होने का ऐलान किया है। रुअते हिलाल कमेटी की मेस्टन रोड पर बैठक शहरकाजी हाफिज मामूर अहमद जामई की अध्यक्षता में हुई।

गुरु ग्रंथ जी मानियो प्रगट गुरा की देह...

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुरुद्वारा भाई बन्नो साहिब जीटी रोड पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाशोत्सव पर रागी जत्थों ने शबद गुरु ग्रंथ जी मानियो प्रगट गुरा की देह गायन करके संगत को निहाल किया। श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेकने के लिए भारी भीड़ गुरुद्वारा पहुंची।

रविवार को सुबह 4 बजे गुरुद्वारा काली मठिया से नगर कीर्तन निकाला गया जिसकी अगुवाई पंजप्यारों ने की। नगर कीर्तन में लोग वाहे गुरु वाहे गुरु का जप करते चल रहे थे। इस दौरान स्त्री सत्संग की महिलाएं शबद गायन करते चल रही थीं। ये नगर कीर्तन गुरुद्वारा भाई बन्नो साहिब में पहुंचकर समाप्त हुआ। दीवान में नितनेम के पाठ के उपरांत हजुरी रागी योगिंदर सिंह ने शबद गायन कर संगत का मन मोहा। अमृतसर से आये कथावाचक ज्ञानी बलदेव सिंह ने प्रकाश पर्व पर "कलयुग दे बोहित शब्दा अवतार चवर तख्त के मालिक जुगो जुग अटल साहिब श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की प्रस्तावना व सकलनं पर विस्तार से गुरमत विचार रखे। विशेष तौर पर हजूरी रागी दरबार साहिब अमृतसर से पधारे भाई निर्भय सिंह ने शबद गायन किया। गुरुद्वारा में संगत को बीड भाई बन्नो साहिब जी के दर्शन कराये गये और फिर गुरु का अटूट लंगर हुआ जिसमें बड़ी संख्या में संगत ने लंगर छका। गुरुद्वारा के प्रधान सुरेन्द्र जीत सिंह, महामंत्री अजीत सिंह भाटिया, परमजीत सिंह बॉबी, जसवंत सिंह,अमरजीत सिंह, कवलंबीर सिंह, लवली सिंह, बलजीत सिंह जसपाल सिह,दलजीत सिंह, परविंदर सिंह, अमरिंदर सिंह व साहिब सिंह आदि थे।

गुरुद्वारा में शबद कीर्तन में संगत। अमृत विचार

- पंच प्यारों की अगुवाई में काली मठिया से निकला नगर कीर्तन
- श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेकने के लिए उमड़ी भीड़

गुरुद्वारा हरजिंदर नगर में कीर्तन दरबार

- **कानपुर।** सिख यूथ एसोसिएशन द्वारा गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा हरजिंदर नगर में श्री गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाशोत्सव मनाया गया। प्रातः से ही कीर्तन दरबार सजा, फूलों का श्रंगार किया गया। रविवार को गुरुद्वारा में श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेकने के लिए संगत की भारी भीड़ रही। जाति पाति का भेद मिटाकर संगत एवं पंगत ने एक साथ लंगर छका। गुरुद्वारा बंगला साहिब के रागी दविंदरमीत सिंह, हजूरी रागी श्री दरबार साहिब अमृतसर वाले भाई सुरिंदर सिंह ने शबद गायन किया। गुरुद्वारा के प्रधान सरदार अशवंत सिंह, संस्था के सचिव सरदार हरजीत सिंह ने सेवादारों को सिरोपा भेंट किया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना सरदार रणजीत सिंह, गुरमीत सिंह मक्कड़, बरिंदरपाल सिंह, हरजीत सिंह, मनजीत सिंह खालसा,हरपाल सिंह राजा, गुरप्रीत सिंह गोल्डी, जनरैल सिंह, किरपाल सिंह रहे।

दधिकांदव महोत्सव का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

फूलों की बगिया में विराजे बांके बिहारी

कानपुर। गोकुल प्रसाद ट्रस्ट धर्मशाला सरसैया घाट में दधिकान्दव महोत्सव आयोजित हुआ। भक्तों के जयकारों में उत्साह भर गया। समारोह के दौरान भक्तों को प्रसाद का भी वितरण किया गया। महोत्सव में भक्तों की ओर से बांके बिहारी को फूलों की बगिया में विराजमान किया गया। यह बगिया भक्तों की ओर से बनाई गई थी। समारोह में राधा कृष्ण की शोभा यात्रा में देवी देवताओं के रूप में सजे 49 बच्चों को विधायक अभिताभ बाजपेयी ने पुरुस्कार प्रदान किया। मुकुल बन्धुओं की ओर से भजनों के माध्यम से प्रभु का गुणगान किया गया। श्याम सपनों में आता क्यों नहीं व मन बस गयो नन्द किशोरों जैसे भजनों ने माहौल को भव्य किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक सलिल विश्नोई, अचल गुप्ता, हेमन्त गुप्ता, नरायन गुप्ता, अर्पित गुप्ता, गोपालम गुप्ता, कुशाग्र गुप्ता. मूलचन्द गुप्ता, अमर नाथ गुप्ता, महेश सिंह सहित अन्य भक्त मौजूद रहे।

रक्तदान अभियान से बनाएंगे वर्ल्ड रिकार्ड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की सोमवार को 18वीं पुण्यतिथि पर विश्व बंधुत्व दिवस मनाया जाएगा। संस्थान भारत व नेपाल में विशाल रक्तदान महाअभियान चला रहा है। इसका उद्देश्य रक्त की आवश्यकता की पूर्ति करना व गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाना है। इस महाअभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने किया। इसी क्रम में शहर के नवीन नगर सेंटर ब्रह्मा कुमारी सेंटर ने एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमे 72 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। इस दौरान केंद्र संचालिका बीके अर्चना दीदी, ममता, सरिता, अनिल, प्रशांत , जय, सरिता राय, जया व रेनू आदि लोग रहे। दूसरी ओर शास्त्री नगर सिंधी धर्मशाला में रक्तदान शिविर में सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य शामिल हुए। जितेंद्र कुमार गुलाबिया, संयुक्त सफाई कर्मचारी यूनियन जलकल विभाग के अध्यक्ष सुनील सुमन ने रक्तदान कर धार्मिक संस्था में योगदान दिया। राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, रितेश कटियार, बीएल गुलाबिया, अजय बाल्मीकि समेत अन्य लोग रहे।

शिविर में रक्तदान करते रक्तदानी। अमृत विचार

- भारत व नेपाल के हजारों ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्रों पर होंगे रक्तदान शिविर

रक्तदान के स्वास्थ्य लाभ

- रक्तदान से शरीर में नया रक्त बनने की प्रक्रिया तेज होती है।
- आयरन स्तर संतुलित रहता है और हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- एक यूनिट रक्त से 3-4 लोगों की जान बचाई जा सकती है।
- 24 से 48 घंटों के भीतर नया रक्त बन जाता है, जिससे रक्त ताजा और स्वस्थ रहता है।
- रक्तदान से पहले ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन आदि की मुफ्त स्वास्थ्य जांच होती है।
- रक्तदाता को मानसिक शांति, आत्मसंतोष और खुशी प्राप्त होती है।

इल्म, मोहब्बत और अमन का पैगाम दिया

कानपुर। नई जामा मस्जिद बाबूपुरवा में उर्स आला हजरत और उर्स मख्दूम शाह आला मनाया गया। मौलाना अबरार हबीबी ने कहा कि आला हजरत ने पूरी दुनिया को इल्म, मोहब्बत और अमन का पैगाम दिया। रविवार को नई जामा मस्जिद बाबूपुरवा में उर्स बड़े ही अकीदत एवं शान-ओ-शौकत से मनाया गया। सुबह 10 बजे महफिल का आगाज हुआ जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की। कारी अंजर रजा ने कुरआन पाक की तिलावत की। इसके बाद हाफिज सैयद फरजान, हाफिज फरमान रजा ने नातिया कलाम पेश किया। संचालन सैयद आमिर रजा ने किया।

जन्नती नौजवानों के सरदार हैं हसन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हसन और हजरत इमाम हुसैन जन्नती नौजवानों के सरदार हैं। अल्लाह के रसूल अपने नवासों से बहुत मोहब्बत करते थे। ये बात गाजीपुर से आये मौलाना अबुल लैस कादरी ने कही।

शनिवार देर रात मदरसा तालीमुल कुरआन अहले सुन्नत 22 ब्लाक जूही लाल कालोनी में अहले बैत कांफ्रेंस आयोजित की गई जिसकी सरपरस्ती हाफिज शब्बीर हुसैन बरकाती ने फरमाई। अध्यक्षता हाफिज व कारी सैयद मोहम्मद फैसल जाफरी ने की। मदरसा के उस्ताद मुफ्ती मोहम्मद काजिम रजा ओवैसी ने कहा कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर ऐसे बुजुर्गाने दीन हुए हैं जिनकी करामात के आगे दुनिया झुकती है। मुफ्ती मोहम्मद दाऊद रजा (गुरसहायगंज) ने खिताब फरमाते हुए कहा कि आला हजरत इमाम अहमद रजा खां मुहद्दिस बरेलवी सच्चे आशिके रसूल थे। हाफिज मोहम्मद इमरान ने कुरानपाक की तिलावत की। मौलाना अंसार रहमानी, हाफिज हारून मुशाहिदी, हाफिज ताज मोहम्मद, हाफिज कौसैन,हाफिज ओवैस रजा ने नातिया कलाम पेश किया। जलसा सलातो सलाम व दुआ के साथ खत्म हुआ। शीरनी तकसीम की गई। इस मौके पर हाफिज अफसर रजा ओवैसी इजहार बरकाती, इम्तियाज अहमद, अजीम बरकाती, हैदर अली, हाजी अब्दुल रज्जाक, मुन्ना आदि थे।

जूही लाल कालोनी में अहले बैत कांफ्रेंस। अमृत विचार

- जूही लाल कालोनी में अहले बैत कांफ्रेंस में गूजा नारे तकबीर

शहादत पर मातम | बाबूपुरवा, बेगमपुरवा, जूही, सुजातगंज समेत कई स्थानों से ताजिया जुलूस निकले

करबला शहीदों के चेहल्लुम पर छुरियों से मातम, ताजिये दफन

कार्यालय संवाददाता ,कानपुर

अमृत विचार। करबला में शहीद हुए हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत के 40 दिन पूरे होने पर कानपुर दक्षिण में नौहाख्वानी, कुरानख्वानी, लंगर, मजलिस और छुरियों से मातम हुआ। दूर दराज से ताजिया जुलूस बगाही पहुंचे और बगाही करबला में ताजियों को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया।

शनिवार को रातभर इमामबाड़ों पर ताजिये रखे रहे, जहां फातिहा पढ़ने वालों को भीड़ पहुंची। रविवार को दोपहर एक बजे के बाद जूही लाल कालोनी, जूही सफेद कालोनी, बेगमपुरवा, बाबूपुरवा, अजीतगंज, बाकरगंज, ट्रांसपोर्ट नगर, ढकना पुरवा और कर्नलगंज स्थित गम्मू खां हाता से भी ताजिया जुलूस बगाही पहुंचा। इस दौरान ताजिया की जियारत करने के लिए महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जगह-जगह नौहाख्वानी, कुरानख्वानी, लंगर, मजलिस का दौर चलता रहा। देर शाम तक बगाही करबला में ताजिये दफनाये जाते रहे। इस दौरान सुरक्षा बल मौजूद रहा।

जुलूस में मातम करते चले लोग। अमृत विचार

बगाही करबला जाता ताजिया जुलूस। अमृत विचार

कांग्रेस ने शिविर लगाया, 5 बच्चे परिजनों को सौंपे

- बगाही ईदगाह में कांग्रेस के पूर्व पार्षद इजहारुल अंसारी, मोहम्मद शकील, इखलाक अंसारी आदि के द्वारा मेले में कैंप लगाया गया जिसमें मेले में खोने वाले 5 बच्चों को उनके परिजनों को सौंपा गया। इस अवसर पर कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पवन गुप्ता, पूर्व विधायक सुहैल अंसारी, नफीस अंसारी, एहतेशाम सिद्दीकी, नौशाद आलम मंसूरी, लल्लन अवस्थी आदि मौजूद रहे।

सुजातगंज से ताजिये निकाले गए। अमृत विचार

सुजातगंज से छुरियों से मातम करते पहुंचा जुलूस

- रविवार को अंजुमन खुद्दाम मुसलमीन की ओर से दोपहर 2 बजे सुजातगंज से मातमी जुलूस निकाला गया। जुलूस के पहले जैदी मैदान में मौलाना फिरोज हैदर रिजवी ने मजलिस पढ़ा। उसके बाद सुजातगंज से बगाही करबला के लिए छुरियों से मातम करते हुए मजलिस पढ़ते हुए अकीदतमंदों का काफिला रवाना हुआ और देर रात बगाही पहुंचा। इस दौरान जिया जैदी, कमर जैदी, समर, तनवीर जैदी, हसन रजा, काजिम अब्बास, नजर अब्बास, अतहर अब्बास, मोहम्मद अब्बास आदि थे।

न्यूज ब्रीफ

डीएम के निर्देश पर बाढ़ पीड़ितों को दी गई राहत

उन्नाव अमृत विचार। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र जयराज मऊ, पसनियाखेड़ा, शिवराज पुर चौकी, जंगलेश्वर, गहोली, धन्ना पुरवा, फरीदपुर कट्टर, खलाक खेड़ा, बेनी पुरवा, परियर, सिकन्दरपुर सिरोसी में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा कैंप लगाकर लोगों को दवा बांटी गई। इसी प्रकार जूनियर हाईस्कूल शिवराजपुर में लोगों को बाढ़ राहत सामग्री किट का वितरण अधिकारियों ने किया। जिलाधिकारी ने कहा है कि किसी भी स्थिति में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लापरवाही न बरती जाए। इन क्षेत्रों में संबंधित अधिकारी प्राथमिकता के साथ आवश्यक सुविधाएं पीड़ितों को उपलब्ध कराएं।

आशा हास्पिटल में न्यूरो स्पाइन कैंप 27 को

उन्नाव अमृत विचार। आशा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल दरोगा बाग में न्यूरो व स्पाइन कैंप 27 अगस्त की शाम 4 से 6 बजे तक आयोजित होगा। डॉ. बीके सिंह ने कहा कि इस दिन अस्पताल में संपर्क कर मरीजों को दिखवा सकते हैं। डा. मृदुल शर्मा (न्यूरो व स्पाइन सर्जन) से संपर्क कर इस अवसर का लाभ उठाएं। कैंप में न्यूरो व स्पाइन संबंधी ऑपरेशन रियायती दरों पर होने की सुविधा रहेगी।

तालाब में डूबने से वृद्धा की मौत

नवाबगंज उन्नाव अमृत विचार। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के सुंदरपुर गांव निवासी बिट्टी (69) पत्नी स्व. धनीराम रविवार भोरपहर गांव के बाहर शौच के लिए गई थी। तभी वहीं पास के तालाब में हाथ-पांव धोते समय संतुलन बिगड़ने से वह गहरे पानी में गिर गई। करीब 5 बजे बेटा संजय सोकर उठा तो मां चारपाई में नहीं मिली। इस पर उसने गांव में तलाश शुरू की। लेकिन उसका कुछ पता नहीं लगा। वह तलाश कर ही रहा था तभी गांव के एक युवक से तालाब में शव उतराने की जानकारी मिली। बड़े बेटे संजय ने बताया कि मां मानसिक बीमार थी जिसका इलाज भी चल रहा था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बाइक चोरी में नाबालिग सहित दो पकड़े गए

उन्नाव अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र के चंद्र नगर अकरमपुर मोहल्ला निवासी आशीष पुत्र अनिल चंद्र शुक्ल की बाइक चोरों ने पार कर दी थी। उसकी तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस बाइक की तलाश कर रही थी। रविवार को मुखबिर से मिली सूचना पर कोतवाल अजय कुमार सिंह दरोगा इंद्रदेव उपाध्याय के साथ शहर के रामलीला मैदान के पास चेकिंग कर रहे थे। तभी बाइक से जा रहे सचिन विमल उर्फ बाली पुत्र पप्पू निवासी गांव करोवन सदर कोतवाली व उसके साथ एक किशोर को पुलिस ने रोका। पूछताछ में दोनों ने बाइक चोरी की होने की बात स्वीकार की। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि दर्ज रिपोर्ट में बरामदगी की धारा बढ़ाकर सचिन को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेजा गया। वहीं किशोर को बाल सुधार ग्रह लखनऊ भेजा जाएगा।

नई केबल डालने के लिये आज 8 घंटे बंद रहेगी बिजली

शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार। उपभोक्ताओं को बेहतर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए सोमवार को शुक्लागंज के कई मोहल्लों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। अधिशाषी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड-द्वितीय मगरवारा (गोकुलबाबा) ने जानकारी दी कि सोमवार को 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र मगरवारा से निर्गत 11 केवी फीडर शुक्लागंज-प्रथम से पोषित क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान मोहल्ला अम्बिकापुरम एवं एसआरपी स्कूल वाली गली में पुरानी व जर्जर एलटी लाइनों के तार बदले जाएंगे। भारत सरकार की आरडीएसएस योजना के तहत इन तारों की जगह नई एबीसी केबिल बिछाई जाएगी। कार्य पूरा करने के लिए सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक लगभग आठ घंटे की कटौती रहेगी।

लोडर में फंसकर 100 तक मीटर घिसटी बाइक, अधेड़ की जान गई

जिला जज आवास के पास हुए हादसे में नाती भी घायल, नैमिषारण्य दर्शन को निकले थे दोनों

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। नाती को लेकर नैमिषारण्य (नीमसार) दर्शन करने निकले अधेड़ की बाइक में लोडर ने जिला जज आवास के पास टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि इसमें अधेड़ की मौत हो गई, वहीं पीछे बैठा नाती घायल हो गया। बाइक लोडर में फंसकर करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई। इसके बाद चालक लोडर छोड़कर भाग निकला।

जयराम।

अचलगंज थाना व कस्बा के मुख्य चौराहा निवासी जयराम साहू (55) पुत्र स्व. संकटा प्रसाद खेती करता था। रविवार भोरपहर वह थानाक्षेत्र के शिवपुर ग्रांट गांव निवासी बेटी पिंकी के बेटे यश (12) पुत्र सर्वेश को लेकर दर्शन करने सीतापुर जिला स्थित नैमिषारण्य मंदिर जा रहा था। सुबह करीब 5 बचे सदर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन मोहल्ला स्थित जिला जज आवास के पास सामने से मुर्गी लादकर आ रहे लोडर ने उसकी बाइक ने सामने से टक्कर मार दी। उछलकर सड़क पर गिरने से लोडर ने जयराम को रौंद दिया। वहीं सड़क पर गिरे यश के भी चोटें आ गईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक का आधे से अधिक हिस्सा लोडर के नीचे फंस गया। जिसे चालक बाइक को घसीटते हुए 100 मीटर तक ले गया और फिर लोडर वहीं छोड़कर भाग निकला। सुबह सैर करने निकले लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने जयराम को मृत घोषित कर दिया। वहीं यश को परिजनों ने एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। अधेड़ की मौत से परिजनों में चीख पुकार मची है। पति की मौत से पत्नी कुंती देवी सहित बेटी पिंकी, सोनी, गुड़िया व कोमल सहित बेटा मुकेश बेहाल हैं। बेटे की तहरीर पर पुलिस ने लोडर नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लोडर कोतवाली में खड़ा कराया है।

लोडर में फंसी बाइक।

डंपर पर गिरी नीम के पेड़ की डाल, आवागमन बाधित

नवाबगंज उन्नाव अमृत विचार। रविवार सुबह नवई स्थित पेट्रोल पंप के पास अजगैन-मोहान मार्ग पर सड़क किनारे खड़े नीम के पेड़ की डाल अचानक टूटकर मोहान की ओर जा रहे डंपर पर गिर गई। इसमें डंपर चालक व परिचालक बाल-बाल बच गए और बड़ी दुर्घटना होते बची। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से टूटी डाल को काटकर सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर रखवाया। इसके बाद यातायात सुचारु हो सका।

डंपर पर गिरी नीम के पेड़ की डाल। अमृत विचार

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चालक की हुई मौत

उन्नाव अमृत विचार। इंटर लॉकिंग ईंट उतारकर लौटते समय ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें चालक की दबकर मौत हो गई। वहीं साथ में बैठा मजदूर गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा है।

फतेहपुर चौरासी थाना व कस्बा के मोतीनगर मोहल्ला निवासी जुबैर अली (40) ट्रैक्टर चालक था। रविवार को वह साथी मजदूर बबलू (25) पुत्र जयसुफ के साथ सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव कुशैला स्थित प्लांट से इंटर लाकिंग ईंट लादकर आसीवन थानाक्षेत्र के गांव पेसारी गया था। जहां से लौटते समय थानाक्षेत्र के लखनऊ-बांगरमऊ-पेसारी संपर्क मार्ग मोड़ पर ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे जुबेर अली ट्रैक्टर के पहिये के नीचे दब गया। ग्रामीणों ने दोनों को किसी तरह बाहर निकाला और मियागंज सीएचसी भेजा। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद जुबैर को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा। पति की मौत से पत्नी महनूर, बेटियां मुस्कान, सकीना व बेटा जैद, अलमतस व मां नसीमुन आदि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बेसिक शिक्षा परिषद की सत्र परीक्षाएं आज से

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

- 25 से 29 अगस्त तक होंगी सत्र परीक्षाएं, स्कीम जारी

अमृत विचार। बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों में बच्चों की सत्र परीक्षाएं 25 अगस्त से 29 अगस्त तक होंगी। बीएसए संगीता सिंह ने सभी खंड शिक्षाधिकारियों को इसके दिशा निर्देश भेज दिये हैं। परीक्षा आयोजन का खर्च विद्यालयों की कम्पोजिट ग्रांट से वहन किया जायगा। वहीं दूसरी ओर अभी भी कई विद्यालय जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं जिससे सभी बच्चे परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे इस पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है।

बताया गया कि सत्र परीक्षाएं बच्चों को जुलाई तक पूर्ण कराए गए मासिक पाठ्यक्रम पर आधारित होंगी। प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर मूल्यांकन तक की जिम्मेदारी प्रधानाध्यापक व संबंधित कक्ष शिक्षकों पर होगी। नकल रहित परीक्षा कराने पर विशेष बल दिया गया है। परीक्षा खत्म होने पर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन विषय अध्यापक करेंगे। परिणाम अभिभावकों को विद्यालय में बुलाकर बताया जाएगा। जिससे वे बच्चों की प्रगति से अवगत हों और सुधार करवा सकें। बीएसए ने आदेश में बताया कि सत्र परीक्षा में जिन बच्चों का स्तर मानक से कम होगा उन्हें चिन्हित कर विशेष कक्षाएं आयोजित होंगी और पुनरावृत्ति कराकर मुख्य धारा में लाने का प्रयास होगा।

बाढ़ क्षेत्र में कैसे होगी सत्र परीक्षा

प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन के संजीव संख्वार, प्रदीप वर्मा, अमित तिवारी ने बताया कि गंगा का जलस्तर बढ़ने से कई स्कूल जलमग्न हो गए हैं। जिससे शिक्षण कार्य बाधित है। उन्होंने अफसरों से मांग की कि यह स्थिति देखते हुए उचित निर्णय लिया जाए। जिससे बच्चों व छात्रों का जीवन सुरक्षित हो।

छाते व अन्य सामग्री पाकर खुश बच्चे व संस्थान के लोग।

छाता पाकर खिल उठे बच्चों के चेहरे

उन्नाव अमृत विचार। कहते हैं कि यदि आप किसी के चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं तो आपके जीवन की इससे बेहतर सार्थकता कुछ नहीं हो सकती। यह बात अभ्युदय सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. प्रभात सिन्हा ने संस्थान द्वारा संचालित मुस्कान घर के माध्यम से स्कूल जाने वाले बच्चों के बीच कही। उन्होंने शहर के कल्याणी मोहल्ला में बारिश व धूप को देखते हुए बेटी समीक्षा सिन्हा के साथ छाते वितरित किये। संस्थान के वरिष्ठ संरक्षक डॉ. मनोज श्रीवास्तव ने बच्चों को संचारी रोग के प्रति जागरूक किया। बच्चों को आशीष अवस्थी व महेंद्र सिंह ने चिप्स, लॉलीपॉप, टॉफी आदि बांटे। कार्यक्रम संयोजक आशीष दीक्षित ने अभ्युदय सेवा संस्थान के लोगों का आभार जताते हुए संस्थान के कार्यों की सराहना की।

अमान्य कक्षाएं संचालित करते मिले 84 विद्यालय

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। जिले में संचालित ऐसे विद्यालय जिनकी मान्यता कक्षा-8 तक है मगर कक्षा 9 से 12 तक अमान्य कक्षाएं संचालित की जा रही हैं और रजिस्ट्रेशन किसी अन्य मान्यता प्राप्त विद्यालय से कराकर परीक्षाएं संचालित की जाती हैं। जिले में ऐसे 84 विद्यालय चिन्हित हुए हैं। जिन्हें डीआईओएस ने नोटिस जारी की है। इसमें कहा गया है कि यदि अमान्य कक्षाओं का संचालन बंद नहीं किया गया तो 1 से 5 लाख तक जुर्माना हो सकता है।

बता दें कि वर्ष 2025-26 के प्रथम चरण चरण में तहसील स्तर पर टास्क फोर्स गठित कर जांच कराई गई। जिसमें 84 विद्यालय चिन्हित किये गये हैं। जिसमें तहसील हसनगंज में 14, सफीपुर में 27, सदर में 12, पुरवा में 14, बांगरमऊ में 14, बीघापुर में 3 अमान्य विद्यालय संचालित मिले। ऐसे अमान्य विद्यालयों के प्रबंधकों को डीआईओएस सुनील दत्त ने नोटिस जारी कर कहा कि इन विद्यालयों से 1 से 5 लाख रुपए जमा कराए जाएं अन्यथा उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि पूर्व में शासन के आदेश के क्रम में डीआईओएस द्वारा नामित नोडल प्रमारी डा. दिलीप सिंह व प्रधानाध्यापक उमेश पांडेय द्वारा अभिलेखों का परीक्षण करने के साथ जांच कर आख्या उपलब्ध कराई गई है।

गायत्री यज्ञ के दौरान मौजूद महिलाएं। अमृत विचार

गायत्री यज्ञ से होता है विश्व कल्याण

उन्नाव अमृत विचार। शहर के डीएसएन कॉलेज रोड स्थित गायत्री शक्तिपीठ में महिला मंडल द्वारा गायत्री यज्ञ का आयोजन हुआ। इसका संचालन महिला मंडल द्वारा किया गया। शांतिकुंज हरिद्वार की प्रेरणा से यज्ञ हुआ। व्यवस्थापक सिद्धनाथ श्रीवास्तव ने कहा कि गायत्री मां उपासना व यज्ञ करने से जीवन में सुख शांति आती है। हर शुभ कार्य व सभी संस्कार यज्ञ के साथ सम्पन्न होते है। गायत्री यज्ञ से पूरे विश्व का कल्याण होता है। यज्ञ में दीनू शुक्ला, साधना सिंह, मालती मिश्रा, मीरा सिंह, शिवदेवी गुप्ता, मालती सिंह, स्वाती, रंजना सिंह, अजय शुक्ला, जगदेव प्रसाद शर्मा, ईश्वरानंद बाजपेई, सुशील, राम सुमेर, अशोक राय, कन्हैया, अशोक दीक्षित, तिलक श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

छत से गिरकर घायल हुए युवक ने दम तोड़ा

शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के डेरा पीपरखेड़ा निवासी लक्ष्मण का 36 वर्षीय पुत्र रामखिलावन 16 अगस्त की रात लगभग आठ बजे छत से अचानक गिर पड़ा था। गिरने से उसके पैरों में गंभीर चोटें आईं। परिजन उसे नजदीकी निजी डॉक्टर के पास लेकर गए और वहीं उसका इलाज चल रहा था। बीते शनिवार को अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई। हालत गंभीर होने पर उसे इलाज के लिए ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इधर, मृतक के चचेरे भाई मौजी ने पुलिस को सूचना देकर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। कोतवाली प्रभारी पी.के. मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

24 घंटे में 11 सेमी गिरा गंगा का जलस्तर, मुश्किलें अभी बरकरार

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगा का जलस्तर लगातार चार दिनों से घट रहा है। 24 घंटे में 11 सेंटीमीटर की कमी दर्ज की गई है। इसके बावजूद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हालात जस के तस बने हुए हैं। पानी से घिरे मोहल्लों और गांवों के लोगों को अभी भी नाव के सहारे आना-जाना पड़ रहा है। वहीं, नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी ने रविवार को बाढ़ क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामीणों ने मेडिकल टीम न पहुंचने की शिकायत की।

आठ दिन पहले गंगा का जलस्तर खतरे के निशान 113 मीटर को पार कर गया था। इसके चलते नगर के गोताखोर, कर्बला, शाही नगर, मोहम्मद नगर, सैय्यद कंपाउंड, राजीव नगर खंती, नेतुआ, गगनीखेड़ा, तेजीपुरवा, श्रीनगर, गंगानगर, रविदास नगर, अवस्थी फार्म, मालवीयनगर, गायत्रीनगर, भातूफार्म समेत ग्रामीण क्षेत्रों में पानी भर गया था। करीब तीन हजार परिवार बाढ़ से प्रभावित हो गए। सैकड़ों लोग घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए, जबकि कई लोग अपने घरों में पानी घुस जाने के कारण छतों पर शरण लेने को मजबूर हैं। केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार, शनिवार शाम 6 बजे जलस्तर 112.900 मीटर मापा गया था, जो रविवार शाम 6 बजे घटकर 112.790 मीटर रह गया। इस तरह 24 घंटे में 11 सेमी की गिरावट दर्ज हुई है। इधर, नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी ने लेखपालों के साथ भातूफार्म और अन्य प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। यहां पानी से घिरे घरों में कैद लोगों ने वायरल और पेट संबंधी बीमारियों की शिकायत की। ग्रामीणों ने बताया कि अब तक मेडिकल टीम मौके पर नहीं पहुंची है। इस पर नायब तहसीलदार ने जल्द मेडिकल टीम भेजने और आवश्यक व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। वहीं उन्होंने पश्चिमी गंगाघाट का भी निरीक्षण किया। बाढ़ प्रभावित लोगों का कहना है कि जलस्तर घटने के बावजूद मुसीबतें खत्म नहीं हुई हैं। चारों ओर पानी जमा होने से रोजमर्रा की जिंदगी ठप है और स्वास्थ्य संबंधी खतरा लगातार बढ़ रहा है।

रोटरी क्लब ने नाव से पहुंचाई राहत सामग्री

शुक्लागंज (उन्नाव)। गंगा का जलस्तर बढ़ने से नगर के कई मोहल्लों में बाढ़ का पानी भर गया है। रविवार को रोटरी क्लब गंगाघाट की ओर से बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाई गई। रोटरी क्लब अध्यक्ष अवनीश शुक्ला ने बताया कि गायत्री नगर और भातू फार्म क्षेत्र के 136 प्रभावित लोगों को राशन सामग्री वितरित की गई। चूंकि मकानों के आसपास पानी भरा हुआ है, इसलिए राहत सामग्री नाव के जरिए पहुंचाई गई। इस अवसर पर मुन्ना सोनी, रामशंकर शुक्ला, सूरज शुक्ला, शिवशरण अग्निहोत्री, जयप्रकाश और गणेश भी मौजूद रहे।

राहत सामग्री देते रोटरी क्लब के पदाधिकारी।

गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को सीओ ने किया रूट का निरीक्षण

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार। आगामी 27 अगस्त से 6 सितंबर तक चलने वाले गणेश महोत्सव को लेकर नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में तैयारियां जोरों पर हैं। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़ी संख्या में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन गगनीखेड़ा झील में किया जाएगा। नगर सहित उन्नाव, मगरवारा और आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु अपनी प्रतिमाओं को लेकर विसर्जन स्थल पर पहुंचेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

रविवार को सीओ सिटी दीपक यादव एवं कोतवाली प्रभारी पी.के. मिश्रा ने मरहला चौराहे से लेकर गगनीखेड़ा झील तक संभावित रूट का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यातायात व्यवस्था और सुरक्षा बिंदुओं का बारीकी से परीक्षण किया। सीओ सिटी ने बताया कि विसर्जन के लिए फिलहाल दो रूट प्रस्तावित हैं।

पहला रूट मरहला चौराहे से होकर गगनीखेड़ा झील तक जाता है, लेकिन वर्तमान में आरओबी का कार्य चलने के कारण यह मार्ग बंद है। दूसरा विकल्प सहजनी मार्ग से होकर जाने का है। विसर्जन को लेकर मार्ग तय करने के संबंध में प्रशासनिक स्तर पर शीघ्र ही एक बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें एसडीएम, ईओ, आयोजक समिति के पदाधिकारी और पुलिस-प्रशासन के अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में अंतिम रूप से विसर्जन का रूट तय किया जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या भीड़भाड़ की समस्या न हो।

पुलिस ने 33 जोड़ों में कराई सुलह

उन्नाव अमृत विचार। एसपी दीपक भूकर के निर्देश व परिवार परामर्श केंद्र व महिला हेल्पडेस्क के प्रयासों से पति-पत्नी के 33 विवादित जोड़ो की सकुशल विदाई कराई गई। इसमें महिला थाना से 11, परिवार परामर्श केंद्र से 7, थाना सोहरामऊ से 5, अचलगंज से 3, गंगाघाट व बांगरमऊ से 2-2 व सफीपुर, हसनगंज व कोतवाली सदर से 1-1 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। इस कार्य में शिल्पी श्रीवास्तव, सलाहकार अबरार हुसैन, डॉ. एसके पांडेय, संजय चौरसिया, राजेंद्र सिंह सेंगर, डॉ. शशिरंजना अग्निहोत्री, सहयोगी सलाहकार शिवेंद्र चौहान, स्वास्तिक मिश्रा के अलावा पुलिस टीम से निरीक्षक संतोष कुमारी प्रभारी महिला हेल्पडेस्क, रेखा सिंह प्रभारी निरीक्षक महिला थाना, महिला दरोगा मधु श्रीवास्तव, मिशलेश वर्मा, महिला सिपाही शीलू, पूजा पाल, लक्ष्मी वर्मा, पूजा यादव, शकुन्तला, तरुण, सीता यादव, प्रीति तोमर, अर्चना, पूजा चौधरी, सेविका, अंशू रानी, साधना यादव, प्रीति सिंह राठौर, चिन्तन का विशेष योगदान रहा।

श्री सार्वजनिक रामलीला समिति की बैठक।

शुक्लागंज में रामलीला का मंचन 26 सितंबर से

शुक्लागंज (उन्नाव)अमृत विचार। रविवार को राजधानी मार्ग स्थित सब्जी मंडी में श्री सार्वजनिक रामलीला समिति की बैठक समिति संयोजक वीरेंद्र शुक्ला के आवास पर हुई। बैठक में समिति के कोषाध्यक्ष प्रदीप शुक्ला ने पिछले वर्ष का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया। इस दौरान संयोजक वीरेंद्र शुक्ला ने बताया कि इस वर्ष श्री सार्वजनिक रामलीला का मंचन 26 सितंबर 2025 से प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रामलीला को भव्य और सफल बनाने के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव दिए और आयोजन को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने का संकल्प लिया। बैठक में मुख्य रूप से अंजनी अग्निहोत्री, नीलकमल दीक्षित, दिलीप शुक्ला, मनमोहन दीक्षित, नितिन दीक्षित, श्रीकांत शुक्ला, श्रीकांत पांडे, कमल वर्मा, अवधेश बाजपेई, शिवम शुक्ला, शिवम मिश्रा, अंकित तिवारी, आकाश बाजपेई, दिवाकर मिश्र, आनंद वर्मा, कृष्णा मिश्रा, रजत गुप्ता, आशीष साहू, ओम शुक्ला, राहुल यादव और विशाल गौतम मौजूद रहे। रामलीला समिति के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से कहा कि इस वर्ष का आयोजन और भी आकर्षक होगा।

दुश्वारियां राहगीरों को 15 किलोमीटर का चक्कर लगाकर जाना पड़ रहा है हसनगंज व मियांगंज

सई नदी पुल का संपर्क मार्ग धंसा, आवागमन ठप

संवाददाता, हसगनंज उन्नाव

अमृत विचार। रविवार को सुबह सई नदी पुल का संपर्क मार्ग अचानक धंस जाने से आवागमन ठप हो गया। यह सड़क मोहान-औरास मार्ग को मोहान-बांगरमऊ मार्ग से जोड़ती है। आवागमन बंद होने से दर्जनों गांव के लोगों को बड़ी समस्या से जूझना पड़ रहा है। मुख्य रूप से बच्चों के लिए स्कूल पहुंचने का रास्ता बंद हो गया है।

हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर बकिया मार्ग स्थित सई नदी पर बने पुल के एक हिस्से की एप्रोच सड़क रविवार भोरपहर अचानक धंस गई। इससे वहां 20 फीट का गड्ढा हो गया। सड़क धंसने से आवागमन बंद हो गया। जिससे राहगीर 15 किमी घूमकर हसनगंज व मियागंज जाने को मजबूर हैं। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से पानी सड़कों के ऊपर से बह रहा है। सुबह का समय होने से राहगीरों का आवागमन कम था। जिससे बड़ा हादसा टल गया। पुल का शिलान्यास वर्ष-2008 में तत्कालीन सीएम मायावती ने किया था। यह 2 साल में बनकर तैयार हुआ था। इसका लोकार्पण तत्कालीन विधायक राधेलाल रावत ने किया था।

सई नदी पुल के धंसे संपर्क मार्ग को देखते ग्रामीण। अमृत विचार

स्वास्थ्य मेले में 154 मरीजों का हुआ परीक्षण

शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार। राजधानी मार्ग स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शुक्लागंज में मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में एलोपैथिक के डॉक्टरों ने मरीजों का परीक्षण किया गया। मरीजों को दवा बांटी गई। इसके अलावा डॉ. राजेश चंद्रा, डॉ. रश्मि वर्मा, डॉ. अर्चना गुप्ता, विमल किशोर सिंह ने भी मरीजों को परामर्श देने के साथ ही दवाइयां बांटी। वहीं अन्य डॉक्टरों ने आये मरीजों का परीक्षण किया। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि पीएचसी में 154 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें दवाइयां बांटी गई।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत अवध प्रांत की नव कार्यकारिणी गठित

संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत अवध प्रांत की नव कार्यकारिणी उन्नाव इकाई के गठन की बैठक शहर के मोहल्ला मोती नगर स्थित हाईकोर्ट लखनऊ के अधिवक्ता ओपी तिवारी के आवास पर हुई। इसमें प्रांतीय उपाध्यक्ष ओमकार पांडेय की अध्यक्षता में नव कार्यकारिणी गठित हुई। जिसमें सर्व सम्मति से डॉ. मनोज श्रीवास्तव को अध्यक्ष, जयशंकर अवस्थी को उपाध्यक्ष, आदित्य बाजपेई को सचिव, शांतनु श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष, चंद्रभूषण सिंह को सह सचिव, रोली तिवारी को महिला आयाम प्रमुख बनाया गया। विधि आयाम प्रमुख अधिवक्ता आशीष शुक्ल, पर्यावरण आयाम प्रमुख अजय श्रीवास्तव, प्रचार प्रसार प्रमुख चंद्रभान शर्मा, रोजगार सृजन आयाम प्रमुख ब्रजेश अवस्थी बने। इसी क्रम में डॉ. प्रभात सिन्हा, वरिष्ठ अधिवक्ता ओपी तिवारी, दीपांकर मिश्रा, चंद्रभूषण सिंह कार्यकारिणी में शामिल किये गये। प्रांतीय सचिव आशुतोष मिश्र ने अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के विषय में विस्तार से बताया। इसमें राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. प्रमोद पांडेय व प्रांतीय पर्यावरण आयाम प्रमुख प्रकाश चंद्र बरनवाल भी रहे।

चुनौतियों को स्वीकार करें ताकि आप जीत का उत्साह महसूस कर सकें।
–**जॉर्ज एस पैटन**, पूर्व अमेरिकी जनरल

प्रधानमंत्री की दूरदर्शी पहल

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर प्रधानमंत्री का उद्बोधन अत्यंत प्रेरक रहा। उन्होंने अंतरिक्ष वैज्ञानिकों से मानवता के भविष्य को और अधिक उन्नत व उज्ज्वल बनाने तथा अंतरिक्ष के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने के लिए 'डीप स्पेस एक्सप्लोरेशन मिशन' की तैयारी की दिशा में प्रेरित किया, जो महत्वपूर्ण है। उनकी यह सोच कितनी दूरदर्शितापूर्ण है और भविष्य के लिए वर्तमान में इस कार्य की कितनी महत्ता है, इसका वास्तविक आभास वर्तमान से कहीं अधिक भविष्य में होगा। प्रधानमंत्री भलीभांति जानते हैं कि भारत में तकनीक से संबंधित एक ऐसा संगठन है, जिसका लोहा संपूर्ण विश्व मानता है और जिसके समकक्ष संगठनों को कई बार स्वीकार करना पड़ता है कि उसके कुछ क्षेत्रों में उसका कोई मुकाबला नहीं- वह है इसरो। निस्संदेह, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और हमारे अंतरिक्ष विज्ञानी इस कार्य की पर्याप्त क्षमता और प्रतिभा रखते हैं। इसी विश्वास पर प्रधानमंत्री ने यह आह्वान किया है। इसरो अंतरिक्ष के क्षेत्र में अनेक कीर्तिमान स्थापित कर चुका है। गहन अंतरिक्ष में इसरो के शोध-प्रयोग लगातार जारी हैं। वह मंगल, बृहस्पति और चंद्रमा के अतिरिक्त धूमकेतुओं, बाह्य सौर मंडल तथा आकाशगंगा के भी अध्ययन में संलग्न है। इसरो अंतरग्रहीय संचार, अन्य ग्रहों पर जीवन और नवीन संसाधनों की खोज में भी योगदान दे रहा है। उसने रोबोटिक मिशन भेजे हैं और मानवीय मिशनों की तैयारी भी लगभग पूरी कर ली है। इसके साथ ही वह रीयूजेबल लॉन्च व्हिकल और स्पेस डॉकिंग तकनीक में सफलता प्राप्त कर चुका है। सुदूर अंतरिक्ष में अन्वेषण और प्रयोग के लिए 2028 तक भारत का अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने की योजना है, जिसके लिए एडवांस्ड प्रोपल्शन टेक्नोलॉजी से निर्मित रॉकेट का भी विकास किया जा रहा है।

अकसर देश के कुछ क्षेत्रों से यह अदूरदर्शितापूर्ण प्रश्न उठाया जाता है कि जब धरती और उस पर रह रहे लोगों की अनेक समस्याएं मौजूद हैं, तो अंतरिक्ष पर अरबों रुपये खर्च करने का क्या औचित्य है! परंतु वस्तुतः अंतरिक्ष अन्वेषण से भविष्य में देश, समाज और संपूर्ण मानवता को जो लाभ होने वाले हैं, उन्हें समझने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और दूरगामी सोच आवश्यक है। यह बात प्रधानमंत्री जैसे दृष्टा ही स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। अमेरिका, जापान, चीन और यूरोपियन अंतरिक्ष एजेंसियां ही इस दिशा में संलग्न नहीं हैं; उनके पीछे भी गहरे दूरगामी उद्देश्य हैं। वे जानते हैं कि अत्यधिक दोहन के कारण निकट भविष्य में धरती पर ऊर्जा, जल और खनिज संसाधनों की गंभीर समस्याएं खड़ी होंगी। इससे निपटने का एकमात्र उपाय यही है कि ऐसे परग्रही पिंडों का दोहन किया जाए, जहां ये संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। ऐसे अभियानों के लिए मनुष्य को वहां अधिक समय तक ठहरना भी पड़ सकता है। डीप स्पेस एक्सप्लोरेशन और उसके अंतर्गत होने वाले विभिन्न अनुसंधान संपूर्ण मानवता को नई दिशा और लाभ प्रदान करेंगे। यह मानवता, देश और विज्ञान- तीनों के लिए एक बड़ा अवसर है। इस दिशा में भारतीय एजेंसियों और सरकार को साहसिक, दीर्घकालिक और व्यापक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

प्रसंगवश

रामसेतु के वैज्ञानिक तथ्य और यथार्थ

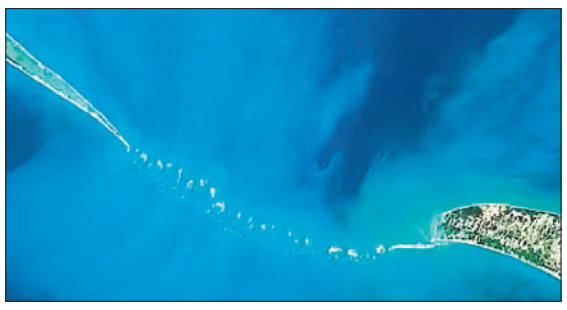

रामायण सहित अनेक धर्म ग्रंथों के उल्लेखानुसार श्रीराम ने लंका विजय अभियान पर जाते समय दक्षिण समुद्र पर एक सेतु का निर्माण किया था, जिसे उनकी सेना के नल और नील वानरों ने अन्य सबकी सहायता से निर्मित किया। एक वरदानानुसार उनके हाथ के छुए प्रस्तर खंड पानी में डूबते नहीं थे। यह पुल लगभग पांच दिन में बन कर तैयार हुआ था। इसे किसी ने मिथक किसी ने यथार्थ माना। विगत में राष्ट्रीय स्तर पर इस पर बहसें चलीं। प्रकरण अदालत तक गया। राजनीतिक दल अपने-अपने ढंग से लामबंद हुए। आइए इसकी यथार्थता परखें।

संप्रति, तमिलनाडु में धनुषकोडि (रामेश्वरम्) से समुद्र काफी दूर तक छिछला और चट्टानी है, जिसे आदम पुल कहा जाता रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 1993 में सेटेलाइट से कुछ चित्र खींचे, जिनमें रामेश्वरम् से लंका के मन्नार टापू तक पुल जैसे निर्माण के चिन्ह लक्षित हुए हैं। वहीं भारत की ओर पुल प्रारंभ होने के कुछेक दूर ही 'छेदुकरई' नामक स्थान है, जिसका अर्थ है 'सेतु का कोना'। इससे यह तो स्पष्ट होता ही है कि यहां कोई सेतु जरूर रहा। तथ्य यह भी है कि तमिलनाडु के रामनाथपुरम् और शिवगंगा जिलों के 'मरावर' समुदाय के लोगों की उपाधि 'सेतुपति' थी। इस समुदाय ने कभी वहां शासन भी किया। इससे स्पष्ट है कि उनके अधिकारिता क्षेत्र में कोई सेतु था। रामायण में रामेश्वरम् शिवलिंग की श्रीराम द्वारा स्थापना का स्पष्ट उल्लेख है, जो आज भी विद्यमान है और भगवान शंकर के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है। मंदिर का रख-रखाव सही ढंग से निश्चित ही हुआ होगा, अतः वह तत्समय के पवित्र और गौरवशाली निर्माण की आज भी गवाही दे रहा है।

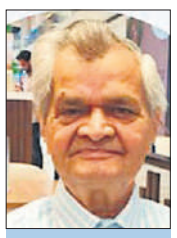

रघोत्तम शुक्ल
लेखक

नल-नील देव शिल्पी विश्वकर्मा के औरस पुत्र और वरदान प्राप्त श्रेष्ठ अभियंता थे। अब प्रश्न यह उठता है कि जब उनके हाथ के छुए पत्थर पानी में डूबते नहीं थे, तो इस पुल के अवशेष समुद्र में मज्जित क्यों हैं? इसके वैज्ञानिक और धार्मिक पहलू हैं। विज्ञान की दृष्टि से 15वीं शताब्दी तक इस पुल से पैदल रामेश्वरम् से मन्नार द्वीप तक पहुंचा जा सकता था, किंतु सन् 1480 में आए समुद्री तूफान से सेतु का कुछ भाग टूट गया और समुद्र जल ऊपर आ गया। वैसे भी भौमिक परिवर्तन तो नियति है। कहा जाता है, कभी भारत और अफ्रीका के भूखंड मिले हुए थे। हिमालय की जगह समुद्र था। मंगल ग्रह पृथ्वी से टूटकर अलग अस्तित्व में आ गया। निर्माण और विनाश उत्थान और पतन सृष्टि का शाश्वत नियम है।

धार्मिक पक्ष के अनुसार लंका विजय के पश्चात् श्रीराम ने विभीषण के अनुरोध पर अपने बाण से इस सेतु द्वारा सामान्य आवागमन बाधित किया, जिसके राजनीतिक कारण थे, ताकि भारतीय शासक लंका पर आसानी से आक्रमण न कर सकें। अब एक जटिल प्रश्न उपस्थित है। वहां समुद्र का पाट धर्म ग्रंथों में सौ योजन कहा गया है। योजन चार कोस यानी आठ मील का होता है, जो लगभग 1300 किलोमीटर हुआ। पुल की चौड़ाई भी दस योजन वर्णित है। वास्तविकता में वहां समुद्र का पाट 48 किलोमीटर ही है। यदि कतिपय भौगोलिक परिवर्तन भी मान लिए जाएं, तो भी यह अंतर बहुत और समझ में न आने वाला है। इस बिंदु पर बहस और गवेषणाएं होनी चाहिए। आखिर इसके गूढ़ार्थ क्या हैं!

राजनीति में भ्रष्टाचार की चिंता के निहितार्थ

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

केंद्र सरकार ने संसद के हालिया सत्र में तीन विधेयक पेश किए हैं, जिनके पास हो जाने पर भ्रष्टाचार के आरोप में पुलिस हिरासत में तीस दिनों की अवधि पूरी होने के बाद संवैधानिक पदों पर बैठे मंत्री (जिनमें प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री भी शामिल हैं) स्वतः हट जाएंगे। पहली नजर में लगता है कि सरकार राजनीतिक भ्रष्टाचार के मसले पर सख्त और गंभीर है, लेकिन इस प्रक्रिया को जरा गौर से देखने से सरकार की सिर्फ उतावली का पता चलता है। इन विधेयकों को जिन परिस्थितियों में लाया गया, उससे किसी और राजनीतिक मकसद के संकेत मिल रहे हैं, जो लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं हैं।

सरकार की उतावली का अंदाजा ऐसे लगाया जा सकता है कि पहली बार ऐसा कानून बनाने की कोशिश की जा रही है, जिसमें भ्रष्टाचार के आरोपों के सिद्ध होने से महत्वपूर्ण फैक्टर पुलिस की हिरासत है। अब तक किसी राजनेता को पद से हटाने के लिए आरोपों का साबित होना या सजा का होना जरूरी था। सुप्रीम कोर्ट ने 2013 में लिली थॉमस केस में निर्णय दिया था कि विधायिका के सदस्यों को यदि दो साल या अधिक समय की सजा होती है तब वे किसी सार्वजनिक पद पर बने रहने के अयोग्य हो जाएंगे और सजा सुनाए जाने के समय के बाद से चुनाव भी नहीं लड़ सकेंगे। इस प्रक्रिया में पुलिस या हिरासत में रखने वाली

लोकसभा में पेश किए गए संशोधन बिल में पुलिस या हिरासत में रखने वाली एजेंसी का महत्वपूर्ण हो जाना एक खतरनाक संकेत है।

एजेंसी का महत्वपूर्ण हो जाना एक खतरनाक संकेत है। राजनीति की जरा सी भी समझ रखने वाला नागरिक जानता है कि सत्ताधारी दल अपने विरोधियों के खिलाफ इन एजेंसियों का कैसे दुरूपयोग करता है। एक और ध्यान देने लायक तथ्य है कि इस वक्त जितने लोग जेलों में बंद हैं, उनमें 75 प्रतिशत से अधिक अंडर-ट्रायल हैं। यानी उनका दोष सिद्ध नहीं हुआ है। सिर्फ कानून बना देने से क्या तीस दिन के भीतर नेताओं पर चल रहे मुकदमों का निर्णय हो जाएगा या उन्हें हिरासत में रखकर पुलिस को शांति से तीस दिनों का इंतजार करने और यह समय पूरा होते ही तत्परता से सरकार को सूचित करने के लिए कहा जाएगा। कायदे से तो एक विधेयक जांच और सुरक्षा एजेंसियों की स्वायत्तता के लिए लाया जाना चाहिए था, जिनका दुरुपयोग अब आम लोगों ही नहीं सर्वोच्च न्यायालय के जजों का भी ध्यान खींचने लगा है। तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कारपोरेशन पर प्रवर्तन निदेशालय के छापे के बाद बीती 22 मई को सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने टिप्पणी की, ईडी ने सारी हदें पार कर दी हैं।

यह कहानी सिर्फ भाजपा सरकार की नहीं है। याद रखा जाना चाहिए कि 2013 में जस्टिस आरएम लोढ़ा ने सीबीआई को 'पिंजरे का तोता' कहा था, तब केंद्र में यूपीए की सरकार थी। तब से भ्रष्टाचारियों को अपनी पार्टी में लाकर क्लीन चिट देने और विरोधियों के खिलाफ जांच एजेंसियों के दुरुपयोग की स्थिति और संगीन हुई है। इसी साल मार्च महीने में वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में जानकारी दी है कि पिछले दस सालों में ईडी ने राजनेताओं के खिलाफ 193 मामले दर्ज किए, लेकिन सजा सिर्फ दो मामलों (दोनों झारखंड के पूर्व मंत्री) में हुई। इनमें से 71 प्रतिशत मामले पिछले पांच सालों में दर्ज किए गए हैं। जाहिर तौर पर सरकार के इस कदम के पीछे की प्रेरणा अरविंद केजरीवाल लगते हैं, जिन्होंने कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार किए जाने के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने इनकार ही नहीं किया, वरन जेल से सरकार भी चलाई।

तब दिल्ली हाईकोर्ट ने भी कहा था कि इन परिस्थितियों में केजरीवाल को इस्तीफा देने के लिए बाध्य करने का कोई प्रावधान नहीं है। इसके उलट झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जमीन घोटाले के कथित आरोपों में गिरफ्तारी के बाद इस्तीफा देकर छह महीने जेल काटी, जिन्हें बाद में झारखंड हाईकोर्ट से क्लीनचिट मिल गई। दोनों मामलों में हुआ यह कि सोरेन पिछले लोकसभा चुनाव में प्रचार नहीं कर पाए और केजरीवाल को सिर्फ अठारह दिनों के लिए जमानत मिली।

इस दौरान उन्होंने पार्टी के उम्मीदवारों का प्रचार किया। यह भी ध्यान रखने लायक है कि यूपीपीए और पीएमएलए के प्रावधानों के तहत जमानत का मिलना अत्यधिक जटिल बनाया जा चुका है। ऐसे में किसी राजनेता को, जिसे गिरफ्तार ही पद से हटाने के इरादे से किया गया हो, उसकी जमानत को सिर्फ तीस दिन के लिए टालना बहुत मामूली बात है। इसे अमल में लाने के लिए पुलिस और अदालत की काम करने की धीमी प्रक्रिया की ओट ही काफी है।

फिलहाल ये विधेयक संसद में हंगामे के बाद संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजे जा चुके हैं, लेकिन प्रश्न उठता है कि जब विपक्ष ही नहीं लोकतंत्र की अन्य संस्थाएं भी कई वर्षों से सरकारी जांच एजेंसियों और पुलिस के राजनीतिक दुरुपयोग पर सवाल उठा रही हैं, ऐसे माहौल में इस तरह का बिल क्यों लाया गया, जिसमें एक मुख्यमंत्री का करियर एक दारोगा की मर्जी पर निर्भर हो जाएगा।

क्या वाकई इसके पीछे भ्रष्टाचार को मिटाने की मंशा है या कुछ और, क्योंकि इन दिनों ध्यान दिलाने से अधिक ध्यान भटकाने की राजनीति प्रभावी हो चली है। इसके तहत किसी बड़े और निर्णायक मुद्दे को दबाने के लिए कोई अन्य मुद्दा उछाला जाता है और समय बीतने का इंतजार किया जाता है। कहीं ऐसा तो नहीं है, यह चुनाव प्रक्रिया पर मचे बवाल से ध्यान हटाने की कवायद है, क्योंकि इस समय मतदाता सूचियों में धांधली का मुद्दा देशव्यापी हो चुका है और विपक्ष केंद्रीय चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन से लेकर महाभियोग की हद तक जाने के लिए तैयार है।

आमने

कभी बिहार की राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाली राजद आज कांग्रेस की पिछलग्गू बनकर रह गई है। राजद इतनी कमजोर हो गई है कि अब उसे बिहार में राहुल गांधी को घुमाना पड़ रहा है।
–**चिराग पासवान**, अध्यक्ष, लोजपा (राम विलास)

सामने

चिराग पासवान कोई मुद्दा नहीं हैं। उनको जनता भी नहीं पूछती है। हम उन पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। उन्हें सलाह जरूर देंगे कि वो मेरे बड़े भाई हैं, जल्द से जल्द शादी जरूर कर लें।
–**तेजस्वी यादव**, नेता, राष्ट्रीय जनता दल

चुनावी वादा नहीं, अधिकार है नारी सुरक्षा

संजय सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सत्ता संभालते के बाद उनके सख्त तेवरों से रोमियो (मनचलों) की शामत आ गई थी, लेकिन योगी के तेवर ढीले पड़ते ही यूपी में फिर वही पुरानी बीमारी लौट आई है। एंटी रोमियो स्क्वॉड की शुरुआत 2017 में हुई थी, जब योगी सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इन दुष्टों पर नकेल कसी थी, लेकिन अब 2025 में, जैसे ही सरकार के तेवर थोड़े ढीले पड़े, स्कूल और कॉलेजों के बाहर मनचले फिर मंडराने लगे हैं। पुलिस की गश्त गायब है और स्कूल-कॉलेज जाती लड़कियां रोजाना छेड़छाड़ का शिकार हो रही हैं। यह न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि एक खुली चुनौती है, उस सिस्टम को जो महिलाओं की इज्जत की रक्षा करने का दावा करता है। इन रोमियो बनने वाले गुंडों को अब सख्त सबक सिखाने का वक्त आ गया है, नहीं तो यह समाज की बेटियों को और कितना सहन करवाएगा?

कल्पना कीजिए, जब एक 16 साल की स्कूली लड़की, किताबें थामें घर से निकलती है, तो वह कितनी सहमी रहती होगी, क्योंकि रास्ते में अथवा स्कूल गेट के बाहर, कॉलेज कैंपस के पास हर जगह उसके साथ छेड़छाड़ करने वाले मनचले घात लगाए बाइक पर बैठे या गुट बनाकर खड़े नजर आ जाते हैं। फब्तियां कसना, सीटी मारना, पीछा करना या हाथ लगाने की कोशिश, ये सब अब रोजमर्रा की बात हो गई है। जुलाई 2025 में उन्नाव जिले में एक स्कूली लड़की ने तंग आकर खुद ही आरोपी को सार्वजनिक रूप से थप्पड़ जड़ दिए। वीडियो वायरल हुआ, लेकिन क्या इससे समस्या हल हो गई? नहीं!

यह तो सिर्फ एक उदाहरण है कि बेटियां अब खुद अपनी रक्षा करने को मजबूर हैं, क्योंकि पुलिस कहां है? 2023 में अंबेडकर नगर में एक साइकिल चलाती लड़की की छेड़छाड़ के कारण मौत हो गई थी, लेकिन 2025 में भी स्थिति जस की तस है। ये मनचले कौन हैं? ये वही कमजोर दिमाग वाले कायर हैं, जो महिलाओं को कमजोर समझकर अपनी मर्दानगी दिखाते हैं, लेकिन हकीकत में ये समाज के कीड़े हैं, जो बेटियों की जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं।

एंटी रोमियो स्क्वॉड का क्या हुआ? 2017 से 2025 तक इस स्क्वॉड ने 1.4 करोड़ लोगों को चेतावनी दी, 32,077 पर चालान काटे और केस दर्ज किए। मार्च 2025 में डीजीपी ने बताया कि 24,000 से ज्यादा केस दर्ज हो चुके हैं, लेकिन अब? अगस्त 2024 में स्क्वॉड को फिर से एक्टिवेट करने के आदेश दिए गए थे, मुख्यमंत्री योगी ने महिलाओं की सुरक्षा पर जोर दिया था। मई 2025 में लखनऊ में इसे 'महिला सुरक्षा टीम' नाम दिया गया। फिर भी, जमीनी हकीकत अलग है। फरवरी 2025 में रिपोर्ट्स आईं कि 2022 चुनावों से पहले आलोचना के कारण स्क्वॉड को स्केल बैक कर दिया गया था।

अब पुलिस स्कूल-कॉलेजों के बाहर नजर नहीं आती। मनचले बेखौफ हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि सजा का डर कम हो गया है। यह ढीलापन नहीं, अपराध को बढ़ावा देना है! ये सिर्फ छेड़छाड़ नहीं करते, वे महिलाओं की आजादी छीनते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 90 प्रतिशत महिलाएं सार्वजनिक जगहों पर छेड़छाड़ का शिकार होती हैं। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में, जहां बेटियां शिक्षा के लिए संघर्ष कर रही हैं, ये घटनाएं उन्हें घर बैठने पर मजबूर कर देती हैं। याद कीजिए 2017 को, जब एंटी रोमियो स्क्वॉड ने शुरुआत की थी, तब मनचलो में खौफ था, लेकिन अब? ये स्क्वॉड कभी-कभी मॉरल पुलिसिंग में बदल गए, कभी प्राइवेसी का उल्लंघन करने लगे, लेकिन मूल मकसद तो महिलाओं की सुरक्षा था। आज जरूरत है सख्ती की, न कि नाम बदलने की। हर जिले में पुलिस को 24x7 गश्त करनी चाहिए।

एक कॉलेज स्टूडेंट रोजाना घर से निकलती है, लेकिन मन में डर रहता है? क्या आज सुरक्षित पहुंचूंगी? ये डर इन रोमियो की वजह से है, जो खुद को हीरो समझते हैं, लेकिन असल में विलेन हैं। माता-पिता, शिक्षक और युवा सबको मिलकर इनके खिलाफ आवाज उठानी होगी। सरकार एंटी रोमियो स्क्वॉड को फिर से पूरी तरह से एक्टिव करे, पुलिस को ट्रेनिंग दी जाए और स्कूल कॉलेजों के बाहर और आस-पास सीसीटीवी लगाए जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अधिकारियों के पेंच कसना होगा, वह फिर से सख्त तेवर दिखाएंगे, तभी हमारी बच्चियों को घर के बाहर सुरक्षा मिलेगी, नहीं तो ये रोमियो राज्य को बदनाम कर देंगे। महिलाओं की सुरक्षा कोई चुनावी वादा नहीं, बुनियादी हक है। आखिर कब तक बेटियां सहेंगी?

2022 के चुनावों से पहले आलोचना के कारण एंटी रोमियो स्क्वॉड को स्केल बैक कर दिया गया था। अब पुलिस स्कूल-कॉलेजों के बाहर नजर नहीं आती और मनचले बेखौफ हैं।

सामयिकी

सांस्कृतिक पुनर्स्थापना है जगहों के नाम बदलना

ऋग्वेद में कहा गया है कि किसी पदार्थ का नाम रखकर उसे पहचानना ज्ञान का प्रथम चरण है। शब्द और उसके अर्थ दीर्घकाल में बोध संपदा बन जाया करते हैं। ऐसे में यदि किसी वस्तु या स्थान का नामकरण सही न हो तो उसे उचित क्रम में परिवर्तन करना आवश्यक है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जनपद की तहसील जलालाबाद का नाम कुछ दिन पूर्व ही परिवर्तन करके परशुरामपुरी कर दिया गया है। इस स्थान को भगवान परशुराम का जन्म स्थान कहा जाता है।

भगवान परशुराम के जन्म स्थान के लिए कुछ अन्य स्थानों के लोग भी अपने दावे करते रहते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने संघ दृष्टि से काफी समय से इस स्थान का नाम परशुरामपुरी रख रखा था।

अमित त्यागी
स्तंभकार एवं राष्ट्रवादी विचारक

सरकारी दृष्टि में नाम परिवर्तन के बाद संघ दृष्टि सही साबित हुई है, इसलिए परशुरामपुरी नाम सिर्फ एक नाम परिवर्तन मात्र नहीं है। यह बाजार और चर्च की अवधारणा से लोहा लेते हुए सांस्कृतिक पुनर्स्थापना है।

आक्रांताओं और लुटेरों के नाम पर बने स्थान भारत की सांस्कृतिक चेतना को कमजोर करते हैं। हमें मानसिक गुलामी में उलझाए रखने का कार्य करते हैं। पूरी दुनिया में सांस्कृतिक आधार पर नामों में परिवर्तन होते रहे हैं। पर्शिया का नया नाम आज ईरान है। आज जो म्यांमार है, वह पहले बर्मा था। आज का जॉर्डन पहले ट्रांसजार्डन था। श्रीलंका का पूर्व नाम सीलोन था। इस तरह से वह पूरा परिक्षेत्र, जिसमें भारतीय संस्कृति निवास करती थी, उसका नाम आर्यावर्त था।

भारत के विभिन्न जिलों के नामों में परिवर्तन होता रहा है। कभी बांबे रहा शहर आज मुंबई है। मद्रास आज चेन्नई है। उत्तर प्रदेश में फैजाबाद, इलाहाबाद का नाम परिवर्तन कर अयोध्या और प्रयाग किया गया। अभी भी बहुत से नाम परिवर्तन की मांग उठती रहती है। हाल ही में उमा भारती ने शाहजहांपुर का नाम बदलने की आवाज उठाई है। शाहजहांपुर बलिदानियों की भूमि रही है। काकोरी एक्शन प्लान के नायक राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्लाह खां एवं रोशन सिंह इस जिले से आते हैं।

अलीगढ़ को हरिगढ़, मैनपुरी को मयनपुरी और ऐसे ही अनेक नाम परिवर्तन की चर्चाएं होती रहती हैं। सभी नाम परिवर्तन संभव नहीं दिखते हैं, किंतु इन नामों के बदलने की वजह स्पष्ट है। भारत का जनमानस लुटेरों और आक्रांताओं के नाम से छुटकारा चाहता है। स्वाधीनता का अर्थ है, स्व के अधीन। भारत यदि भारतीयता के आधार पर स्थापित होता है तो यह स्वाधीनता है। नामों से मुक्ति भी एक तरह की स्वाधीनता है।

सोशल फोरम

हर किसी की सांस की अपनी एक पहचान है

यह पाया गया है कि जिस तरह आप सांस लेते हैं, वह केवल जीवन को बनाए रखने का साधन ही नहीं है, बल्कि आपकी उंगलियों के निशान जितना ही अनोखा एक पहचान चिन्ह भी है। एक रोचक नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने खोज की कि सांस लेने के पैटर्न से व्यक्ति की पहचान 97% सटीकता तक की जा सकती है।

नाक के नीचे पहने जाने वाले एक छोटे उपकरण के माध्यम से उन्होंने पूरे दिन में सांस से जुड़ी 24 सूक्ष्म विशेषताओं को ट्रैक किया- जैसे श्वास लेने की अवधि, श्वास छोड़ने के बाद का ठहराव और लय। परिणाम साफ थे। हर व्यक्ति का सांस लेने का पैटर्न विशिष्ट और आश्चर्यजनक रूप से स्थिर था, यहां तक कि दो साल बाद फिर से मापने पर भी, लेकिन यहां से यह और भी दिलचस्प हो जाता है। आपकी सांस केवल आपकी पहचान ही नहीं बताती, बल्कि यह आपके स्वास्थ्य का संकेत भी दे सकती है।

चंद्राशिम सिंह
ब्लॉगर

अध्ययन में सांस लेने के पैटर्न और शरीर के भार सूचकांक (BMI), नींद की अवस्थाओं और यहां तक कि मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंध पाए गए। उदाहरण के लिए, चिंता (Anxiety) से ग्रस्त लोग नींद के दौरान अपेक्षाकृत छोटी श्वास लेते थे और उनकी सांसों में अधिक ठहराव देखा गया।

इससे यह संकेत मिलता है कि एक दो-तरफा संबंध है- चिंता सांसों के ढर्रे को बदलती है और संभव है कि सांस लेने के पैटर्न भी चिंता को प्रभावित करते हों। यदि यह सत्य है, तो सचेत रूप से सांस लेने के तरीकों को बदलना मानसिक स्वास्थ्य को संभालने का एक शक्तिशाली साधन बन सकता है। शोधकर्ता अब इस उपकरण को और छोटा तथा रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए ज्यादा आरामदेह बनाने पर रिसर्च कर रहे हैं।

चिकित्सा से परे, यह खोज नई बायोमेट्रिक पहचान प्रणालियों का द्वार भी खोल सकती है- एक ऐसी दुनिया, जहां आपकी साँस, आपकी उंगली के निशान या चेहरे की तरह, एक दिन आपके फोन को अनलॉक कर सकेगी। जो कभी केवल जीवन की अदृश्य लय थी, वही अब यह प्रकट कर रही है कि हम कौन हैं और कैसा महसूस करते हैं!

-फेसबुक वाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

नए प्लेटफार्म पर चार नई कॉन्सेप्ट SUV से

महिंद्रा ने दिखाया भविष्य

NU_UX प्लेटफॉर्म पर महिंद्रा अलग-अलग तरह के इंजन और डिजाइन के साथ प्रयोग करेगा। यह प्लेटफॉर्म हर तरह के मूड के लिए तैयार किया गया है। जिसमें FWD, AWD, इलेक्ट्रिक (EV) और आइस सब कुछ शामिल हैं। सबसे पहले आने वाली चारों SUV 3.9 से 4.3 मीटर लंबी होंगी, यानी सब-कॉम्पैक्ट से कॉम्पैक्ट एसयूवी तक का मजा।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने चार नई SUV कॉन्सेप्ट Vision X, Vision T, Vision S, और Vision SXT का अनावरण करके ग्लोबल मार्केट पर धाक जमाने की तैयारी कर ली है। यह चारों एसयूवी कंपनी के नए NU_IQ प्लेटफॉर्म पर डेवलप की जाएंगी, जो अलग-अलग डिजाइन लैंग्वेज और सेगमेंट सामने लाएंगी। महिंद्रा NU_IQ प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल भारतीय और ग्लोबल बाजार में आने वाले वाहनों के लिए किया जाएगा। ये कॉन्सेप्ट एसयूवी पेट्रोल, डीजल, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन को सपोर्ट करेंगे और 2027 से डिलीवर होंगे। महिंद्रा का फोकस देश-दुनिया के बाजार में नई संभावनाएं तलाशने के साथ देश की सबसे बड़ी SUV कंपनी बनने का है। इसीलिए चारों SUV के डिजाइन को कंपनी 'हार्टकोर डिजाइन' कह रही है। कंपनी का दावा है कि इन गाड़ियों में कंफर्टेबल सीटों के साथ ड्राइविंग एक्सपीरियंस काफी मजेदार रहने वाला है। बढ़िया केबिन और बूट स्पेस मिलेगा। विजन सीरीज की ये गाड़ियां हल्की और सेफ्टी के मामले में सर्वोत्तम जैसी होंगी। इनमें Sci-Fi टेक्नॉलाजी के साथ ही NU_UX सिस्टम गाड़ी चलाना आसान बनाएगा। ये SUV फ्रंट व्हील ड्राइव (FWD) और ऑल व्हील ड्राइव (AWD) दोनों में उपलब्ध होंगी। लेफ्ट और राइट हैंड ड्राइव दोनों तरह से बनाई जा सकती हैं।

विजन एस का मतलब नई स्कॉर्पियो का दमदार अपग्रेड

- Vision S स्कॉर्पियो लाइन का हिस्सा है। चौकोर आकार के बॉक्सी शेप के साथ इसमें आधुनिक फ्लश डोर हैंडल, एल आकार की एलईडी लाइटिंग और छत पर लगे लैंप हैं, जो इसे ऑफ रोड के लिए नया और समकालीन लुक देते हैं।

विजन एसएक्सटी थार रॉक्स का नया वर्जन है

- Vision SXT काफी कुछ Vision T जैसी दिखती है। इसमें ट्रक जैसा केबिन दिया गया है। पिकअप-स्टाइल लोडिंग बे है, जिसमें दो स्पेयर टायर्स के लिए जगह है, जो इसे एक एडवेंचर केंद्रित, बहुउद्देश्यीय लुक और फॉर्म फैक्टर देता है।

थार-ई का अगली पीढ़ी के लिए विकास है विजन टी

Vision T मूल रूप से 2023 थार-ई का विकास है, जो अगली पीढ़ी के लिए थार को एक बॉक्सी, सैन्य-प्रेरित रुख, ऊर्ध्वाधर ग्रिल और मजबूत ऑफ रोड हार्डवेयर के साथ पेश करता है, इसमें चंकी टायर और एक प्रमुख पीला टो हुक है।

विजन एक्स में XUV 3XO और 500 का स्टाइलिश रूप

- Vision X सब-फोर-मीटर एसयूवी है। इसका डिजाइन स्पोर्टी, क्रासओवर जैसा है। इसमें शार्प जियोमेट्रिक पैनल, ग्लॉस ब्लैक व्हील आर्च, और कनेक्टेड एलईडी टेल लैंप और स्लीक डीआरएल के साथ एक ढलान वाली रूफलाइन दी गई है।

इतिहास और विकास के मील पत्थर जैसे कारों के लोगो

कारों के लोगो सिर्फ डिजाइन, ब्रांड के प्रतीक या सजावट जैसे नहीं होते हैं। ये सांस्कृतिक कलाकृतियों जैसे हैं, जो विरासत और गौरवशाली इतिहास के साथ अपनी विकास गाथा सुनाते हैं। ऑटोमोटिव पहचान की यात्रा में कारों के लोगो मील के पत्थर जैसे हैं। मर्सिडीज का स्टार हो या लैम्बोर्गिनी का बैल अथवा हुंडई का घुमावदार एच, ये प्रतीक रचनाकारों की दूरदर्शिता तथा मूल्यों को दर्शाते हैं। ब्रांड के प्रति लोगों की भावनाएं जगाते हैं, पहचान बनाकर भरोसा पैदा करते हैं। कार कंपनियां भी लोगो के जरिए न सिर्फ अपनी प्रतिष्ठा बनाती हैं, बल्कि संदेश देती हैं। इसके चलते ही ये लोगो हमारे साथ इतनी गहराई से घुल मिल गए हैं कि हम इन्हें देखते ही न सिर्फ पहचान जाते हैं, बल्कि कंपनियों के विशिष्ट गुणों से भी जोड़ लेते हैं।

रोल्स रॉयस विलासिता की प्रेम कथा

- हर रोल्स रॉयस कार के बोनट पर लगी मूर्ति 'स्पिरिट ऑफ एक्स्टसी' एक महिला का प्रतिनिधित्व करती है, जिसे प्यार से द फ्लाइंग लेडी के नाम से भी जाना जाता है। यह खूबसूरत आकृति 20वीं सदी की शुरुआत में बनी थी। इसमें एक महिला आगे की ओर झुकी हुई है और उसके हाथ ऊपर की ओर फैले हुए हैं। इस अवस्था में उसके कपड़ों का आकार पंखों जैसा है। रोल्स रॉयस का यह लोगो एक शताब्दी से ज्यादा समय से विलासिता, शान और खामोशी का प्रतीक बना हुआ है।

मर्सिडीज बेंज का सिल्वर एरो

- मर्सिडीज बेंज का तीन नुकीला सितारा सबसे ज्यादा पहचाने जाने वाले प्रतीकों में से एक है। सिल्वर एरो की कहानी इस प्रतीक के पीछे छिपी रेसिंग विरासत को दर्शाती है। 1880 के दशक में गॉटलिब डेमलर द्वारा निर्मित तीन नुकीले तारे का उद्देश्य कंपनी की जमीन, समुद्र और हवा में परिवहन के क्षेत्र में प्रभुत्व स्थापित करने की महत्वाकांक्षा का प्रतीक था। उन्होंने कहा भी था कि एक दिन यह तारा हमारी विजयी फैक्ट्रियों पर चमकेगा।

ऑडी के चार रिंग चार इतिहास

- ऑडी के चार इंटरलॉकिंग रिंग जर्मन ऑटोमोटिव उद्योग में एकता और सहयोग की कहानी बताते हैं। प्रत्येक रिंग उन चार कंपनियों में से एक का प्रतिनिधित्व करती है जिनका 1932 में विलय होकर ऑटो यूनियन एजी बनी। यह विलय महामंदी की आर्थिक चुनौतियों का जवाब था। अपने संसाधनों और विशेषज्ञता को मिलाकर, इन चार कंपनियों ने जर्मनी के सबसे सफल ऑटोमोटिव समूहों में से एक का निर्माण किया। ये आपस में जुड़ी हुई रिंग्स उसी ताकत का प्रतीक हैं।

टेस्ला इलेक्ट्रिक क्रांति का उद्घोष

- टेस्ला का लोगो ऑटोमोटिव डिजाइन में एक नए युग का प्रतीक है। साफ-सुथरा, न्यूनतम, और उनके वाहनों को शक्ति प्रदान करने वाली तकनीक से गहराई से जुड़ा हुआ। हालांकि कई लोग मानते हैं कि 'T' का मतलब सिर्फ टेस्ला है, लेकिन एलन मस्क के अनुसार यह लोगो एक इलेक्ट्रिक मोटर के क्रॉस-सेक्शन को दर्शाता है, जो कंपनी के नामधारी निकोला टेस्ला द्वारा डिजाइन किए गए मूल एसी मोटर डिजाइन से प्रेरित है। ऊपर का वक्र स्टेटर (मोटर का स्थिर भाग) दर्शाता है, जबकि ऊर्ध्वाधर रेखा रोटर (घूमने वाले भाग) को दर्शाती है।

टोयोटा के भरोसा जगाते तीन वृत्त

- टोयोटा का लोगो देखने में भले ही साधारण लगे, लेकिन इसमें कंपनी के दर्शन और मूल्यों का गहरा अर्थ छिपा है। तीन अतिव्यापी दीर्घवृत्त ग्राहक के हृदय, कंपनी के हृदय और उन्हें एक साथ लाने वाले तकनीकी नवाचार का प्रतिनिधित्व करते हैं। आंतरिक दीर्घवृत्त टोयोटा के लिए एक 'T' बनाते हैं, जबकि उनका अतिव्यापन कंपनी और उसके ग्राहकों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध दर्शाता है। बाहरी दीर्घवृत्त टोयोटा की वैश्विक पहुंच और दुनिया द्वारा उनके उत्पादों को अपनाने का प्रतीक है।

होंडा के लोगो में हुए कई परिवर्तन

होंडा के लोगो में कई परिवर्तन और डिजाइन आए, लेकिन 'H' हमेशा बना रहा। 1960 के दशक की शुरुआत में होंडा के पहले लोगो में बरगंडी रंग की पृष्ठभूमि के नीचे H और Honda लिखा था। 'H' ऊपर से चौड़ा और नीचे से पतला था। 2000 के लोगो ने डिजाइन में ज्यादा रंग और बनावट ला दी। अब इस प्रतीक में 3D सिल्वर डिजाइन है जो क्लासिक 'H' डिजाइन में नया आयाम जोड़ती है। टाइपफेस पुराना है, लेकिन इसमें लाल रंग का इस्तेमाल है।

हुंडई हाथ मिलाने व आगे बढ़ने की दास्तां

हुंडई का लोगो हमेशा से स्टाइलिश 'H' नहीं था। 1967 में कंपनी की स्थापना के बाद से इसकी पहचान में कई बदलाव आए हैं। जब हुंडई ने ऑटोमोटिव क्षेत्र में प्रवेश किया, तो लोगो 'HYUNDAI' था, लेकिन कंपनी वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनी तो लोगो बदल गया। अब हुंडई में अंडाकार फ्रेम में 'H' लिखा है। इसे आगे की गति का एहसास दिलाने के लिए झुकाया गया है। यह दो लोगों को हाथ मिलाते हुए भी दर्शाता है, जो कोरियाई भाषा में 'हुंडई' शब्द से मेल खाता है।

फेरारी का उछलता घोड़ा

- पीले रंग की पृष्ठभूमि पर काला घोड़ा युद्ध, क्षति और श्रद्धांजलि की एक ऐसी कहानी समेटे हुए है जो इसे इतालवी संस्कृति के लिए बेहद खास बनाती है। यह प्रतीक मूल रूप से प्रथम विश्व युद्ध के दौरान इटली के शीर्ष लड़ाकू विमान काउंट फ्रांसेस्को बाराका का था। जिसने 34 हवाई जीतों में साथ दिया। फेरारी ने यह प्रतीक चिन्ह तो अपना लिया, लेकिन काले घोड़े को पीले रंग की पृष्ठभूमि पर कर दिया जो फेरारी के गृहनगर मोडेना के रंगों का प्रतिनिधित्व करता था। एंजो फेरारी ने इसे पहली बार 1932 में फेरारी कारों पर इस्तेमाल किया।

बीएमडब्ल्यू झंडे की पहचान

बीएमडब्ल्यू का विशिष्ट गोलाकार चिह्न ऑटोमोटिव जगत में काफी गफलत वाले लोगो में से एक है। कई लोग मानते हैं कि यह घूमते हुए विमान के प्रोपेलर का प्रतीक है, लेकिन यह मिथक है, वास्तव में बीएमडब्ल्यू का लोगो बवेरिया के झंडे का प्रतिनिधित्व करता है, वह जर्मन राज्य जहां कंपनी की स्थापना हुई थी। नीले और सफेद रंग का चौथाई डिजाइन बवेरिया के झंडे से लिया गया है। काला बाहरी घेरा रैप मोटोरेनवेर्के से विरासत में मिला है, जो विमान इंजन बनाने वाली कंपनी है और जिससे बीएमडब्ल्यू का विकास हुआ।

लेम्बोर्गिनी का सांड़, ताकत बेमिसाल

लेम्बोर्गिनी के बैल की कहानी व्यक्तिगत और ज्योतिषीय दोनों है। कंपनी के संस्थापक, फेरुशियो लेम्बोर्गिनी, वृषभ राशि में पैदा हुए थे, जिसका प्रतिनिधित्व बैल करता है। वह स्पेनिश बुलफाइटिंग के जबरदस्त प्रशंसक थे और अपने फार्म में लड़ाकू सांड़ पालते थे। सांड का शक्तिशाली और आक्रामक रुख उस चरित्र का बखूबी प्रतिनिधित्व करता था जो लेम्बोर्गिनी अपनी कारों में चाहते थे, अपरिष्कृत शक्ति, दृढ़ संकल्प, और लड़ाई से पीछे हटने की अनिच्छा।

पोर्श गौरव व इतिहास की झलक

पोर्श का लोगो हेराल्डिक डिजाइन का उत्कृष्ट नमूना है जो जर्मनी के स्टटगार्ट में कंपनी की जड़ों को श्रद्धांजलि देता है। इसके प्रतीक चिन्ह में स्टटगार्ट शहर और वुर्टेमबर्ग राज्य, दोनों के तत्वों का समावेश है, जिससे एक ऐसा लोगो बनता है जो क्षेत्रीय गौरव और ऐतिहासिक महत्व से भरपूर है। बीच में स्थित काला घोड़ा स्टटगार्ट का प्रतीक है, जिसका नाम स्टुटेनगार्टन से आया है, जिसका अर्थ है, घोड़ी का बगीचा। सींगों वाली लाल और काली धारियां वुर्टेमबर्ग के राज्यचिह्न का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो पूर्व जर्मन राज्य है जहाँ स्टटगार्ट स्थित है।

आईएचसीएल की बाजारों पहुंच के लिए अधिग्रहण पर विचार

नई दिल्ली। देश की आतिथ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) मौजूदा बाजारों में पहुंच बढ़ाने और यूरोप तथा दक्षिण पूर्व एशिया के चुनिंदा गंतव्यों में प्रवेश करने के लिए रणनीतिक अधिग्रहण पर विचार कर रही है। कंपनी के सीईओ पुनीत चटवाल ने बताया कि टाटा समूह के स्वामित्व वाली कंपनी अपने प्रमुख ब्रांड ताज के लिए व अधिक भौतिक संपत्ति का अधिग्रहण नहीं करेगी।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 25 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

बीपीसीएल ने प्रतिद्वंद्वियों से किया बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा ईंधन कंपनियों ने जून तिमाही में अच्छा मुनाफा दर्ज किया। खुदरा कीमतों के स्थिर रहने से पेट्रोल और डीजल के मार्जिन में बढ़ोतरी हुई और पहले के बचे हुए भंडार पर घाटे की भरपाई हो गई। कंपनियों द्वारा शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने 2025-26 की पहली तिमाही अप्रैल-जून में 16,184 करोड़ रुपये का कुल लाभ दर्ज किया। यह आंकड़ा सालाना आधार पर ढाई गुना से भी अधिक है। इन तीनों कंपनियों में बीपीसीएल 6,124 करोड़ रुपये के लाभ के साथ सबसे आगे रही।

क्रेडिट कार्ड कारोबार नए सिरे से बढ़ाएगा पीएनबी

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) अपनी अन्य आय बढ़ाने के लिए नवंबर से क्रेडिट कार्ड परिचालन को नए सिरे से बढ़ाने की योजना बना रहा है। बैंक को उम्मीद है कि उस समय तक उसका नया आईटी बुनियादी ढांचा तैयार हो जाएगा। बैंक के प्रबंध निदेशक अशोक चंद्रा ने बताया कि क्रेडिट कार्ड बाजार में पीएनबी प्रभावशाली स्थिति में नहीं है, हालांकि इसकी विशेषताएं बाजार में मौजूद किसी भी अन्य कार्ड के बराबर हैं। हमने क्रेडिट कार्ड विभाग को मजबूत किया है और व्यवसाय के लिए एक महाप्रबंधक को प्रभारी नियुक्त किया है। हम व्यवसाय को सहयोग देने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे को भी बढ़ा रहे हैं। क्रेडिट कार्ड कारोबार में व्यापक बदलाव हो रहे हैं।

टायर उद्योग में 7-8% वृद्धि की संभावना

नई दिल्ली। भारत के टायर उद्योग में चालू वित्त वर्ष के दौरान 7-8% की बढ़ोतरी का अनुमान है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, यह वृद्धि मुख्य रूप से 'रिप्लेसमेंट डिमांड' यानी पुराने टायरों को बदलकर नए टायर खरीदने की बढ़ती मांग के कारण हो रही है। जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज के एमडी अंशुमान सिंघानिया और अपोलो टायर्स के सीएफओ गौरव कुमार ने कहा कि लोगों के पुराने टायरों के बदलने से 7-8% की वृद्धि की संभावना है। वहीं टायरों का निर्यात 2024-25 में 25,000 करोड़ से अधिक हुआ है।

फेडरल के फैसले से बदलेगी बाजार की गति

विदेशी निवेशकों की गतिविधियां, वैश्विक और आर्थिक आंकड़े तय करेंगे रुझान

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की संभावना से घरेलू शेयर बाजार में आशावाद बढ़ सकता है। विश्लेषकों के अनुसार, निवेशकों का ध्यान भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त अमेरिकी शुल्क लगाने की समयसीमा नजदीक आने पर भी है। वहीं, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों, वैश्विक रुझानों और व्यापक आर्थिक आंकड़ों से इस सप्ताह शेयर बाजार के रुझान तय होंगे। बुधवार को गणेश चतुर्थी से शेयर बाजार बंद रहेंगे।

उन्होंने कहा कि सकारात्मक वैश्विक संकेतों से कुछ समर्थन मिलने की संभावना है, क्योंकि फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने जैक्सन हॉल संगोष्ठी में अपने भाषण में ब्याज दरों में संभावित कटौती का संकेत दिया है, जिसके बाद अमेरिकी बाजारों में उछाल आया और डॉलर सूचकांक कमजोर हुआ। स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा कि एक अन्य कारक भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त 25% शुल्क लगाने की अमेरिकी योजना से संबंधित 27 अगस्त की समय सीमा होगी। स्पष्टता के अभाव में एफआईआई की भागीदारी कम रह सकती है। साथ ही

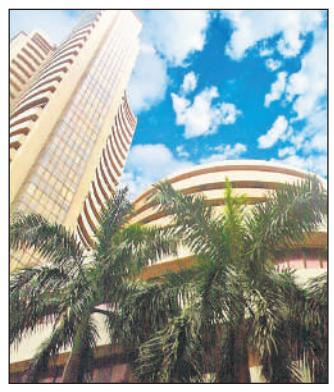

- सकारात्मक वैश्विक संकेतों से कुछ समर्थन मिलने की संभावना

अमेरिका, चीन और भारत के व्यापक आर्थिक आंकड़ों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को तेज बढ़त के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.89%, नैस्डैक कंपोजिट 1.88% और एसएंडपी 500 1.52% चढ़ा।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल के जैक्सन हॉल भाषण से सितंबर में ब्याज दरों में कटौती का संकेत मिलता है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि हमें उम्मीद है कि जीएसटी 2.0 सुधारों और घरेलू स्तर पर व्यापक आर्थिक मजबूती को लेकर आशावाद से भारतीय शेयर बाजारों को समर्थन मिलता रहेगा। वैश्विक स्तर पर भारत के खिलाफ अमेरिकी शुल्क कार्रवाई पर स्पष्टता आने और भारत तथा अमेरिका, दोनों के जीडीपी आंकड़े निवेशकों की धारणा को आकार देंगे।

शीर्ष आठ कंपनियों की पूंजी 1.72 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में आठ का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह 1,72,148 .89 करोड़ रुपये बढ़ा। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा बढ़त के साथ शीर्ष पर रही। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 709 .19 अंक या 0 .87 प्रतिशत उछला। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस को लाभ हुआ। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक और भारतीय स्टेट बैंक के मूल्यांकन में गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

एफपीआई ने बाजार से निकाले 6,455 करोड़

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में भारतीय बाजार से 6,455 करोड़ रुपये की निकासी की है। एफपीआई एक तरफ जहां इक्विटी में बिकवाली कर रहे हैं वहीं वे डेट और म्यूचुअल फंड खरीद रहे हैं। सीडीएसएल के अनुसार, एफपीआई ने 22 अगस्त तक शुद्ध रूप से 22,040 करोड़ की इक्विटी बेची है। डेट में उनका निवेश 14,073 करोड़ बढ़ गया है। हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट में उन्होंने 63 करोड़ लगाए हैं। म्यूचुअल फंड में उन्होंने 1,449 करोड़ की लिवाली की। तीसरा महीने से एफपीआई बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। इस साल मार्च और मई को छोड़कर शेष सभी महीनों में एफपीआई ने बाजार से निकासी की है। पूरे वर्ष में एफपीआई ने पूंजी बाजार से 57,859 करोड़ रुपये निकाले हैं।

सीआईआई ने विकसित भारत के लिए पेश किया सुधारों का खाका

नई दिल्ली, एजेंसी

उद्योग मंडल सीआईआई ने रविवार को भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार का खाका पेश किया है। इसमें सरलीकृत जीएसटी संरचना, गैर-रणनीतिक सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण, युक्ति संगत शुल्क संरचना, विवादों के शीघ्र समाधान, राष्ट्रीय रोजगार और गिग अर्थव्यवस्था नीतियों पर जोर दिया गया है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने अपनी रिपोर्ट 'प्रतिस्पर्धी भारत के लिए नीतियां' में 14 महत्वपूर्ण सुधार क्षेत्रों में 250 से अधिक सिफारिशें की हैं। इसमें कहा गया कि उद्योग जगत के प्रमुखों, अर्थशास्त्रियों और नीति विशेषज्ञों के साथ व्यापक परामर्श के जरिये विकसित यह खाका सरकार के विकसित भारत के नजरिये के अनुरूप है। सीआईआई के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कहा कि ये सिफारिशें सरकार के सुधारों के साथ निकटता से जुड़ी हैं और प्रधानमंत्री के साहसिक एवं रूपांतरकारी बदलाव के आह्वान का समर्थन करती हैं। जीवंत दस्तावेज के रूप में एक प्रतिस्पर्धी भारत के लिए नीतियां लगातार विकसित होती रहेंगी और नीति निर्माताओं के समर्थन में नए विचार लेकर आएंगी।

सुधार के क्षेत्रों में राजकोषीय सूझबूझ, मुद्रास्फीति प्रबंधन और आधुनिक सांख्यिकीय प्रणालियां, गैर-रणनीतिक सार्वजनिक उपक्रमों

- भारतीय उद्योग परिसंघ ने अपनी रिपोर्ट में 14 महत्वपूर्ण सुधार क्षेत्रों में 250 से अधिक सिफारिशें कीं

का निजीकरण, एक संप्रभु धन कोष का निर्माण, छोटे उल्लंघनों का गैर-अपराधीकरण, समयबद्ध अनुमोदन, एकल-खिड़की मंजूरी और दूसरी पीढ़ी के आईबीसी सुधार, सुव्यवस्थित श्रम संहिताएं, न्यूनतम वेतन रूपरेखा और त्वरित विवाद समाधान शामिल हैं। उद्योग मंडल ने ऊर्जा नीति सुधारों की भी सिफारिश की है, जिनमें प्रतिस्पर्धी शुल्क, क्रॉस-सब्सिडी यानी एक की कीमत पर दूसरे को सब्सिडी की व्यवस्था समाप्त करने, मजबूत पारेषण नेटवर्क, परमाणु ऊर्जा में निजी भागीदारी और हरित हाइड्रोजन खाका शामिल हैं।

रिपोर्ट में विस्तारित वाणिज्यिक अदालतों, मध्यस्थता परिषदों और मजबूत न्यायाधिकरण के माध्यम से विवादों के त्वरित समाधान का भी सुझाव दिया है। सीआईआई के पूर्व अध्यक्ष और जवाबी शुल्क पर कार्यबल के चेयरमैन संजीव बजाज ने कहा, जैसे-जैसे भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है, उसे अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए इस सुधार एजेंडे में और तेजी लानी होगी।

निर्यात बढ़ाने को 25,000 करोड़ देगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार बजट में घोषित निर्यात संवर्धन मिशन के तहत वर्ष 2025 से 2031 तक के लिए निर्यातकों को 25,000 करोड़ रुपये की सहायता देने वाले उपायों पर विचार कर रही है। इसका मुख्य उद्देश्य निर्यातकों को आसान और किफायती ऋण उपलब्ध कराना है।

वाणिज्य मंत्रालय ने यह प्रस्ताव वित्त मंत्रालय की व्यय वित्त समिति (ईएफसी) के पास भेजा है। यदि इन उपायों को मंजूरी मिलती है, तो ये भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न होने वाली वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं से बचाने

में मदद कर सकते हैं। ईएफसी से प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद वाणिज्य मंत्रालय केंद्रीय मंत्रिमंडल से संपर्क करेगा। प्रस्तावित मिशन का उद्देश्य छह वर्षों (2025-31) में व्यापक, समावेशी और टिकाऊ निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देना है। इसके तहत पारंपरिक तरीकों से आगे जाकर उन प्रमुख बाधाओं को दूर करने के नए उपाय खोजे जाएंगे, जिनका सामना भारतीय निर्यातक खासकर एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) करते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, इस मिशन को दो उप-योजनाओं के जरिए लागू करने का प्रस्ताव है, जिसमें 'निर्यात प्रोत्साहन' (10,000 करोड़ से अधिक) और 'निर्यात दिशा' (14,500 करोड़ से अधिक) शामिल हैं। सरकार 'निर्यात प्रोत्साहन' योजना के तहत जिन मुख्य बातों पर विचार कर रही है, उनमें अगले छह वित्त वर्षों (2025-2031) के लिए 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज समानीकरण समर्थन शामिल है।

फेड की कटौती बदल सकती है सोना की चाल

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने की कीमतें अभी कुछ समय तक सीमित दायरे में रह सकती हैं, लेकिन अमेरिकी केंद्रीय बैंक (फेडरल रिजर्व) के सितंबर में होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दर कम करने की उम्मीदों के बीच कुल मिलाकर सोने की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है।

विश्लेषकों ने कहा कि व्यापारी दूसरी तिमाही की जीडीपी और पीसीई (व्यक्तिगत खपत व्यय) महंगाई दर जैसे अमेरिका के कुछ प्रमुख आर्थिक आंकड़ों और अमेरिकी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों के बयानों पर बारीकी से नजर रखेंगे। इन जानकारियों से

- ब्याज दर कम करने की उम्मीदों के बीच सोने की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना

उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि अमेरिकी बैंक की मौद्रिक नीति क्या होगी और सोने के बाजार की दिशा क्या रहेगी। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने

कहा कि सोने की कीमतें भले ही कुछ समय के लिए स्थिर रहें, लेकिन उनका रुझान सकारात्मक रहने की उम्मीद है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल की टिप्पणियों से सितंबर की बैठक में ब्याज दर में कटौती की उम्मीदें बढ़ गई हैं। निवेशक भू-राजनीतिक और व्यापार से जुड़ी घटनाओं पर भी नजर बनाए रखेंगे। मेर ने कहा कि बाजार रूस-यूक्रेन शांति प्रक्रिया और 27 अगस्त से भारत पर रूस से तेल खरीद पर लगाई जाने वाले अतिरिक्त शुल्क के लागू होने पर बारीकी से नजर रखेंगे। पिछले सप्ताह, सोने ने मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर एक बार फिर एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया और 956 रुपये (एक प्रतिशत) की बढ़त के साथ 1,00,391 रुपये तक गया। यह बढ़त अमेरिकी केंद्रीय बैंक के चेयरमैन जेरोम पॉवेल द्वारा जैक्सन होल संगोष्ठी में मौद्रिक नीति में संभावित बदलाव के संकेत देने के बाद देखी गई, जहां उन्होंने संकेत दिया कि केंद्रीय बैंक दिसंबर के बाद पहली बार जल्द ही ब्याज दरों में कटौती कर सकता है।

राष्ट्रीय

सदन के सत्र को चलने नहीं देना ठीक नहीं

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा- संसद या विधानसभाएं चर्चाओं और परिचर्चाओं के स्थान

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि संसद या विधानसभाएं चर्चाओं और परिचर्चाओं के स्थान हैं, लेकिन संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए विरोध जताने के नाम पर सत्र को चलने नहीं देना ठीक नहीं है। शाह ने यह टिप्पणी ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस में की।

तीन दिन पहले संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों के बाद बार-बार व्यवधान और स्थगन से बहुत कम कामकाज हो पाया। गृह मंत्री ने कहा कि जब संसद में सीमित चर्चा-परिचर्चा होती है, तो राष्ट्र निर्माण में सदन का योगदान प्रभावित होता है। लोकतंत्र में चर्चा-परिचर्चा होनी ही चाहिए, लेकिन संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए विरोध जताने के नाम पर सदन को चलने न दिया जाए, यह ठीक नहीं है। शाह ने कहा कि विपक्ष को हमेशा संयमित रहना चाहिए। विरोध

दिल्ली विस में अखिल भारतीय अध्यक्ष सम्मेलन के दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह, किरेन रीजीजू, उपराज्यपाल वीके सक्सेना, विजेंद्र गुप्ता और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

जताने के नाम पर अगर सदन को दिन-प्रतिदिन या सत्र-दर-सत्र चलने नहीं दिया जाएगा, तो यह ठीक नहीं है। देश को इस पर विचार करना होगा, लोगों को इस पर विचार करना होगा और निर्वाचित प्रतिनिधियों को इस पर विचार करना होगा। शाह ने कहा कि सभी परिचर्चाओं में कुछ न कुछ सार्थकता होनी चाहिए और सभी को अध्यक्ष पद की गरिमा व सम्मान बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए। हमें जनता के मुद्दों को उठाने को लेकर एक निष्पक्ष मंच प्रदान करने के लिए काम करना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के तर्क निष्पक्ष होने चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सदन का संचालन संबंधित सदन के नियमों और विनियमों के अनुसार हो।

हस्तिनापुर में महाभारत की पात्र द्रौपदी के अपमान का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जब भी सदन की गरिमा से समझौता हुआ है, देश को भयावह परिणाम देखने को मिले हैं। गृह मंत्री ने स्वतंत्रता के बाद से भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की सराहना की और कहा कि यहां लोकतंत्र की जड़ें इतनी गहरी हैं कि सत्ता बदलने के दौरान यहां खून की एक बूंद भी नहीं गिरी है, जबकि कई देशों में लोकतांत्रिक स्थिति समय बीतने के साथ-साथ खराब होती गई। उन्होंने कहा कि यदि संसद या विधानसभाओं में चर्चा नहीं होगी तो ये इमारतें बेजान बनी रहेंगी। उन्होंने कहा, "अध्यक्ष के नेतृत्व में सभी सदस्य इन भवनों में विचार व्यक्त करते हैं, तभी यह एक जीवंत इकाई बनती है, जो देश और राज्यों के हित में काम करती है।

स्पीकर को अभिभावक के साथ-साथ सेवक भी बताते हुए शाह ने कहा कि लोकतंत्र में लोगों की समस्याओं को सुलझाने के लिए विचार-मंथन सबसे अच्छा तरीका है।

कानून का उद्देश्य हमेशा जनता का कल्याण

शाह ने कहा कि किसी भी कानून का उद्देश्य हमेशा जनता का कल्याण, देश का समावेशी विकास, प्रशासनिक दक्षता सुनिश्चित करना, राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा और बाह्य सुरक्षा होना चाहिए। शाह ने केंद्रीय विधान सभा के पहले निर्वाचित भारतीय अध्यक्ष विट्ठलभाई पटेल को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि 100 वर्ष पहले आज ही के दिन, महान स्वतंत्रता सेनानी विट्ठलभाई पटेल को केंद्रीय विधान सभा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, जिससे भारत के विधायी इतिहास की शुरुआत हुई। शाह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के भाई विट्ठलभाई पटेल का योगदान समय के साथ फीका पड़ गया। उन्होंने कहा, ''अगर देश का स्वतंत्रता संग्राम महत्वपूर्ण था, तो देश चलाना और विधायी प्रक्रियाएं स्थापित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विट्ठलभाई पटेल ने कठिन समय में भी लोकतंत्र की स्थापना और उसे मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केवल आधार से कोई मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं हो सकता : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने रविवार को विपक्ष पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दुष्प्रचार करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट ने यह नहीं कहा कि सिर्फ आधार ही मतदान का अधिकार पाने के लिए वैध दस्तावेज हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि बिहार में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बाहर किए गए मतदाता अन्य दस्तावेजों के साथ आधार जमा कर सकते हैं।

भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि आधार केवल पहचान और निवास का प्रमाण है, परंतु यह नागरिकता स्थापित नहीं करता। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहीं भी यह नहीं कहा कि एसआईआर के लिए वैध दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल किया जाए। विपक्ष इस मुद्दे पर दुष्प्रचार कर रहा है।

- सुप्रीम कोर्ट के आदेश का दुष्प्रचार करने का भाजपा ने विपक्ष पर लगाया आरोप

उन्होंने कहा कि अधिनियम करना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की कहता है यदि कोई व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं है, न्यायालय द्वारा उसे विक्षिप्त घोषित करने या चुनाव में भ्रष्ट आचरण या अपराधों से संबंधित कानून के तहत अयोग्य है, तो उसे मतदाता सूची में पंजीकरण से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। आधार अधिनियम कहता है कि यह केवल पहचान और निवास का प्रमाण है, न कि यह नागरिकता स्थापित करता। निर्वाचन आयोग से आधार को स्वचालित मतदाता नामांकन के लिए दस्तावेज के रूप में शामिल करने का अनुरोध धारा 16 और आधार अधिनियम को निरर्थक बनाता है। असल में, इसी पीठ ने 12 अगस्त को यह व्यवस्था दी थी कि आधार नागरिकता साबित करने के लिए कानूनी दस्तावेज नहीं है। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो नहीं कहा उसे उसके द्वारा कही गई बात बताना उसकी अवमानना करना है। एसआईआर बरकरार है, केवल आधार आपका नाम सूची में शामिल नहीं करा सकता, फर्जी, बांग्लादेशी और रोहिंग्या के साथ मृतकों के नाम हटाए जाएंगे तथा अगली सरकार केवल भारतीय नागरिक ही चुनेंगे - विदेशी नहीं।

मालवीय ने दावा किया कि बिहार में मसौदा मतदाता सूची से हटाए 65 लाख नामों में फर्जी, मृत, बांग्लादेशी और रोहिंग्या नाम हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हटाए नामों की सूची प्रकाशित करने को कहा ताकि प्रभावित आवेदन कर सकें, लेकिन अब तक 84,305 आपत्तियां दर्ज की गई हैं, जो कुल हटाए नामों का मुश्किल से 1.3 प्रतिशत है।

जम्मू-कश्मीर: पेपर लीक के आरोपों पर एसएसबी परीक्षा रद्द

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में रविवार को भर्ती परीक्षा को प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बाद रद्द कर दिया गया। राजनीतिक दलों ने इसको लेकर सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) पर युवाओं का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाया।

जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) ने लिखित परीक्षा रद्द करने की घोषणा करते हुए कहा कि यह परीक्षा नए सिरे से होगी। जेकेएसएसबी ने कहा, ओएमआर-आधारित लिखित परीक्षा रविवार पूर्वाह्न 11 बजे से जम्मू और श्रीनगर के 35 स्थलों पर होनी थी। मौसम से, समय दोपहर 12 बजे कर दिया गया। परीक्षा 34 स्थलों पर हुई, एक स्थल पर नहीं हो सकी।

जम्मू-कश्मीर में बारिश से बाढ़ पठानकोट राजमार्ग पर पुल गिरा

जम्मू/श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में रात भर हुई भारी बारिश से कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। वहीं, जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक पुल गिर गया। जम्मू में 24 घंटों में सुबह 8.30 बजे तक 190.4 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई। अगस्त में अब तक हुई इस तरह की बारिश सदी में दूसरी बार हुई है।

अगस्त में सबसे अधिक बारिश 228.6 मिमी रही, जो 1926 में हुई थी, जबकि 2022 में 189.6 मिमी बारिश हुई थी। अधिकारियों ने लोगों को जलाशयों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने के लिए परामर्श जारी किया है, क्योंकि 27 अगस्त

भारी बारिश से जम्मू पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग का एक पुल क्षतिग्रस्त।

तक मध्यम से तीव्र बारिश के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बादल फटने, बाढ़ और भूस्खलन का पूर्वानुमान है। जम्मू में भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान (आईआईआईएम) के 45 विद्यार्थियों को एसडीआरएफ और पुलिस के संयुक्त अभियान में सुरक्षित निकाल लिया गया।

आवासीय स्कूल में आग लगने से आठ वर्षीय छात्र की मौत

ईटानगर। अरुणाचल के शि-योमी जिले में शनिवार देर रात सरकारी आवासीय स्कूल में आग लगने से तीसरी कक्षा के एक छात्र की मौत हो गई और तीन छात्र घायल हो गए।

शि-योमी के एसपी एस के थोंगडोक ने बताया कि घटना पापिकुरुंग आवासीय विद्यालय में लड़कों के छात्रावास में देर रात दो बजे हुई। चांगो गांव निवासी एवं तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र ताशी जेम्पेन की मौत हो गई है। घायलों में लुखी पुजेन (8), तनु पुजेन (9) और तायी पुजेन (11) है। 85 किमी दूर जिला अस्पताल ले जाया गया था जहां से उन्हें पश्चिम सियांग के आलो स्थित जोनल जनरल अस्पताल रेफर कर दिया गया।

ईसी-भाजपा में साझेदारी, एसआईआर वोट की संस्थागत चोरी

- कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर लगाए ईसी से साझेदारी के आरोप

अररिया, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को निर्वाचन आयोग पर केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के साथ साझेदारी करने का आरोप लगाया और कहा कि वह बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर होने वाली संस्थागत वोट चोरी को नाकाम करेंगे।

पखवाड़े भर चलने वाली वोटर अधिकार यात्रा के एक सप्ताह बाद, गांधी इसे मिली प्रतिक्रिया से प्रसन्न दिखे और दावा किया कि लोग स्वाभाविक रूप से, बिना कहे इसमें भाग ले रहे हैं और वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा अब छह साल के बच्चों की जुबान पर भी है। राहुल गांधी ने यात्रा के दूसरे चरण का समापन अररिया जिले में किया। वह निकटवर्ती पूर्णिया से एक बाइक रैली के साथ पहुंचे थे। रैली पहले से तय नहीं

बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान बाइक चलाते कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव।

थी। यात्रा अब मंगलवार को फिर से शुरू होगी। गांधी ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने के सवाल को टाल दिया, जबकि यादव ने अगले लोकसभा चुनाव के बाद गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की हाल में खुली वकालत की थी। गांधी ने कहा, गठबंधन के सहयोगी मिलकर काम कर रहे हैं। हम मिलकर चुनाव लड़ेंगे और नतीजे अच्छे होंगे।

वोट चोरी के बाद सत्ता चोरी में जुटी भाजपा : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा गिरफ्तारी को हथियार बनाकर 30 दिनों में विपक्षी सरकारों को गिराने और लोकतंत्र को अस्थिर करने के लिए विधेयक लाकर वोट चोरी के बाद अब सत्ता चोरी में जुटी है। खरगे ने दावा किया कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के प्रावधान वाले विधेयक नागरिकों से अपनी सरकार चुनने या हटाने का अधिकार छीन लेते हैं तथा यह शक्ति ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाओं को दे देते हैं। यह लोकतंत्र पर बुलडोजर चलाने जैसा है। खरगे ने इंदिरा भवन में हरियाणा और मध्यप्रदेश की जिला कांग्रेस समितियों (डीसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्षों के साथ बैठक में यह टिप्पणी की।

- पीएम, सीएम, मंत्रियों को हटाने वाले विधेयकों पर बोले कांग्रेस अध्यक्ष

वर्ल्ड ब्रीफ

नाइजीरिया: हमले में 35 इस्लामी चरमपंथी ढेर

अबुजा। नाइजीरिया की सेना ने देश के उत्तर-पूर्वी इलाके में हवाई हमलों में कम से कम 35 संदिग्ध चरमपंथियों को ढेर कर दिया। नाइजीरिया इस समय चरमपंथ और फिर से सक्रिय हो रहे आतंकवादी संगठन बोको हराम के खतरे का सामना कर रहा है। नाइजीरिया की वायुसेना के प्रवक्ता एहिमेन एजोडामे के अनुसार, ये हवाई हमले कैमरून की सीमा से सटे बोर्नो प्रांत के कुम्शे क्षेत्र में चार ठिकानों पर किए गए। एजोडामे ने कहा कि इलाके में तैनात सैनिकों पर हमले की कोशिशों के बाद चरमपंथी कुम्शे क्षेत्र में इकट्ठा हो गए थे। उन्होंने कहा, इस अभियान के बाद सैनिकों से संपर्क फिर से स्थापित किया गया और उन्होंने बताया कि वहां हालात अब स्थिर हैं।

भारत पहुंचने पर फिजी के पीएम का स्वागत

नई दिल्ली। फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका का रविवार सुबह यहां पहुंचने पर शानदार स्वागत किया गया। शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राबुका और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर कहा,फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका की यह यात्रा विभिन्न क्षेत्रों मे दोनों देशों की साझेदारी को और प्रगाढ़ करेगी। राबुका के साथ उनकी पत्नी सुलुएती राबुका भी आई हैं। उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा मंत्री रातू अटोनियो लालबालावु शामिल हैं।

टैरिफ: भारतीय राजदूत अमेरिकी सांसदों से मिले

न्यूयॉर्क। भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने भारत और अमेरिका के बीच जारी शुल्क तनाव के मध्य अमेरिकी सांसदों के साथ निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार संबंधों पर चर्चा की। भारतीय राजदूत ने पिछले 24 घंटों में चार अमेरिकी सांसदों से मुलाकात की। वह नौ अगस्त से अब तक 23 सांसदों से मिल चुके हैं। क्वात्रा ने शनिवार को सांसद जो कोर्टनी से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी का समर्थन करने के लिए आभार जताया।

ईरानी सेना ने मार गिराए छह आतंकवादी

तेहरान। ईरान में सेना ने दक्षिण-पूर्वी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में आतंकवादियों के एक समूह पर हमला कर उसके छह सदस्यों को मार गिराया और दो अन्य को गिरफ्तार कर लिया है। ईरान के खुफिया मंत्रालय की वेबसाइट पर पोस्ट एक बयान के अनुसार, आतंकवादी समूह के सदस्य जिनमें सात गैर-ईरानी नागरिक शामिल थे, पिछले दिनों देश की पूर्वी सीमा से ईरान में घुस आए थे और खतरनाक और लक्षित आतंकवादी अभियान चलाने की कोशिश कर रहे थे।

जोहानिसबर्ग में धूमधाम से मना भारत दिवस समारोह

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

- वैश्विक आतंकवाद से निपटने की भारत की प्रतिबद्धता पर जोर

जोहानिसबर्ग में 'इंडिया क्लब' ने शनिवार को 16वां वार्षिक भारत दिवस समारोह आयोजित किया जिसमें वैश्विक आतंकवाद से निपटने की भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया।

'इंडिया क्लब' प्रवासी भारतीयों का एक संगठन है जिसकी स्थापना भारत से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने के लिए 16 वर्ष पहले की गई थी। इनमें से मुख्य कार्यक्रम- भारत दिवस कार्यक्रम है। इस बार आयोजित भारत दिवस समारोह में हजारों लोग शामिल हुए। इस कार्यक्रम में भारत के कई राज्यों से आए प्रवासियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और दक्षिण अफ्रीका में मौजूद भारतीय कंपनियों ने विभिन्न स्टॉल पर अपने उत्पाद प्रदर्शित किए।

दक्षिण अफ्रीका के वाणिज्यिक केंद्र सैंडटन के मध्य में स्थित मैदान के प्रवेश द्वार पर वैश्विक आतंकवाद पर प्रकाश डालने वाली एक प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें दिखाया गया कि किस प्रकार न केवल भारत, बल्कि पूरा विश्व दशकों से आतंकवादियों के हमले की चपेट में है। प्रदर्शनी में भारत सहित दुनियाभर के विभिन्न स्थानों पर हुए हमलों की समय-सारिणी दर्शायी गई।

मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़

नकली दवाओं का कारोबार मुनाफा कमाने के लिए सीधे-सीधे मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करना है। भारत में यह पिछले कुछ वर्षों में गंभीर समस्या बन गया है। मरीजों के लिए यह संकट कितना चिंताजनक है, इसका अंदाजा विश्व स्वास्थ्य संगठन के उस ताजा अनुमान से लगाया जा सकता है जिसके मुताबिक भारत में लगभग 20 प्रतिशत तक दवाएं नकली या घटिया गुणवत्ता की होने की बात कही गई है। वर्ष 2022 में भारतीय औषधि नियामक प्राधिकरण ने भी देश भर में परीक्षण के बाद करीब तीन प्रतिशत दवाओं को नकली या घटिया पाया था। भारत की विशाल आबादी और बड़े दवा बाजार के कारण नकली दवाओं की खपत आसानी से होती है। इसे रोकने के लिए बने सरकारी कानूनों का कड़ाई से पालन भी बड़ी चुनौती है। नियंत्रित वितरण, कड़ी निगरानी और ट्रैकिंग सिस्टम की कमी की वजह से भी नकली दवाएं बनाने वाले कानून की गिरफ्त में नहीं आ पाते।

नकली दवाओं का कारोबार

हाल में पकड़े गए मामले

- आगरा में एसटीएफ के छापे में बंसल मेडिकल एजेंसी और हेमा मेडिकल स्टोर से तीन करोड़ की नकली दवाएं बरामद।
- वर्ष 2023 और 2024 में दिल्ली में नकली एंटी बायोटिक और डायबिटीज की दवाओं की कई फैक्ट्रियां पकड़ी गईं।
- वर्ष 2024 में भी आगरा और कानपुर में ब्लड प्रेशर और दर्द निवारण की नकली दवाओं की बड़ी खेप पकड़ी गई थी।
- वर्ष 2023 में महाराष्ट्र के नागपुर, पुणे में नकली दवाओं का रैकेट पकड़ा गया। फरीदाबाद में कैंसर की नकली दवाएं पकड़ी गईं।

सबसे ज्यादा नकली दवाएं

सबसे ज्यादा बनाई जाने वाली नकली दवाओं में एंटीबायोटिक्स, पेनकिलर्स और पैरासिटामोल जैसी दवाएं होती हैं क्योंकि इनकी खपत सर्वाधिक है। इसके अलावा ब्लड प्रेशर, डायबिटीज की भी काफी दवाएं नकली होती हैं। कैंसर और हृदयरोग की महंगी दवाएं भी नकली बनाई जाती हैं। इसके अलावा विटामिन और सप्लीमेंट्स भी नकली होते हैं।

मरीजों की जिंदगी पर असर

- वर्ष 2019 में उत्तर प्रदेश में नकली पैरासिटामोल के इस्तेमाल से बच्चों में लिवर फेल होने के कई मामले सामने आए।
- वर्ष 2022 में जम्मू-कश्मीर में नकली कफ सिरप से दर्जनों बच्चों की तबीयत बिगड़ी तो उस पर पाबंदी लगाई गई।
- डब्ल्यूएचओ ने 2023 में गाम्बिया में हुई 66 बच्चों की मौत का कारण भारत में बने कफ सिरप को माना, निर्यात रोका गया।

सरकार के नियम और कानून

- भारत में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 और रूल्स 1945 के तहत नकली दवाओं के कारोबार के खिलाफ दंडित करने के सख्त प्रावधान हैं।
- इसकी धारा 27 के तहत नकली दवा बनाने पर आजीवन कारावास तक की सजा और 10 लाख रुपये तक का जुर्माना या दोनों दंड दिए जा सकते है।
- वर्ष 2017 में गंभीर बीमारियों की नकली दवा बनाने और बेचने पर सरकार की ओर से मृत्युदंड तक की सजा का भी प्रावधान किया गया है।
- सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑरगेनाइजेशन और राज्य औषधि नियंत्रक नकली दवाएं रोकने के लिए अधिकृत संस्था हैं। इन्हें छापे मारने का निर्देश है।

दूसरे देशों की स्थिति

- अमेरिका, यूरोप जैसे देशों में सख्त रेगुलेशन के कारण नकली दवाओं का कारोबार खुले बाजार में न के बराबर है। हालांकि ऑनलाइन फर्जी फार्मेसी इन देशों में भी सक्रिय होने के मामले सामने आए हैं।
- अमेरिका में नकली दवा बेचने पर 20 साल तक की जेल और भारी जुर्माने का प्रावधान है। यूरोप के कई देशों में 10 साल तक की जेल और लाइसेंस स्थाई रूप से रद्द किए जाने का प्रावधान है।

रूस की तेल रिफाइनरियों पर यूक्रेन के हमले तेज, पेट्रोल का निर्यात बंद

लगातार हमलों से छाया गंभीर संकट, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची पेट्रोल की कीमत

कीव, एजेंसी

यूक्रेन के रूस की तेल रिफाइनरियों पर ताबड़तोड़ हमलों के कारण रूस में पेट्रोल की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। सरकार ने इस संकट से निपटने के लिए पेट्रोल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन रूसी युद्ध मशीनों को नुकसान पहुंचाने के लिए रिफाइनरियों, पंपिंग स्टेशनों और ईंधन ट्रेनों पर लगातार ड्रोन हमले कर रहा है, साथ ही रूस में दैनिक जीवन को भी बाधित करने की कोशिश कर रहा है। गर्मियों में रूस के ड्राइवरों और किसानों के बीच पेट्रोल की मांग चरम पर होती है। सीएनएन की गणना के अनुसार यूक्रेनी ड्रोन ने अकेले इस महीने कम से कम 10 प्रमुख रूसी ऊर्जा संयंत्रों पर हमला किया है। यूक्रेन की खुफिया सेवा के अनुसार जिन रिफाइनरियों पर हमला किया गया है उनमें सालाना 44 मिलियन टन से ज्यादा उत्पाद उतारे हैं जो रूस की क्षमता का 10 प्रतिशत से भी ज्यादा है और यह रणनीति कारगर होती दिख रही है।

यूक्रेन के मानवरहित प्रणालियों के कमांडर रॉबर्ट ब्रोवडी के अनुसार इन लक्ष्यों में दक्षिणी रूस की सबसे बड़ी वोल्गोग्राद स्थित विशाल लुकोइल रिफाइनरी, दक्षिणी रूस में स्थित सारातोव में एक बड़ी रिफाइनरी और रोस्तोव क्षेत्र में स्थित एक और रिफाइनरी शामिल है। कई रूसी क्षेत्रों और क्रीमिया में ईंधन की कमी की खबरें आ रही हैं। रूस द्वारा नियुक्त गवर्नर सर्गेई अक्स्योनोव ने गैसोलीन की कमी के लिए लॉजिस्टिक्स संबंधी समस्याओं को ज़िम्मेदार ठहराया और कहा कि सरकार आवश्यक मात्रा में ईंधन ख़रीदने और कीमतों को स्थिर करने के लिए हर संभव उपाय कर रही है। यूक्रेन की विदेशी खुफिया सेवा ने पिछले गुरुवार को एक रिपोर्ट में कहा कि रूसी कंपनियां घरेलू कमी को दूर करने के लिए बेलारूस से तत्काल तेल खरीद रही हैं।

यूक्रेन के ड्रोन हमले के बाद रूस के परमाणु संयंत्र के एक हिस्से में आग लग गई।

रूस का तेल निर्यात भी रोकने की कोशिश, ट्रंप नाराज

यूक्रेन रूस के तेल निर्यात में भी बाधा डालने की कोशिश कर रहा है। पिछले हफ्ते उसके ड्रोन ने द्रुजबा पाइपलाइन पर हमला किया जो हंगरी और स्लोवाकिया को रूसी तेल की आपूर्ति करती है। दोनों देशों ने यूरोपीय संघ से शिकायत करते हुए कहा कि इन हमलों से यूक्रेन मुख्य रूप से रूस को नहीं, बल्कि हंगरी और स्लोवाकिया को नुकसान पहुंचा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस मामले में हस्तक्षेप किया और हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टरबन को एक लिखित नोट में कहा कि वह इस व्यवधान से बहुत नाराज हैं।

रूसी वायु रक्षा बलों ने 95 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए

मॉस्को। रूसी वायु रक्षा बलों ने रविवार तड़के रूसी क्षेत्रों में 95 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया। यह दावा रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से किया गया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शनिवार रात ड्यूटी पर तैनात वायु रक्षा बलों ने 95 यूक्रेनी मानवरहित हवाई वाहनों का पता लगाया और उन्हें नष्ट कर दिया। बयान के अनुसार, ड्रोन को ब्रांस्क, तेवर, कलुगा, ओर्योल, टैम्बोव, नोवगोरोड, बेलगोरोड, रोस्तोव, कुर्स्क, स्मोलेंस्क, समारा, लेनिनग्राद क्षेत्रों, क्रीमिया और तातारस्तान में रोका और नष्ट किया गया गया।

रूस ने यूक्रेन पर लगाया परमाणु संयंत्र पर हमला करने का आरोप

मॉस्को। रूस ने रविवार को यूक्रेन पर आरोप लगाया कि उसने शनिवार-रविवार की दरमियानी रात कई ड्रोन हमले किए, जिसकी वजह से उसके पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र में स्थित एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र में आग लग गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब यूक्रेन अपनी स्वतंत्रता के 34 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। रूस के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार देर रात किए गए हमलों में कई ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाया गया। अधिकारियों ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर बताया कि यूक्रेन के ड्रोन हमले में एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र में आग लग गई, जिसे तुरंत बुझा दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हमले में एक ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन विकिरण का स्तर सामान्य सीमा के भीतर रहा। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने कहा कि उसे मीडिया में आई उन खबरों की जानकारी है कि सैन्य कार्रवाई के कारण संयंत्र के एक ट्रांसफार्मर में आग लग गई, लेकिन वह इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका है। यूक्रेन ने कथित हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। रूस के लेनिनग्राद क्षेत्र में उस्त-लुगा बंदरगाह पर यूक्रेन के हमले के बाद आग लगी।

नगर कीर्तन

अमृतसर में रविवार को गुरु ग्रंथ साहिब प्रकाश उत्सव पर स्वर्ण मंदिर में नगर कीर्तन जुलूस में उमड़ी भीड़। एजेंसी

इजराइली सेना ने गाजा में राहत ले जा रहे चार लोगों को गोली मारी

दीर अल-बलाह। इजराइली सेना ने गाजा के दक्षिण में एक सैन्य क्षेत्र से होकर जा रहे चार लोगों को मार डाला। वे चारों भोजन वितरण केंद्र से राहत सामग्री लेने जा रहे थे।

गाजा में खाने की तलाश के दौरान मारे जा रहे फलस्तीनियों की संख्या बढ़ गई है। गाजा के कई इलाकों में भुखमरी गहराती जा रही है। इस बीच इजराइली सेना ने उत्तरी गाजा में हमले तेज कर दिए हैं, क्योंकि वह गाजा की सबसे बड़ी आबादी वाले शहर पर कब्जा करना चाहता है। चार फलस्तीनियों की इजराइली सैनिकों ने तब हत्या कर दी जब वे राहत सामग्री लेकर भोजन वितरण केंद्र जा रहे थे।

अमेरिकी सैन्य अभ्यास के बीच किम जोंग ने किए दो मिसाइलों के परीक्षण

सियोल, एजेंसी

- द. कोरिया के साथ सैन्य अभ्यास को बताया था हमले की तैयारी

दक्षिण कोरिया और अमेरिका के वार्षिक सैन्य अभ्यास के बीच, उत्तर कोरिया ने देश की सैन्य ताकत का प्रदर्शन करते हुए हवाई हमलों को रोकने में सक्षम दो नई मिसाइल का परीक्षण किया। देश के नेता किम जोंग उन इस परीक्षण के दौरान मौजूद रहे।

उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी' ने बताया कि शनिवार को किए गए परीक्षित ये मिसाइल ड्रोन और क्रूज़ मिसाइल के हमलों से निपटने में सक्षम हैं। खबर के मुताबिक किम जोंग उन ने अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले एक प्रमुख राजनीतिक सम्मेलन से पहले रक्षा वैज्ञानिकों को कुछ महत्वपूर्ण कार्य भी सौंपे हैं। हालांकि यह जानकारी नहीं दी गई कि ये मिसाइल किस प्रकार की थीं या ये परीक्षण कहां किया गया।

यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्यूंग शिखर सम्मेलन के लिए तोक्यो की यात्रा पर हैं। इस बैठक में उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ द्विपक्षीय सहयोग और अमेरिका के साथ त्रिपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने का संकल्प लिया।

अल्जीरिया से रक्षा संबंध बढ़ाने की पहल

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीमा पर लगातार बढ़ती चीन की चुनौती से निपटने की तैयारी
- थल सेनाध्यक्ष जनरल द्विवेदी चार दिन की अल्जीरिया यात्रा पर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के तहत थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी चार दिवसीय यात्रा पर रविवार को अल्जीरिया रवाना हुए ताकि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा संबंधों का विस्तार करने की संभावनाओं का पता लगाया जा सके।

इस यात्रा से 10 महीने पहले भारत ने इस उत्तर अफ्रीकी राष्ट्र के साथ रक्षा सहयोग संबंधी एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अधिकारियों ने बताया कि जनरल द्विवेदी अल्जीरिया के शीर्ष रक्षा एवं सैन्य अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे और इस दौरान विशेष रूप से दोनों थल सेनाओं के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इस क्षेत्र में अपनी सामरिक ताकत बढ़ाने के चीन के लगातार प्रयासों की पृष्ठभूमि में भारत इस अफ्रीकी राष्ट्र के साथ अपने रक्षा संबंधों का विस्तार करने के लिए कदम उठा रहा है। थलसेना ने एक बयान में कहा, इस यात्रा का उद्देश्य भारत और अल्जीरिया के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत करना है, जिसमें सेनाओं के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना, क्षेत्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर दृष्टिकोण साझा करना और रक्षा औद्योगिक सहयोग के अवसरों की खोज करना शामिल है।

बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के अभियान में नेपाल भी शामिल

काठमांडू। नेपाल बड़ी बिल्लियों की सात प्रजातियों के संरक्षण के लिए भारत के नेतृत्व वाली वैश्विक पहल 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' (आईबीसीए) का आधिकारिक तौर पर सदस्य बन गया है।

आईबीसीए बड़ी बिल्लियों की प्रजातियों के संरक्षण में रुचि रखने वाले 90 देशों का गठबंधन है। आईबीसीए ने कहा, नेपाल ने मसौदा समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और इसके साथ ही वह 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' में औपचारिक रूप से शामिल हो गया है। आईबीसीए ने कहा, नेपाल में हिम तेंदुए, बाघ और सामान्य तेंदुए पाए जाते हैं और इसके आईबीसीए में शामिल होने से इस प्रजाति के अन्य जीवों के संरक्षण की दिशा में वैश्विक सहयोग मजबूत होगा।

रूसी तेल पर ट्रंप की चिंता को गंभीरता से ले भारत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने कहा है कि भारत को रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चिंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए और इस मुद्दे का समाधान निकालने के लिए व्हाइट हाउस के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता हेली ने शनिवार को 'एक्स' पर चार दिन पहले न्यूजवीक के लिए लिखे अपने लेख का एक अंश पोस्ट किया। साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर ने सोशल मीडिया पर नई दिल्ली से रूसी कच्चे तेल पर राष्ट्रपति ट्रंप की चिंताओं को गंभीरता से लेने का आग्रह करते हुए यह पोस्ट ऐसे समय किया है जब इस लेख के बाद उन्हें अपनी पार्टी के भीतर आलोचना का सामना करना पड़ा है।

- रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने किया आग्रह, इससे पहले भारत का पक्ष लेने पर हुई थी आलोचना

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने कहा कि भारत को रूसी तेल पर ट्रंप की बात को गंभीरता से लेना चाहिए और समाधान खोजने के लिए व्हाइट हाउस के साथ काम करना चाहिए। हेली ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, व्यापार संबंधी मतभेदों और रूसी तेल आयात जैसे मुद्दों से निपटने के लिए कठोर बातचीत की आवश्यकता है।

उनका लेख राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में आए तनाव पर था। हेली को दोनों देशों के बीच शुल्क को लेकर तनाव के बीच भारत का पक्ष लेने के लिए अपनी पार्टी के भीतर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रंप प्रशासन रूस से रियायती दर पर कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत की कड़ी आलोचना करता रहा है। दिलचस्प यह है कि वाशिंगटन की ओर से रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े आयातक चीन की अब तक एक बार भी आलोचना नहीं की गई है। रूस से कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है।

आज की ग्रह स्थिति : 25 अगस्त, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 12 .34 तक तत्पश्चात तृतीया।

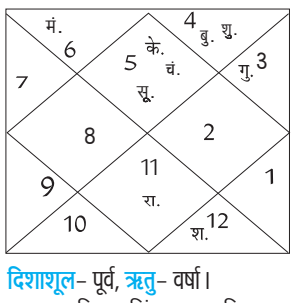

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल-मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तराफाल्गुनी 26 अगस्त 03 .50, तक तत्पश्चात हस्त।

मेष — आज आप अपनी महत्वकांक्षाओं को पूरा करने में कामयाब होंगे। नए संपर्कों का बेहतरीन लाभ प्राप्त होगा। घर में धर्म-कर्म का वातावरण रहेगा। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विदेश में कारोबार कर रहे लोगों की आय बढ़ेगी।

वृष — आज अपनी कार्यक्षमता में सुधार कर सकते हैं। अविवाहित लोगों को विवाह के ऑफर मिलने के योग बन रहे हैं। वरिष्ठजनों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नए उद्योग-धंधों में लाभ मिलेगा। आप काफी रोमान्टिक मूड में रहेंगे।

मिथुन — आज आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी। उच्चाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण ऑनलाइन बैठकों में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको लोग अत्यधिक महत्व देंगे। कृषि कार्यों से जुड़े लोगों की आय बढ़ने की संभावना बन रही है।

कर्क — आज आईटी प्रोग्रामिंग आदि का अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को करियर के अच्छे विकल्प मिलने के योग बन रहे हैं। अपनी क्षमताओं को पहचानें और समय का सदुपयोग करें। बुद्धिमान लोगों के साथ अधिक समय बितायेंगे।

सिंह — आज परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। निर्माण कार्यों में शानदार प्रगति होने की संभावना बन रही है। ससुराल पक्ष में कुछ मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। आपके मन में कुछ नए विचार जन्म लेंगे।

कन्या — आज मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। कला और सौंदर्य के प्रति आकर्षित रहेंगे। फैशन डिजाइनर के लिए दिन बहुत ही शुभ है। मेहनत का परिणाम मिलने से आपको लाभ मिलेगा। जीवनसाथी का बेहतरीन सहयोग प्राप्त होगा।

तुला — आज आपका आत्मविश्वास काफी मजबूत होगा। पैतृक व्यापार में बहुत ही अच्छा लाभ मिलेगा। आपकी दिनचर्या बहुत ही अनुशासित रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। लवमेट्स के बीच की कलह दूर होगी।

वृश्चिक — आज परिवार में सुख और शांति का वातावरण रहेगा। माता-पिता अपने बच्चों की उपलब्धियों पर गर्व करेंगे। नव दंपति किसी रोमान्टिक टूर का प्लान कर सकते हैं। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु — आज करियर को आगे बढ़ाने के लिए अपने मार्गदर्शकों या गुरुतुल्य व्यक्तियों का साथ मिलेगा। सरकारी जॉब कर रहे लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। आपका आत्मविश्वास आपकी सबसे बड़ी शक्ति है। इसे कभी भी कम न होने दें।

मकर — आज घर-परिवार में वातावरण काफी अच्छा रहेगा। जॉब में इच्छानुसार पदोन्नति मिलने के भी काफी अच्छी संभावना है। साझेदारी वाले व्यापार में प्रगति होगी। आपके पास जो नकदी की समस्या थी उसका निराकरण होगा।

कुंभ — आज व्यवसाय में बड़ी डील मिलने की संभावना बन रही है। आपको नई जॉब मिल सकती है। आप काम और अपने व्यक्तिगत जीवन दोनों को ही अच्छी तरह से मैनेज कर पायेंगे। विपरीत लिंग के मित्रों के साथ आप अधिक समय बिताने का प्रयास करेंगे।

मीन — आज युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए बहुत ही अच्छा है। घर के लोगों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। भविष्य को लेकर योजना बनायेंगे। पिता जी के साथ बहसबाजी करना उचित नहीं है। आपके स्वभाव में थोड़ा चिड़चिड़ापन रहेगा।

सुडोकू-79

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		6	9		1			
1			2	4				
2		4				9		5
		7			9		4	
6		3	5		4			9
	8		1			6		
9		8				2		6
				2	8			7
			6		3	1		

सुडोकू - 78 का हल

4	7	3	6	9	5	1	8	2
1	9	5	2	4	8	3	7	6
8	2	6	3	1	7	4	9	5
6	1	7	4	2	3	9	5	8
9	5	2	7	8	1	6	4	3
3	4	8	9	5	6	7	2	1
7	8	1	5	3	4	2	6	9
5	6	9	1	7	2	8	3	4
2	3	4	8	6	9	5	1	7

पुजारा को शानदार करियर के लिए बधाई। आप इस अद्भुत खेल के एक महान दूत रहे हैं। क्रिकेट के मैदान पर आपकी सभी उपलब्धियों पर हम सभी को गर्व है। आपने टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया। शाबाश।
-अनिल कुंबले

स्टेडियम

कानपुर नगर, सोमवार, 25 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गांगुली प्रिटोरिया के मुख्य कोच नियुक्त

सेंचुरियन : पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को रविवार को 2026 सत्र से पहले एसए 20 टीम प्रिटोरिया कैपिटल्स का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। यह किसी टीम का मुख्य कोच बनने का उनका पहला कार्यकाल होगा। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष गांगुली इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट की जगह लेंगे जिनके पद छोड़ने की घोषणा शनिवार को की गई थी। सेंचुरियन स्थित फ्रेंचाइजी ने इंस्टाग्राम पर लिखा हमें सौरव गांगुली को अपना नया मुख्य कोच घोषित करते हुए बेहद खुशी हो रही है।

अफगानिस्तान की कमान संभालेंगे राशिद

काबुल : दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिन गेंदबाजों में से एक राशिद खान को नौ सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए रविवार को अफगानिस्तान का कप्तान नियुक्त किया गया। अफगानिस्तान की टीम में स्पिन गेंदबाजों का दबदबा है। टीम इस प्रकार है : राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, दरविश रसूली, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, करीम जनत, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, शराफुद्दीन अशरफ, मोहम्मद इशाक, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, एएम गजनफर, फरीद अहमद मलिक, फजलहक फारूकी, नवीन उल हक।

भारत की भूटान पर बड़ी जीत

थिम्पू (भूटान) : अनुष्का कुमारी की शानदार हैट्रिक की बदौलत भारत की अंडर-17 महिला टीम ने सैफ अंडर-17 महिला चैंपियनशिप 2025 में अपना शानदार रिकॉर्ड बरकरार रखते हुए मेजबान भूटान को 8-0 से हरा दिया। यह भारतीय महिला टीम की लगातार तीसरी जीत है। आज यहां चांगलिमथांग स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम के लिए अनुष्का (53वें, 61वें, 73वें) के शानदार प्रदर्शन के अलावा, अभिस्ता बसनेट (23वें, 89वें) ने दो गोल किए, जबकि पर्ल फर्नांडीस (71वें), दिव्यानी लिंडा (77वें) और वलैना फर्नांडीस (90वें, 2वें) ने गोल दागे। हाफ टाइम तक भारत 1-0 से आगे था। दूसरे हाफ में दबदबा कायम करते हुए भारतीय टीम ने 8-0 से जीत दर्ज की।

भारतीय क्रिकेट जगत ने पुजारा के धैर्य और जज्बे की सराहना की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट जगत ने रविवार को खेल के सभी प्रारूप से संन्यास लेने वाले स्टार बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की उनके धैर्य, दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ भाव से खेलने के लिए जमकर सराहना की। पुजारा ने भारत की तरफ से 103 टेस्ट मैच खेले और 43.60 की औसत से 7195 रन बनाए।

क्रिकेट के दिग्गज **सचिन तेंदुलकर** ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया में हुई शृंखला में उनके प्रदर्शन को सर्वश्रेष्ठ में से एक बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा पुजारा आपको तीसरे नंबर पर खेलते देखना हमेशा सुकून देने वाला रहा। हर बार आप खेलते हुए संयम, साहस और टेस्ट क्रिकेट के प्रति गहरा लगाव लेकर आए। आपकी मजबूत तकनीक और दबाव में संयम टीम के लिए एक स्तंभ रहा है। ऑस्ट्रेलिया में 2018 की शृंखला में मिली जीत कई उपलब्धियों में से एक है। यह आपके अविश्वसनीय लचीलेपन और मैच में जीत दिलाने वाले रनों के बिना संभव नहीं होता।

भारत के मुख्य कोच **गौतम गंभीर** ने एक्स पर लिखा जब तूफान आया तो वह डटे रहे, जब उम्मीदें धूमिल हो रही थीं तब उन्होंने अपना जुझारूपन दिखाया। बधाई।

युवराज सिंह ने लिखा ऐसा व्यक्ति जिसने हमेशा अपना मन, शरीर और आत्मा देश के लिए लगा दी। शानदार करियर के लिए बहुत-बहुत बधाई पुज्जी। फिर मिलेंगे।

पूर्व बल्लेबाज **वीवीएस लक्ष्मण** ने लिखा उनका साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प हमेशा स्पष्ट दिखाई दिया और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा टेस्ट में उन्हें जो चोटें लगीं, वे मेरे लिए पुजारा के उस क्रिकेटर का प्रतीक हैं जो अपने देश के लिए अपना सब कुछ झोंक देता है। शाबाश और आपको दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं।

अजिंक्य रहाणे ने कहा पुज्जी, शानदार करियर के लिए बधाई। आपके साथ खेलने के हर पल का आनंद लिया और साथ में मिली विशेष टेस्ट जीत को हमेशा संजो कर रखेंगे। दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय क्रिकेट में पुजारा के योगदान का जिक्र किया और उन्हें भारतीय बल्लेबाजी का मजबूत स्तंभ बताया।

बीसीसीआई सचिव **देवजीत सैकिया** ने कहा चेतेश्वर पुजारा का करियर दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ भाव से खेलने का शानदार उदाहरण है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट की भावना को साकार किया।

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज **वीरेंद्र सहवाग** ने कहा शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई चेतेश्वर। आपका धैर्य, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत प्रेरणादायक थी और आपने जो हासिल किया है उस पर आपको गर्व हो सकता है। दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज **सुरेश रैना** ने कहा एक दिग्गज को सलाम। चेतेश्वर पुजारा के अविश्वसनीय करियर को अलविदा कहने का समय आ गया है।

कोई पछतावा नहीं, लंबे समय तक खेलने का सौभाग्य मिला है : पुजारा

- **राजकोट :** पिछले दो साल से भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे चेतेश्वर पुजारा किसी और से बेहतर समझते हैं कि बिना किसी पछतावे के राष्ट्रीय टीम से विदाई लेने का यह सही समय है। सैंतीस साल के पुजारा ने रविवार को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने 103 टेस्ट मैचों में 19 शतकों के साथ 7195 रन बनाए हैं जिसमें उनका औसत 43 से अधिक का रहा है। पुजारा ने अपने गृहनगर में पत्रकारों से कहा मुझे कोई पछतावा नहीं है। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मैंने इतने लंबे समय तक भारतीय टीम के लिए खेल सका। बहुत कम खिलाड़ियों को ऐसा मौका मिलता है इसलिए मैं अपने परिवार और उन लोगों का बहुत आभारी हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया। उन्होंने इंग्लैंड में हाल ही में हुई टेस्ट सीरीज के दौरान एक प्रसारक के रूप में काम करना शुरू किया है। उन्होंने संकेत दिया कि उन्हें कमेंट्री में अपना करियर मिल गया है। मुझे बहुत खुशी है कि मैं यह सब छोड़ रहा हूं, लेकिन साथ ही मैं खेल से जुड़ा रहूंगा। मैं अब कमेंट्री कर रहा हूं और मैंने मीडिया का काम भी शुरू कर दिया है।

ऐश्वर्य ने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में किया शानदार प्रदर्शन

शिमकेंट, एजेंसी

भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने रविवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। जूनियर पुरुष थ्रीपी स्पर्धा में एड्रियन कर्माकर ने फाइनल में 463.8 के एशियाई जूनियर रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। तोमर ने 462.5 का स्कोर करके शीर्ष स्थान हासिल किया।

चीन के वेनयू झाओ ने 462 अंक के साथ रजत पदक जीता जबकि जापान के नाओया ओकाडा ने 445.8 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। तोमर ने इस स्पर्धा में अपना दबदबा बनाए रखा और प्रतियोगिता के अधिकांश हिस्से में बढ़त बनाए रखी। इस 24 साल के निशानेबाज ने नीलिंग पोजीशन में बेहतरीन प्रदर्शन किया लेकिन इसे प्रोन पोजीशन में दोहरा नहीं सके। उन्होंने हालांकि स्टैंडिंग दौर में अच्छा प्रदर्शन किया और 1.5 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ प्रतियोगिता के अंतिम चरण में प्रवेश करने के बाद विजेता बने।

इस स्पर्धा में अन्य भारतीय निशानेबाजों में चैन सिंह चौथे स्थान पर रहे, जबकि अखिल श्योराण फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे। इससे पहले तोमर, चैन सिंह और श्योराण की भारतीय तिकड़ी ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। तोमर क्वालिफिकेशन में कुल 584 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे। चीन के भी तीनों निशानेबाजों ने क्वालीफाई किया, जबकि अन्य दो स्थान क्रमशः जापान और कोरिया को मिले। भारत टीम स्वर्ण पदक से तीन अंक चूक गयी।

भारतीय तिकड़ी का कुल स्कोर 1747 था जो चीन के कुल स्कोर से तीन अंक कम था। इस बीच ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन दौर में प्रिसिशन चरण के बाद चौथे स्थान पर है।

ईशा सिंह दूसरे स्थान पर रहीं। मनु इस सप्ताह की शुरुआत में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीत चुकी है। वेदांत वाघमारे जूनियर पुरुषों की 3पी स्पर्धा में 582 के स्कोर के साथ क्वालीफाइंग में दूसरे स्थान पर रहे।

वर्ष 2023 में भी जीता था सोना

- तोमर का यह इसी स्पर्धा में दूसरा एशियाई खिताब था। उन्होंने 2023 में भी स्वर्ण पदक जीता था। जकार्ता में 2024 सत्र में हालांकि उन्हें श्योराण से हारने के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। अनुभवी चैन सिंह 582 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में पांचवें स्थान पर रहे, जबकि विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता श्योराण ने 581 अंकों के साथ सातवां क्वालीफाइंग स्थान हासिल किया।

ऑस्ट्रेलिया के शतकवीर कैमरन ग्रीन, कप्तान मिचेल मार्श व ट्रेविस हेड। एजेंसी

द. अफ्रीका की वनडे में सबसे बड़ी हार

मैके (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

- **ऑस्ट्रेलिया ने 276 रनों से रौंदा तीन बल्लेबाजों ने लगाए शतक**

ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष तीन बल्लेबाजों ने रविवार को यहां तीसरे और अंतिम वनडे में तेज गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए तेज शतक जड़े जिससे दक्षिण अफ्रीका को एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

ट्रेविस हेड (142), कप्तान मिचेल मार्श (100) के बाद कैमरन ग्रीन (नाबाद 118) के पहले एकदिवसीय शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 431 रनों से वनडे में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। सीरीज का अपना पहला मैच खेल रहे ऑलराउंडर कूपर कोनोली ने 22 रन देकर पांच विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को झकझोर दिया जिससे मेहमान टीम 24.5 ओवर में 155 रन पर ऑल आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका के लिए डेवाल्ड ब्रेविस 49 रन बनाकर शीष स्कोरर रहे। कोनोली ने अपनी बाएं हाथ की स्पिन से निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया और ऑस्ट्रेलिया को 276 रनों से जीत दिलाई।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ वनडे स्कोर चार विकेट पर 434 रनों से बस कुछ ही दूर रह गया जो उसने 2006 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाया था। उसके लिए दूसरी बार शीर्ष तीन बल्लेबाजों ने वनडे पारी में शतक जड़े। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने वाले हेड और मार्श ने घरेलू टीम को 34 ओवर में बिना विकेट गंवाए 250 के स्कोर तक पहुंचा दिया। इन दोनों ने दक्षिण अफ्रीका की अनुभवहीन गेंदबाजी के खिलाफ पहले विकेट के लिए ऑस्ट्रेलिया की चौथी सबसे बड़ी साझेदारी बनाई। दक्षिण अफ्रीका ने केर्न्स और मैके में क्रमशः 84 रनों और 98 रनों की शानदार जीत से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार पांचवीं द्विपक्षीय वनडे शृंखला पहले ही जीत ली थी जिसके बाद तेज गेंदबाज़ लुंगी एनगिडी को इस मैच के लिए आराम दिया गया था। कागिसो रबाडा टखने की चोट के कारण पहले ही श्रृंखला से बाहर हो गए थे।

पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन के सामने कड़ा मुकाबला

पेरिस, एजेंसी

- **बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के मुकाबले आज से होंगे शुरू**

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को सोमवार से यहां शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में पहले दौर में शीर्ष वरीय शि यू का सामना करना होगा जबकि पूर्व चैंपियन पीवी सिंधू खराब प्रदर्शन से उबरकर कड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश करेंगी।

भारत के प्रमुख खिलाड़ियों के लिए यह साल मुश्किल रहा है। चोटों और खराब फॉर्म ने उनकी तैयारी में बाधा डाली है। एक साल पहले ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले सेन अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद में फ्रांस की राजधानी में वापसी कर रहे हैं।

पुरुष युगल में नौवीं वरीयता प्राप्त सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पहले दौर में बाई मिली है और वे दूसरे दौर में हमवतन हरिहरन अम्साकरुनन और रूबेन कुमार या चीनी ताइपे के लियू कुआंग हेंग और यांग पो हान से खेलेंगे। मिश्रित युगल में 16वीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो को पहले दौर में बाई मिली है, जबकि रोहन कपूर और रूथविका शिवानी गाडे का पहला मुकाबला मकाऊ के लियोंग लोक चोंग और वेंग ची एनजी से होगा। महिला युगल में प्रिया कोंजेंगबाम-श्रुति मिश्रा तथा पांडा बहनें रुतुपर्णा और श्वेतपर्णा भी चुनौती पेश करेंगे।

कालोयाना के खिलाफ शुरू करेंगी अभियान

- पांच विश्व चैंपियनशिप पदकों के साथ सबसे सफल भारतीय सिंधु अपने अभियान की शुरुआत बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा के खिलाफ करेंगी। विश्व चैंपियनशिप 2023 में कांस्य पदक जीतने वाले एचएस प्रणय का पहला मुकाबला फिनलैंड के जोकिम ओल्डॉर्फ से होगा। जीतने पर दूसरे दौर में डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन का सामना करना पड़ सकता है।

ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की खिलाड़ी जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाती हुईं। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने भारत ए महिला टीम को हराया

ब्रिस्बेन, एजेंसी

ऑफ स्पिनर एमी एडगर के पांच विकेट के बाद शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ए ने रविवार को यहां एकमात्र अनधिकृत महिला टेस्ट के अंतिम दिन भारत ए को छह विकेट से हरा दिया।

एडगर ने 57 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने दिन के दूसरे ओवर में वीजे जोशीथा का विकेट लेकर अपना पांचवां विकेट हासिल किया, जिससे भारत ए की दूसरी पारी 286 रन पर सिमट गई और मेजबान टीम को 281 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ए ने अनिका लियरॉयड (72), रेचल ट्रेनामन (64) और मैडी ड्रेक (68) के अर्धशतकों की बदौलत 85.3 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। ट्रेनामन और कप्तान विल्सन ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 117 रन की साझेदारी कर भारत पर दबाव बना दिया।

बार्सिलोना ने विजय अभियान जारी रखा

बार्सिलोना, एजेंसी

स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में गोल करने के बाद जश्न मनाते बार्सिलोना के खिलाड़ी।

बार्सिलोना ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में मेजबान टीम लेवांटे पर 3-2 से जीत दर्ज करके अपना विजय अभियान जारी रखा।

शीर्ष लीग में जगह बनाने वाले लेवांटे ने मध्यांतर तक दो गोल की बढ़त हासिल करके सबको चौंका दिया था। गत विजेता बार्सिलोना को दूसरे हाफ में पेड्री गोंजालेज और फेरान टोरेस ने बराबरी दिलाई। इसके बाद लेमिन यामल ने विजयी गोल करने में मदद की जब उनके क्रॉस पर लेवांटे के उनाई एल्गेज़ाबल ने गेंद को अपने ही नेट में पहुंचा दिया। यह आत्मघाती गोल आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले लेवांटे के स्ट्राइकर इवान रोमेरो ने 15वें मिनट में मैच का पहला गोल दागा। जोस लुइस मोरालेस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। इस बीच एटलेटिको मैड्रिड लगातार दूसरे मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया। उसने एल्चे के साथ 1-1 से ड्रॉ खेलकर अपनी बढ़त गंवा दी। एक अन्य मैच में मालोर्का ने सेल्टा विगो के साथ 1-1 से ड्रॉ खेल कर अंक बांटे।

असम, केरल, प. बंगाल व हरियाणा सेमीफाइनल में

नई दिल्ली : असम, केरल, पश्चिम बंगाल और हरियाणा ने रविवार को 64वें सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट (जूनियर बालिका अंडर-17) के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। असम ने गोवा को 6-0 से, केरल ने मेघालय को, 1-0 प. बंगाल ने बिहार को 5-0 व हरियाणा ने महाराष्ट्र को 3-1 से हराया।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 15 भारतीय लेंगे भाग

नई दिल्ली : अगले महीने टोक्यो में होने वाली एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में लगभग 15 भारतीय खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है, जबकि हंगरी में 2023 विश्व चैंपियनशिप में देश के 28 खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

बुडापेस्ट में 2023 में हुए विश्व चैंपियनशिप में नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में स्वर्ण जीता था। देश के रिले दौड़ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद नहीं होने के कारण, विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने वाले भारतीयों की संख्या में कमी आई है।

भारत ने 2023 में पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले के लिए सात धावक नामित किए थे और चौकड़ी ने तत्कालीन एशियाई रिकॉर्ड कायम किया था।

वापसी | चोट के कारण बाहर चल रहीं मीराबाई चानू सोमवार को लौटेंगी प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में

राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में चुनौती पेश करेंगी चानू

अहमदाबाद, एजेंसी

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एक साल के अंतराल के बाद सोमवार को प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में वापसी करेंगी और राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में घरेलू चुनौती की अगुवाई करेंगी जिसमें भारतीय भारोत्तोलकों से पदकों की झड़ी लगाने की उम्मीद है। हाल के वर्षों में चोटों से जूझती रहीं चानू पिछली बार पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक में खेली थीं जिसमें वह एक किलोग्राम से पोडियम स्थान से चूक गई थीं।

इकतीस वर्षीय मीराबाई ने 2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए नए ओलंपिक भार वर्ग लागू होने के बाद 49 किग्रा से 48 किग्रा में जाने का फैसला किया है। वह इस 48 किग्रा भार वर्ग में अपना विश्व चैंपियनशिप खिताब और दो राष्ट्रमंडल खेलों के पदक जीत चुकी हैं, लेकिन 2018 के बाद से इसमें प्रतिस्पर्धा नहीं की है। वजन को नियंत्रित करना एक चुनौती होगी और चानू ने खुद इसे स्वीकार किया है। लेकिन इस दृढ़ निश्चयी मणिपुरी खिलाड़ी ने यह चुनौती स्वीकार कर ली है। मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा के साथ मिलकर काम करते हुए वह अपनी तकनीक को भी निखार रही हैं ताकि स्नैच में 90 किलोग्राम का वजन उठा सकें। अक्टूबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचने की तैयारी में जुटी चानू ने कहा कि वह राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पूरी ताकत नहीं झोंकेंगी जो अगले साल ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों में से एक है। उन्होंने शनिवार को कहा मैं अहमदाबाद में पूरी ताकत नहीं लगा रही हूं क्योंकि मैं विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हूं। मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य एशियाई खेल हैं जहां मेरा लक्ष्य विश्व रिकॉर्ड तोड़ना और पदक जीतना है क्योंकि मैंने अभी तक वहां कोई रिकॉर्ड नहीं बनाया है।

भारतीय टीम

- **महिला :** मीराबाई चानू (48 किग्रा), स्नेहा सोरेन (53 किग्रा), बिंद्यारानी देवी (58 किग्रा), सेराम निरुपमा देवी (63 किग्रा), हरजिंदर कौर (69 किग्रा), हरमनप्रीत कौर (77 किग्रा), वंशिता वर्मा (86 किग्रा :), महक शर्मा (+86 किग्रा)
- **पुरुष :** चनंबम ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा); एम राजा (65 किग्रा); नारायण अजित (71 किग्रा), वल्लूरी अजय बाबू (79 किग्रा), अजय सिंह (88 किग्रा), दिलबाग सिंह (94 किग्रा), हरचरण सिंह (110 किग्रा), लवप्रीत सिंह (+110 किग्रा)।